किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक समाज जागरण

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 4 अंक: 270 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) गुरुवार 09 जुलाई 2026 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

भूस्खलन से वैष्णो देवी यात्रा प्रभावित, मुख्य मार्ग बंद

कटरा। जम्मू-कश्मीर के कटरा स्थित माता वैष्णो देवी भवन मार्ग पर भारी भूस्खलन के बाद प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए मुख्य यात्रा मार्ग को अगले आदेश तक अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। हालांकि, स्थिति सामान्य होने तक पुराने पारंपरिक मार्ग से सीमित संख्या में श्रद्धालुओं को आगे बढ़ने की अनुमति दी जा रही है।

भूस्खलन के बाद नए तार-ाकोट-भवन (बैटरी कार) मार्ग को भी बंद कर दिया गया है, जिससे बैटरी कार सेवा पूरी तरह स्थगित है। वहीं, खराब मौसम, कम दृश्यता और तेज हवाओं के कारण कटरा-सांझीछत हेलीकॉप्टर सेवा भी दिनभर बंद रही। भवन-भैरव घाटी रोपवे सेवा कुछ घंटों तक प्रभावित रहने के बाद शाम को मौसम में सुधार होने पर पुनः शुरू कर दी गई।

हरित ऊर्जा की दिशा में मारुति सुजुकी का बड़ा कदम

खरखौदा संयंत्र में बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का शुभारंभ सौर ऊर्जा का होगा अधिकतम उपयोग, प्रतिवर्ष 54 टन कार्बन उत्सर्जन में आएगी कमी

समाज जागरण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की अग्रणी वाहन निमार्ता मारुति सुजुकी इंडिया ने पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए हरियाणा के खरखौदा स्थित अपने अत्याधुनिक वाहन निर्माण संयंत्र में एक मेगावाट-आवर क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) का शुभारंभ किया है। इस पहल का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना तथा औद्योगिक गतिविधियों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाना है।

कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस ऊर्जा भंडारण प्रणाली को प्रारंभिक चरण में संयंत्र की आंतरिक विद्युत व्यवस्था से जोड़ा गया है। अब सौर ऊर्जा संयंत्र से उत्पन्न अतिरिक्त विद्युत को सु-रक्षित रूप से संग्रहित किया जा सकेगा तथा आवश्यकता पड़ने पर उसका पुनः उपयोग किया जाएगा। इससे ऊर्जा की अनावश्यक बबार्दी रुकेगी और विद्युत आपूर्ति अधिक संतुलित एवं विश्वसनीय बनेगी। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में मारुति सुजुकी ने खरखौदा संयंत्र में 20 मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया था। अवकाश अथवा कम विद्युत मांग के समय उत्पन्न होने वाली अतिरिक्त सौर ऊर्जा का पूर्ण उपयोग संभव नहीं हो पाता था। नई भंडारण प्रणाली इस चुनौती का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करेगी।

मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिसाशी ताकेउची ने कहा कि कंपनी भारत को आत्मनिर्भर एवं हरित ऊर्जा संपन्न बनाने के राष्ट्रीय प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभा रही है। उन्होंने कहा कि खरखौदा संयंत्र में स्थापित यह बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली उसी संकल्प की सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने बताया कि लगभग 15 वर्ष की अनुमानित कार्यावधि वाली इस प्रणाली से प्रतिवर्ष लगभग 54 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। साथ ही, उत्पादन क्षमता में वृद्धि के बावजूद निर्माण प्रक्रिया को अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाए रखने की दिशा में कंपनी निरंतर कार्य करती रहेगी।

यह पहल मारुति सुजुकी की मूल कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के वैश्विक पर्यावरणीय लक्ष्यों के अनुरूप है, जिसके अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2031 तक कार्बन उत्सर्जन में 42 प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- ◆1 मेगावाट-आवर क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का शुभारंभ।
- ◆ 20 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र से उत्पन्न अतिरिक्त ऊर्जा का होगा संग्रहण।
- ◆ प्रतिवर्ष 54 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आने का अनुमान।
- ◆ऊर्जा की बचत के साथ विद्युत आपूर्ति होगी अधिक स्थिर एवं विश्वसनीय।
- ◆ वर्ष 2031 तक 42 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन घटाने के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल।

ऑस्ट्रेलिया पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, रणनीतिक साझेदारी को मिलेगी नई गति

मेलबर्न में प्रधानमंत्री अल्बनीज से होगी शिखर वार्ता, व्यापार, निवेश और सुरक्षा सहयोग पर रहेगा विशेष जोर

मेलबर्न/नई दिल्ली, (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन दिवसीय ऑस्ट्रेलिया यात्रा के तहत बुधवार को मेलबर्न पहुंच

गए। आगमन पर उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह यात्रा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि, "मैं ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न पहुंच गया हूं। यह यात्रा भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी। मुझे प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ होने वाली सार्थक वार्ता की प्रतीक्षा है। साथ ही भारतीय समुदाय से मिलने का अवसर भी मिलेगा, जो दोनों देशों के संबंधों का सशक्त आधार है।"

प्रधानमंत्री मोदी ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के निमंत्रण पर इस यात्रा पर पहुंचे हैं। दोनों नेताओं के बीच होने वाली द्विपक्षीय वार्ता में व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा, प्रौद्योगिकी तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सामरिक सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होने की संभावना है।

यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ऑस्ट्रेलिया की गवर्नर जनरल सैम मोस्टिन से भी शिष्टाचार भेंट करेंगे। इसके अतिरिक्त वे भारत-ऑस्ट्रेलिया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) फोरम को संबोधित करेंगे, जिसमें दोनों देशों के प्रमुख उद्योगपति और निवेशक भाग लेंगे। इस मंच पर आर्थिक सहयोग और निवेश के नए अवसरों पर विचार-विमर्श होगा।

प्रधानमंत्री मोदी मेलबर्न में भारतीय मूल के लोगों की एक विशाल सभा को भी संबोधित करेंगे। भारतीय प्रवासी समुदाय उनकी यात्रा को लेकर उत्साहित है। प्रधानमंत्री के स्वागत से पूर्व समुदाय के सदस्यों ने उनके मंगलमय प्रवास के लिए वैदिक हवन एवं पूजा-अर्चना का आयोजन किया।

इस यात्रा से पहले ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भारत को ऑस्ट्रेलिया का महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक साझेदार बताया। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी वक्तव्य में कहा गया कि विश्व की चौथी सबसे बड़ी तथा तीव्र गति से विकसित होती अर्थव्यवस्था के रूप में भारत, ऑस्ट्रेलिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सहयोगी बन चुका है।

ऑस्ट्रेलिया में भारत के उच्चायुक्त नागेश सिंह ने कहा कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी की यह तीसरी ऑस्ट्रेलिया यात्रा दोनों देशों के बीच निरंतर मजबूत होते संबंधों का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह दौरा द्विपक्षीय सहयोग को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

सेना प्रमुख ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा तैयारियों का लिया जायजा

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी अभियान और युद्धक क्षमता की व्यापक समीक्षा

समाज जागरण

श्रीनगर/नई दिल्ली, (आईएएनएस)। भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने जम्मू-कश्मीर के दौरे के दौरान अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था, नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सैन्य तैयारियों तथा आतंकवाद-रोधी अभियानों की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने श्रीनगर स्थित चिनार कोर मुख्यालय पहुंचकर क्षेत्र की समग्र सुरक्षा स्थिति और सेना की परिचालन क्षमता का विस्तृत आकलन किया।

दौरे के दौरान सेना प्रमुख ने चिनार कोर की विभिन्न सैन्य संरचनाओं का निरीक्षण किया तथा नियंत्रण रेखा और भीतरी क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था, युद्धक तैयारियों एवं परिचालन गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने उन्हें वर्तमान सुरक्षा प-रिदृश्य, आतंकवाद-रोधी अभियानों तथा सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियों के बीच

समन्वय की जानकारी दी।

अधिकारियों ने अमरनाथ यात्रा के लिए किए गए व्यापक सुरक्षा प्रबंधों से भी सेना प्रमुख को अवगत कराया। उन्होंने यात्रा मार्गों की सुरक्षा, संवेदनशील क्षेत्रों में तैनाती तथा संभावित चुनौतियों से निपटने की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनरल धीरज सेठ ने सेना की युद्धक क्षमता को और सुदृढ़ बनाने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी के समावेश, एकीकृत युद्धक तैयारी तथा परिचालन दक्षता बढ़ाने के प्रयासों पर विशेष बल दिया। उन्होंने बदलते सुरक्षा परिदृश्य के अनुरूप सैन्य रणनीतियों और तकनीकी नवाचारों को अपनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

थलसेना प्रमुख ने अग्रिम मोर्चों पर तैनात अधिकारियों, जूनियर कमीशंड अधिकारियों तथा जवानों से संवाद कर उनके अनुभवों और चुनौतियों की जानकारी ली। उन्होंने कठिन एवं विषम परिस्थितियों में सैनिकों द्वारा प्रदर्शित अनु-शासन, साहस, पेशेवर दक्षता और राष्ट्रनिष्ठा की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि सैनिकों के समर्पण और सतत सतर्कता के कारण जम्मू-कश्मीर में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने सभी सैनिकों का मनोबल बढ़ाते हुए भविष्य की चुनौतियों का पूरी तत्परता से सामना करने और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति अपने संकल्प को और अधिक मजबूत बनाए रखने का आह्वान किया।

गौरतलब है कि सेना प्रमुख का यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बल एक ओर आतंकवाद-रोधी अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पवित्र अमरनाथ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित संपन्न कराने के लिए व्यापक स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। ऐसे में सेना प्रमुख की यह समीक्षा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था और परिचालन तैयारियों को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मुख्य बिंदु

- ◆ चिनार कोर मुख्यालय पहुंचकर सेना प्रमुख ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।
- ◆ अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा और आतंकवाद-रोधी अभियानों का लिया जायजा।
- ◆ नियंत्रण रेखा पर युद्धक तैयारियों और परिचालन क्षमता का किया आकलन।
- ◆ आधुनिक तकनीक और सैन्य नवाचारों को बढ़ावा देने पर दिया जोर।
- ◆ सैनिकों के साहस, अनुशासन और समर्पण की सराहना करते हुए बढ़ाया मनोबल।

रायगढ़ में बाढ़ का कहर, 1200 गैस सिलेंडर बह गए

रायगढ़ (महाराष्ट्र)। जिले के खालापुर तालुका स्थित चावणे क्षेत्र में मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के गैस रिफिलिंग संयंत्र में रखे करीब 1200 खाली गैस सिलेंडर तेज बहाव में बह गए। अचानक बढ़े जलस्तर के कारण पानी प्लांट परिसर में घुस गया और कर्मचारियों को सिलेंडरों को सुरक्षित करने का अवसर नहीं मिल सका। राहत की बात यह रही कि सभी सिलेंडर खाली थे, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका टल गई।

बड़े परिवारों को मिलेगा अधिक न्यायसंगत लाभ, 13 जुलाई तक भेजे जा सकेंगे सुझाव

खाद्य सुरक्षा कानून में बड़े बदलाव की तैयारी

अंत्योदय अन्न योजना में होगा सुधार, सरकार ने मांगे जनता के सुझाव

समाज जागरण

नई दिल्ली, (आईएएनएस)। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफ-एसए), 2013 में महत्वपूर्ण संशोधन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा (संशोधन) विधेयक, 2026 का प्रारूप (ड्राफ्ट) सार्वजनिक कर दिया है। सरकार ने इस प्रस्तावित संशोधन पर आम नागरिकों, विशेषज्ञों तथा संबंधित पक्षों से 13 जुलाई तक सुझाव आमंत्रित किए हैं।

प्रस्तावित संशोधन का मुख्य उद्देश्य अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) के अंतर्गत खाद्यान्न वितरण में लंबे समय से चली आ रही असमानताओं को दूर करना तथा लाभार्थियों को अधिक न्यायसंगत एवं पोषण-केंद्रित व्यवस्था उपलब्ध कराना है।

वर्तमान व्यवस्था के अनुसार अंत्योदय अन्न योजना के प्रत्येक पात्र परिवार को प्रति माह 35 किलोग्राम खाद्यान्न दिया जाता है, जबकि प्राथमिकता श्रेणी के लाभार्थियों को प्रति व्यक्ति 5 किलोग्राम खाद्यान्न मिलता है। परिवार आधारित इस व्यवस्था के कारण छोटे परिवारों को प्रति व्यक्ति अपेक्षाकृत अधिक तथा बड़े परिवारों को कम खाद्यान्न प्राप्त होता है। कई मामलों में बड़े परिवारों के प्रति सदस्य को मिलने वाला खाद्यान्न प्राथमिकता श्रेणी के लाभार्थियों से भी कम रह जाता है।

इसी असंतुलन को दूर करने के लिए सरकार ने अब हाइब्रिड मॉडल अपनाने का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत परिवार और व्यक्ति–

दोनों आधारों को संतुलित किया जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार अंत्योदय अन्न योजना के प्रत्येक सदस्य को प्रति माह 7 किलोग्राम खाद्यान्न निर्धारित रियायती दरों पर उपलब्ध कराया जाएगा। हालांकि, किसी भी परिवार को कुल मिलाकर 35 किलोग्राम से अधिक खाद्यान्न नहीं मिलेगा।

सरकार का कहना है कि नई व्यवस्था से समान श्रेणी के सभी लाभार्थियों के बीच खाद्यान्न का वितरण अधिक न्यायपूर्ण होगा तथा परिवार के आकार और पोषण संबंधी आवश्यकताओं के अनुरूप खाद्यान्न आवंटन सुनिश्चित किया जा सकेगा। इससे विशेष रूप से बड़े परिवारों को राहत मिलेगी और खाद्य सुरक्षा व्यवस्था अधिक संतुलित एवं प्रभावी बनेगी।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के अनुसार प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य केवल खाद्यान्न का वितरण बदलना नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के पोषण अधिकार को प्राथमिकता देना भी है। सरकार का मानना है कि इससे देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था अधिक पारदर्शी, समावेशी और न्यायसंगत बनेगी।

सरकार ने इस प्रारूप विधेयक पर नागरिकों, विशेषज्ञों तथा अन्य हितधारकों से सुझाव आमंत्रित किए हैं। इच्छुक व्यक्ति अपने सुझाव 13 जुलाई तक ई-मेल के माध्यम से भेज सकते हैं। प्राप्त सुझावों के आधार पर अंतिम विधेयक को स्वरूप दिया जाएगा।

क्या बदल सकता है?

- ◆ वर्तमान व्यवस्था : अंत्योदय परिवार को प्रति माह 35 किलोग्राम खाद्यान्न।
- ◆ प्रस्तावित व्यवस्था : प्रत्येक सदस्य को 7 किलोग्राम खाद्यान्न, लेकिन प्रति परिवार अधिकतम 35 किलोग्राम।
- ◆ सबसे अधिक लाभ : बड़े परिवारों को मिलेगा अधिक संतुलित खाद्यान्न आवंटन।
- ◆ उद्देश्य : खाद्यान्न वितरण में समानता, पोषण सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाना।
- ◆ सुझाव की अंतिम तिथि : 13 जुलाई।

सरकार का उद्देश्य

सरकार का मानना है कि प्रस्तावित संशोधन से कल्याणकारी योजनाओं में 'परिवार के साथ प्रत्येक व्यक्ति के पोषण अधिकार' को समान महत्व मिलेगा। इससे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा व्यवस्था अधिक प्रभावी, समावेशी और न्यायपूर्ण बन सकेगी।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर भारत की कड़ी चिंता

समुद्री व्यापार पर हमले तुरंत रोकने की अपील, अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों की सुरक्षा पर दिया जोर

समाज जागरण

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव तथा अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं पर भारत ने गहरी चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा है कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना वैश्विक समुदाय की साझा जिम्मेदारी है और वाणिज्यिक जहाजों पर हमले तत्काल बंद होने चाहिए।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास हाल के दिनों में कई व्यापारिक जहाजों पर हमले हुए हैं। इनमें एक जहाज ऐसा भी बताया जा रहा

है, जो भारत के दाहेज बंदरगाह की ओर आ रहा था। इन घटनाओं ने वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

विदेश मंत्रालय ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत पश्चिम एशिया में हालिया घटनाक्रम और लगातार बढ़ते तनाव पर गंभीर नजर बनाए हुए है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाया जाना वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला और समुद्री सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है।

भारत ने सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने, तनाव कम करने तथा संवाद और कूटनीति के माध्यम से विवादों का समाधान निकालने का आग्रह किया है। मंत्रालय ने कहा कि समुद्री मार्ग वैश्विक व्यापार की जीवनरेखा हैं और इनकी सुरक्षा किसी भी प-रिस्थिति में प्रभावित नहीं होनी चाहिए। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ आगे भी सैन्य का-र्रवाई की चेतावनी दिए जाने के बाद क्षेत्रीय तनाव और बढ़ गया है। भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वह क्षेत्र में शांति, स्थिरता और निर्बाध समुद्री व्यापार का समर्थन करता है तथा सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानूनों और समुद्री सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपेक्षा करता है।

जीपीए से संपत्ति हस्तांतरण पर सख्ती की तैयारी

रक्त संबंधियों को छोड़ अन्य मामलों में होगी विशेष जांच, स्टांप शुल्क चोरी पर सरकार का शिकंजा

समाज जागरण

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (जीपीए) के माध्यम से होने वाले संपत्ति हस्तांतरण में कथित अनियमितताओं और स्टांप शुल्क चोरी पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाने की तैयारी की है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत अब रक्त संबंधियों (ब्लड रिलेशन) को छोड़कर अन्य व्यक्तियों के पक्ष में बनाई गई जीपीए का पंजीकरण अतिरिक्त जांच के बाद ही किया जाएगा। नई व्यवस्था के अनुसार सभी उप-पंजीयक (सब-रजिस्ट्रार) जीपीए दस्तावेजों की विस्तृत जांच करेंगे। यह देखा जाएगा कि दस्तावेज में संपत्ति के बदले धनराशि के लेन-देन, कब्जा हस्तांतरण, बिक्री, उपहार, गिरवी या स्थायी हस्तांतरण जैसे अधिकार तो नहीं दिए गए हैं। यदि ऐसे प्रावधान पाए जाते हैं तो मामले की गहन जांच की जाएगी। सरकार के अनुसार यदि जीपीए माता-पिता, पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई या बहन के अलावा किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर बनाई गई है, तो उसका पंजीकरण सीधे नहीं होगा। ऐसे मामलों को कलेक्टर ऑफ स्टांप के पास भेजा जाएगा। वहां यह तय किया जाएगा कि दस्तावेज पर सामान्य स्टांप शुल्क लागू होगा या उसे विक्रय विलेख (सेल डीड) मानते हुए पूर्ण स्टांप शुल्क वसूला जाएगा।

27 की पटकथा कैसे अयोध्या से लिखी जा रही है?

संजय सक्सेना,लखनऊ,

अयोध्या की पावन धरा पर इन दिनों सिने जगत के प्रसिद्ध अभिनेता अनुपम खेर अपनी आगामी फिल्म 'श्री राम भूमि' की शूटिंग के सिलसिले में पहुंचे हैं। हनुमानगढ़ी में मत्था टेकने और रामलला के दर्शन करने के बाद उन्होंने जो कहा, वह केवल एक बयान नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं का प्रतिबिंब है। उन्होंने दान पेटी में चोरी की घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा, अगर किसी के घर में चोरी होती है, तो हम चोर को कोसते हैं, न कि उस पवित्र घर को लांछन लगाते हैं। यह एक छोटा-सा वाक्य उन तमाम शक्तियों को जवाब है, जो मंदिर की गरिमा को एक तुच्छ घटना के जरिए कमतर आंकने की कोशिश कर रही हैं। राम मंदिर का निर्माण कोई साधारण निर्माण कार्य नहीं है। यह पाँच शताब्दियों के संघर्ष, अनगिनत बलिदानों और न्याय के लिए किए गए लंबे इंतजार की परिणति है। राम भक्त जब आज अयोध्या की गलियों में चलते हैं, तो उनके पैरों में उस मिट्टी का गौरव होता है, जिसके लिए उनके पूर्वजों ने अपनी जानें न्योछावर कर दी थीं। अनुपम ने दो टूक कहा, दान चोरी जैसी घटनाओं से मंदिर की पवित्रता कम नहीं हो सकती, क्योंकि राम मंदिर भक्तों के लिए महज ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि उनके अस्तित्व और अस्मिता का केंद्र है। एक चोर की नीच हरकत, जो लोभवश की गई हो, वह उस आस्था को कैसे हिला सकती है, जिसने मुगलों के अत्याचार और सदियों के विध्वंस को झेलने के बाद भी अपनी जड़ों को जीवित रखा? भक्त जानता है कि रामलला का मंदिर उस अखंड भारत की स्मृति है, जिसकी रक्षा के लिए हिंदू समाज हर चुनौती का सामना करने को तत्पर रहता है। अनुपम खेर के कहने का सार यही था कि अयोध्या में दान चोरी को लेकर जिस तरह की सियासी बयानबाजी हो रही है, वह चिंताजनक है। विपक्षी दलों द्वारा इस घटना को मुद्दा बनाकर भाजपा, आरएसएस और साधु-संतों को अपमानित करने का जो प्रयास किया जा रहा है, वह स्पष्ट रूप से असुविधाजनक राजनीति का हिस्सा है। बहरहाल, विपक्ष की यह रणनीति कि मंदिर के बहाने सत्ता पर निशाना साधा जाए, जमीनी हकीकत से कोसों दूर दिखती है। आम हिंदू मानस में यह सवाल उठ रहा है कि क्या विपक्ष को मंदिर की सुरक्षा में हुई चूक पर अफसोस है या वह इस घटना को एक हथियार के रूप में उपयोग करना चाहता है? जब दरगाहों, मदरसों या वक्फ बोर्ड में अनियमितताओं की खबरें आती हैं, तब इसी विपक्ष की चुप्पी यह दशार्ती है कि इनकी धर्मनिरपेक्षता का पैमाना चुनिंदा है। हिंदू समाज इस दोहरे मानदंड को भली-भांति देख और समझ रहा है।

आश्चर्य होता है कि अयोध्या में चंदा चोरी पर हल्ला मचाने वाले दिग्गज राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल वक्फ बोर्ड, दरगाहों और मदरसों से जुड़ी अनियमितताओं के आरोपों, देश-विरोधी गतिविधियों के खिलाफ कभी मुंह नहीं खोलते हैं। इस पर आलोचकों का तर्क है कि इन नेताओं की चुप्पी तुष्टिकरण की राजनीति का हिस्सा होती है, जबकि संबंधित नेताओं का रुख यह रहता है कि वे ऐसे मामलों में सबूतों और कानूनी प्रक्रिया का इंतजार करते हैं। हाल के वर्षों में वक्फ बोर्ड की संपत्तियों के हस्तांतरण और प्रबंधन को लेकर देश के विभिन्न राज्यों में गंभीर सवाल उठे हैं। विपक्षी नेताओं ने वक्फ (संशोधन) विधेयक के विरोध में मुखरता दिखाई है, लेकिन जब वक्फ बोर्ड के भीतर भ्रष्टाचार या कुप्रबंधन की विशिष्ट शिकायतों की बात आती है, तो ये नेता मौन साधे रहे। जानकारों का कहना है कि किसी भी बड़ी अनियमितता के आरोपों पर इन नेताओं द्वारा कोई स्पष्ट बयान न देना मतदाताओं के एक वर्ग को साधने की रणनीति के रूप में देखा जाता है। इसी प्रकार से उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में मदरसों की जांच के दौरान विदेशी फंडिंग और वित्तीय अनियमितताओं के दावे किए गए हैं। इन जांचों के दौरान जब मदरसों के प्रबंधन पर सवाल उठे, तो अखिलेश यादव जैसे नेताओं ने इसे केवल धार्मिक संस्थानों को निशाना बनाने की कार्रवाई करार दिया। उन्होंने इन संस्थाओं के भीतर वित्तीय पारदर्शिता या भ्रष्टाचार के विशिष्ट आरोपों पर विस्तृत टिप्पणी करने के बजाय प्रशासनिक कार्रवाई को ही राजनीतिक रंग दिया, जिससे यह संदेश गया कि वे संस्थागत सुधारों पर चुप्पी साधे हुए हैं।

वहीं, कई दरगाहों और उनके ट्रस्टों के प्रबंधन को लेकर समय-समय पर स्थानीय स्तर पर धांधली और चंदे के दुरुपयोग की खबरें आती रही हैं। राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं का स्टैंड अक्सर धर्मनिरपेक्षता और धार्मिक स्वतंत्रता के संरक्षण पर केंद्रित रहता है। वे ऐसे विवादों में तब तक दूरी बनाए रखते हैं, जब तक कि कोई बड़ा न्यायिक निर्णय या व्यापक सार्वजनिक आक्रोश न हो। आलोचक इसे एक चुनिंदा चुप्पी के रूप में देखते हैं, जहां भ्रष्टाचार के मुद्दों को केवल इसलिए नहीं उठाया जाता, क्योंकि वे धार्मिक संस्थानों से जुड़े होते हैं। यह स्थिति भारतीय राजनीति के उस जटिल दौर को दशार्ती है, जहां भ्रष्टाचार के मुद्दे भी धर्म और पहचान की राजनीति के घेरे में आ जाते हैं। ऐसे में, इन नेताओं की चुप्पी न केवल उनके राजनीतिक स्टैंड पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी स्पष्ट करती है कि धर्म से जुड़े संस्थानों में सुधार की प्रक्रिया राजनीतिक रूप से कितनी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। उधर, राजनीतिक पंडितों का मानना है कि 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए विपक्ष की चंदा चोरी पर हल्ला मचाने वाली रणनीति आत्मघाती साबित हो सकती है। जाति-पाति के नाम पर हिंदू समाज को बांटने की कोशिशें तब और ज्यादा आक्रामक हो जाती हैं, जब वे अपनी सांस्कृतिक पहचान पर प्रहार महसूस करते हैं। इतिहास गवाह है कि जब-जब राम, मंदिर या सनातन संस्कृति का अपमान करने का प्रयास हुआ है, तब-तब हिंदू मतदाता ने राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर लामबंद होकर जवाब दिया है। विपक्ष का मंदिर पर हमला, वास्तव में सीधे उन करोड़ों मतदाताओं के हृदय पर चोट है, जिन्होंने राम मंदिर को अपने जीवन का सबसे बड़ा सपना माना था। यह संभव है कि विपक्ष की यह कुत्सित राजनीति हिंदू मतदाताओं को और अधिक एकजुट कर दे और वे बीजेपी के साथ और मजबूती से खड़े हो जाएं।

खैर, अनुपम खेर जैसे कलाकारों का अयोध्या आना और वहां की आस्था को फिल्म के माध्यम से वैश्विक पटल पर ले जाना, यह संदेश देता है कि अयोध्या अब केवल तीर्थ नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में पुनर्जीवित हो रही है। मंदिर की गरिमा चोरों से नहीं, बल्कि उन लोगों के संकल्प से मापी जाएगी, जो 500 साल तक उस मंदिर के लिए लड़े।लब्बोलुआब यह है कि राजनीति आती-जाती रहेगी, चुनाव आएंगे और जाएंगे, लेकिन राम के प्रति भक्तों का विश्वास एक ऐसे अटल सत्य की तरह है, जिसे किसी भी राजनीतिक बयानबाजी या छोटी-मोटी चोरी के दावों से डिगाया नहीं जा सकता।

यदि विपक्ष ने अपनी रणनीति नहीं बदली, तो 2027 का चुनाव उनकी उम्मीदों के विपरीत, एक बार फिर हिंदू अस्मिता की बड़ी विजय का साक्षी बन सकता है।ऐसे में भाजपा और बसपा, दोनों के पास अपनी सामाजिक और चुनावी रणनीति बदलने के लिए पर्याप्त समय है। यही वजह है कि सपा का 'प्लान-100' जितना महत्वाकांक्षी दिख रहा है, उतनी ही कठिन उसकी राजनीतिक परीक्षा भी होगी। उत्तर प्रदेश की राजनीति में अक्सर कहा जाता है कि सत्ता का रास्ता बूथ से होकर गुजरता है, लेकिन बूथ तक पहुंचने का रास्ता सामाजिक विश्वास से बनता है। समाजवादी पार्टी फिलहाल दोनों मोर्चों पर एक साथ काम कर रही है। बूथ मजबूत करने का अभियान भी चल रहा है और दलित प्रतिनिधित्व का नया संदेश भी दिया जा रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या पीडीए का यह विस्तारित संस्करण 2012 जैसी सत्ता वापसी का रास्ता खोलेगा, या फिर उत्तर प्रदेश की राजनीति एक बार फिर कोई नया सामाजिक समीकरण लिखेगी। 2027 का चुनाव इस सवाल का जवाब तय करेगा।

अल नीनो का बढ़ता प्रकोप और उसका वैश्विक प्रभाव

महेन्द्र तिवारी

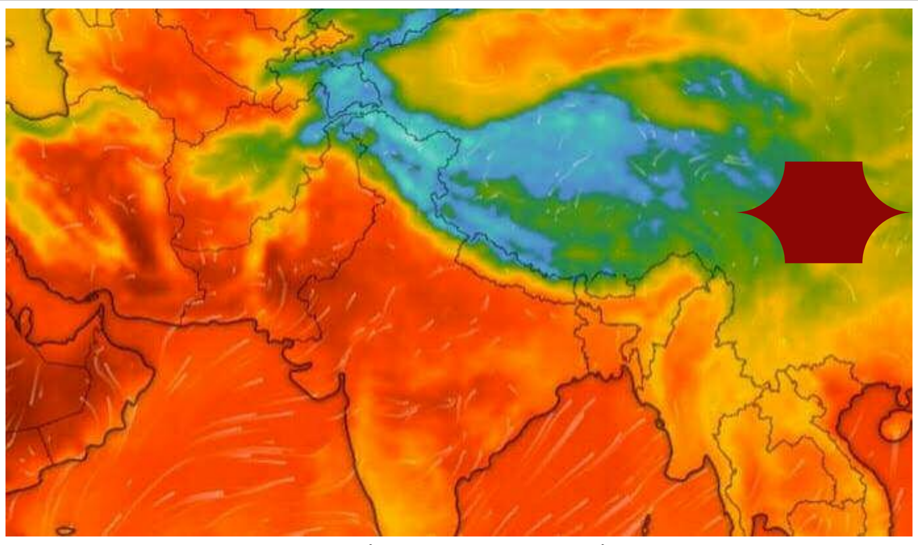

प्रकृति के चक्र में महासागरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि वे न केवल पृथ्वी के तापमान को नियंत्रित करते हैं बल्कि वैश्विक मौसम प्रणालियों को भी संचालित करते हैं। हाल के वर्षों में प्रशांत महासागर के गर्भ में हो रहे एक बड़े बदलाव ने दुनिया भर के मौसम वैज्ञानिकों और नीति निमार्ताओं की चिंताओं को गहरा कर दिया है। इस बदलाव को विज्ञान की भाषा में अल नीनो कहा जाता है। अल नीनो कोई सामान्य मौसमी घटना नहीं है बल्कि यह एक अत्यंत जटिल महासागरीय और वायुमंडलीय प्रक्रिया है जो हर कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर तबाही का कारण बनती है। वर्तमान समय में चिंता की बात यह है कि वैश्विक तापमान में लगातार हो रही वृद्धि के कारण अल नीनो के इस बार के सारे पुराने रिकॉर्ड टूटने की आशंका जताई जा रही है। इसका सीधा अर्थ यह है कि आने वाले समय में दुनिया को पहले से कहीं अधिक चरम मौसम, विनाशकारी बाढ़, भीषण सूखे और अप्रत्याशित दावानल का सामना करना पड़ सकता है।

इस पूरी प्रक्रिया को तकनीकी रूप से समझने के लिए हमें भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर की सामान्य स्थिति और वायुमंडलीय चक्र को समझना होगा। सामान्य परिस्थितियों में प्रशांत महासागर में पूर्व से पश्चिम की ओर यानी दक्षिण अमेरिका से इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया की तरफ मजबूत व्यापारिक हवाएं चलती हैं। ये हवाएं समुद्र की सतह के गर्म पानी को अपने साथ बहाकर पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र की ओर ले जाती हैं। इस वजह से इंडोनेशिया और उसके आसपास के समुद्री क्षेत्रों में भारी मात्रा में गर्म पानी इकट्ठा हो जाता है। गर्म पानी के इस जमाव के कारण वहाँ की हवा गर्म होकर ऊपर उठती है और एक मजबूत निम्न वायुदाब का क्षेत्र बनाती है। हवा के ऊपर उठने से घने बादलों का निर्माण होता है जिससे इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण एशिया के देशों में अच्छी वर्षा होती है। यही निम्न वायुदाब क्षेत्र आगे चलकर हिंद महासागर से नमी युक्त मानसूनी हवाओं को भारतीय उपमहाद्वीप की ओर आकर्षित करता है जिससे भारत में एक समृद्ध मानसून का आगमन होता है। इसके विपरीत, दक्षिण अमेरिका के पेरू और इक्वाडोर जैसे देशों के तटों पर समुद्र की गहराई से ठंडा और पोषक तत्वों से भरपूर पानी ऊपर आता है जो वहाँ के मत्स्य उद्योग और सामान्य जलवायु को संतुलित रखता है। इस पूरे वायुमंडलीय चक्र को मौसम विज्ञान में वॉकर सकुर्लेशन या वॉकर चक्र कहा जाता है।

परंतु अल नीनो के आगमन के साथ ही यह पूरा स्थापित चक्र पूरी तरह से उलट जाता है। अल नीनो की शुरूआत तब होती है जब प्रशांत महासागर में बहने वाली ये व्यापारिक हवाएं अप्रत्याशित रूप से कमजोर पड़ जाती हैं। हवाओं के कमजोर होने से वह शक्ति समाप्त हो जाती है जो गर्म पानी को पश्चिमी हिस्से में रोके रखती थी। परिणामस्वरूप, पश्चिमी प्रशांत महासागर में संचित विशाल गर्म जलराशि वापस पूर्व की ओर यानी दक्षिण अमेरिका के तटों की तरफ खिसकने लगती है। इसके कारण मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर के समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से कई डिग्री सेल्सियस अधिक बढ़ जाता है। समुद्र के गर्म होने का यह क्षेत्र इतना विशाल होता है कि यह पूरे वैश्विक वायुमंडल को प्रभावित करने लगता है। जैसे ही गर्म पानी का यह क्षेत्र पूर्व की ओर खिसकता है, वैसे ही बादलों को बनाने वाला और हवा को ऊपर उठाने वाला निम्न वायुदाब का केंद्र भी इंडोनेशिया से हटकर हजारों किलोमीटर दूर प्रशांत महासागर के मध्य में चला जाता है।

इस दबाव प्रणाली के बदलने का सबसे बड़ा आघात भारत और उसके पड़ोसी देशों के मानसून पर पड़ता है। जब निम्न वायुदाब का क्षेत्र प्रशांत महासागर के बीच में चला जाता है, तो हिंद महासागर और इंडोनेशिया के ऊपर एक विशाल उच्च वायुदाब का क्षेत्र निर्मित हो जाता है। मौसम विज्ञान के नियमों के अनुसार उच्च वायुदाब वाले क्षेत्रों में हवाएं ऊपर उठकर बादल बनाने के बजाय भारी होकर नीचे की ओर बैठने लगती हैं। जब हवा नीचे बैठती है तो वह बादलों के बनने की प्रक्रिया को पूरी तरह से दबा देती है। इस वायुमंडलीय व्यवधान के कारण जो मानसूनी हवाएं हिंद महासागर से भारी नमी लेकर भारत की ओर बढ़ने वाली होती हैं, वे अपनी दिशा और ऊर्जा दोनों खो देती हैं। भारतीय उपमहाद्वीप की ओर आने वाला हवाओं का यह प्रवाह कमजोर पड़ जाता है जिसके कारण मानसूनी बारिश में भारी गिरावट आती है। इतिहास गवाह है कि जब भी प्रशांत महासागर में एक शक्तिशाली अल नीनो सक्रिय हुआ है, तब भारत को गंभीर सूखे और मानसूनी अनिश्चितता का सामना करना पड़ा है।

अल नीनो का यह प्रभाव केवल दक्षिण एशिया तक ही सीमित नहीं रहता बल्कि इसका वैश्विक दायरा बेहद विनाशकारी होता है। एक तरफ जहां ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, भारत और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में बारिश न होने से नदियां और जलाशय सूख जाते हैं, कृषि ठप हो जाती है और जंगलों में भीषण आग लग जाती है, वहीं दूसरी तरफ दक्षिण अमेरिका के देशों जैसे पेरू, इक्वाडोर और ब्राजील में रिकॉर्ड तोड़ मूसलाधार बारिश होती है। इन क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा के कारण अचानक भयानक बाढ़ और भूस्खलन आते हैं जिससे जान-माल का भारी नुकसान होता है। इसके अलावा समुद्र का तापमान बढ़ने से समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर भी गहरा संकट मंडराने लगता है। पेरू के तट पर ठंडे पानी का ऊपर आना बंद हो जाता है जिससे मछलियों का भोजन समाप्त हो जाता है और बड़े पैमाने पर समुद्री जीवों की मृत्यु होती है। साथ ही दुनिया भर की मूंगा चट्टानें यानी कोरल रीफ समुद्र की इस अत्यधिक गर्मी को सहन नहीं कर पातीं और उनका बड़े पैमाने पर क्षरण होने लगता है जिसे कोरल ब्लीचिंग कहा जाता है। मूंगा चट्टानों का नष्ट होना पूरे समुद्री जीवन की खाद्य श्रृंखला को संकट में डाल देता है।

आज के दौर में अल नीनो का यह खतरा इसलिए और भी अधिक भयानक हो गया है क्योंकि इसे मानव जनित जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग से अतिरिक्त ऊर्जा मिल रही है। औद्योगिक गतिविधियों के कारण हमारी धरती और महासागर पहले से ही इतिहास के सबसे गर्म दौर से गुजर रहे हैं। जब ग्लोबल वॉर्मिंग से पहले से ही गर्म हो चुके समुद्र में अल नीनो का प्रभाव जुड़ता है, तो मौसमी चरम सीमाएं अप्रत्याशित रूप से उग्र हो जाती हैं। यही कारण है कि वैज्ञानिक अब सुपर अल नीनो जैसी शब्दावली का उपयोग कर रहे हैं। इस बढ़ते खतरे से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर तैयारी और दीर्घकालिक नीतियों की आवश्यकता है। कृषि के तरीकों में बदलाव, सूखे से निपटने वाले बीजों का विकास, जल संरक्षण प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण और चरम मौसम की सटीक भविष्यवाणी करने वाली तकनीकों में निवेश करना अब किसी भी देश के लिए वैकल्पिक नहीं बल्कि अनिवार्य हो गया है। पृथ्वी के इस बदलते मिजाज और महासागरों की इस चेतावनी को समझकर ही मानवता अपने भविष्य को सुरक्षित रख सकती है।

चौबीस साल बाद मिला इंसाफ

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

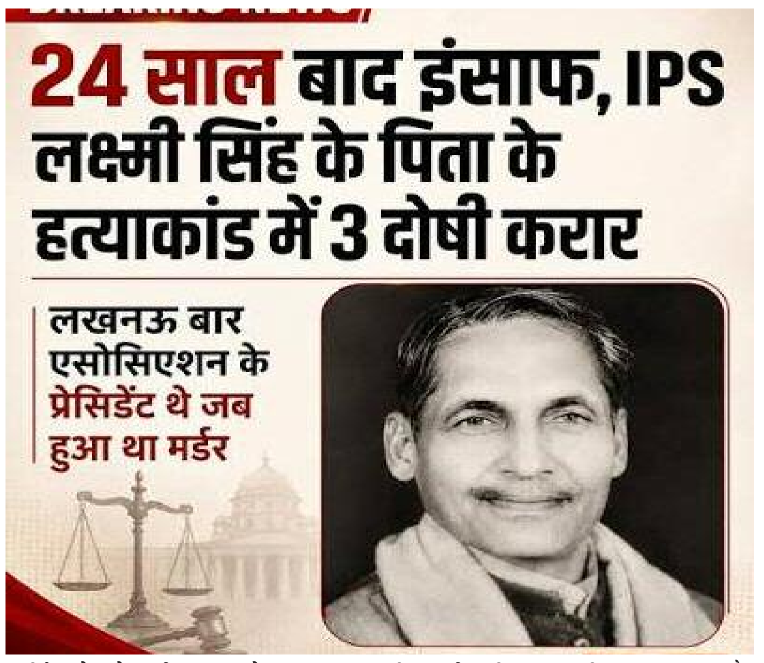

लखनऊ की अदालत से आया फैसला केवल एक चर्चित हत्या के मुकदमे का अंत नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था के सबसे लंबे और चर्चित आपराधिक मुकदमों में से एक की निर्णायक परिणति भी है। करीब 24 साल तक चली सुनवाई, सैकड़ों तारीखें, बदलते हालात, गवाहों की मौत और लंबी कानूनी लड़ाई के बाद विशेष सीबीआई अदालत ने अधिवक्ता और लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष इंद्रदेव सिंह की हत्या के मामले में शूटर विक्रम यादव उर्फ कालिया, पन्ना सिंह और बृजेश कुमार यादव उर्फ मुन्ना को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने विक्रम यादव और बृजेश यादव पर 60-60 हजार रुपये तथा पन्ना सिंह पर 30 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया। साथ ही निर्देश दिया कि जुमार्ने की 80 प्रतिशत राशि मृतक की पत्नी नयनतारा को दी जाएगी। 8 अगस्त 2002 की सुबह लखनऊ के जिलाधिकारी कार्यालय के पीछे हुई यह हत्या उस समय पूरे प्रदेश में सुर्खियों में आ गई थी। इंद्रदेव सिंह रोज की तरह अपने घर से कचहरी के लिए निकले थे। जैसे ही वह जिलाधिकारी कार्यालय के पीछे पहुंचे, पहले से घात लगाए स्कूटर सवार बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। दिनदहाड़े हुई इस हत्या ने वकालत जगत में भारी आक्रोश पैदा कर दिया। पूरे प्रदेश के अधिवक्ताओं ने आंदोलन शुरू कर दिया और सरकार पर मामले की निष्पक्ष जांच का दबाव बढ़ गया। इसी दबाव के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने 11 अगस्त 2002 को मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की सिफारिश की और 4 सितंबर 2002 को केंद्र सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी।

हत्या के तुरंत बाद इंद्रदेव सिंह की पत्नी नयनतारा ने कैसरबाग कोतवाली में तत्कालीन मंत्री रामकुमार वर्मा, सुरजन लाल वर्मा, डॉ. सुषमा वर्मा और सुरेश वर्मा के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। हालांकि सीबीआई की विस्तृत जांच में इन चारों के खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला और उन्हें क्लीन चिट दे दी गई। इसके बाद जांच की दिशा पूरी तरह बदल गई। सीबीआई ने तकनीकी साक्ष्यों, गवाहों के बयान और आर्थिक लेन-देन की पड़ताल के आधार पर छह नए आरोपियों को चिन्हित किया। इनमें विक्रम यादव उर्फ कालिया, पन्ना सिंह, बृजेश कुमार यादव, मुन्नालाल गुप्ता, वेद प्रकाश उर्फ नेता और छोटेलाल उर्फ छोटू यादव शामिल थे। मुकदमे के दौरान मुन्नालाल, वेद प्रकाश और छोटेलाल की मृत्यु हो गई, जबकि बाकी तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलता रहा। सीबीआई की चार्जशीट ने इस हत्याकांड की पूरी साजिश का खुलासा किया। जांच में सामने आया कि हत्या किसी अचानक हुए विवाद का परिणाम नहीं थी, बल्कि इसकी योजना जुलाई 2002 में बनाई गई थी। बृजेश यादव ने इंद्रदेव सिंह की हत्या की पूरी रूपरेखा तैयार की। छोटेलाल उर्फ छोटू को हत्या कराने के लिए 50 हजार रुपये की सुपारी दी गई, जिसमें 10 हजार रुपये एडवांस दिए गए। वारदात के लिए जिस स्कूटर का इस्तेमाल होना था, उसका रंग बदलवाया गया ताकि पुलिस पहचान न कर सके। इतना ही नहीं, दिल्ली का रजिस्ट्रेशन नंबर भी घटना से पहले हटा दिया गया। अदालत ने माना कि वारदात के समय स्कूटर बृजेश यादव चला रहा था, जबकि पीछे बैठे विक्रम यादव उर्फ कालिया ने इंद्रदेव सिंह को बेहद नजदीक से गोली मारकर हत्या की। पन्ना सिंह पूरी साजिश का सक्रिय सदस्य था और उसने योजना को अंजाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि हत्या के बाद सुपारी की रकम आरोपियों के बीच बांटी गई। चार्जशीट के मुताबिक, अलग-अलग आरोपियों ने रकम का हिस्सा लिया और कुछ रकम शराब पीने समेत अन्य खर्चों में इस्तेमाल की गई। सीबीआई ने आर्थिक लेन-देन और आरोपियों के बीच संपर्कों को भी अदालत के सामने रखा, जिसने अभियोजन की कहानी को मजबूत बनाया।पूरे मुकदमे की सबसे बड़ी चुनौती समय था। सीबीआई ने विवेचना के दौरान कुल 80 गवाह बनाए थे। इनमें से केवल 50 गवाह ही अदालत में बयान दर्ज करा सके। छह गवाहों की मुकदमे के दौरान मृत्यु हो गई, पांच गवाहों का कोई पता नहीं चला और पांच गवाह अपने पहले दिए गए बयानों से पलट गए। इसके बावजूद अभियोजन पक्ष ने परिस्थितिजन्य साक्ष्यों, दस्तावेजों, फोरेंसिक रिपोर्ट और गवाहियों की श्रृंखला के आधार पर अदालत को यह विश्वास दिलाने में सफलता हासिल की कि हत्या पूर्व नियोजित साजिश के तहत की गई थी। इस हत्याकांड की जड़ में जमीन का विवाद था। सीबीआई के अनुसार इंद्रदेव सिंह केवल अधिवक्ता ही नहीं, बल्कि संपत्ति के कारोबार से भी जुड़े थे। उन्होंने वर्ष 1985 में मड़ियांव क्षेत्र के सिमरा गौड़ी में कृषि भूमि खरीदी थी। बाद में उसकी प्लॉटिंग की जिम्मेदारी मन्नालाल गुप्ता को सौंपी गई। आरोप था कि वर्ष 2002 तक मन्नालाल ने बिना जानकारी दिए कई प्लॉट बेच दिए और रकम अपने पास रख ली। इसी आर्थिक विवाद ने दोनों पक्षों के बीच टकराव बढ़ाया। इंद्रदेव सिंह ने वर्ष 1998 से 2001 के बीच इस पूरे विवाद को लेकर तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश, मुख्यमंत्री, मानवाधिकार आयोग और लखनऊ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को कई शिकायतें भी भेजीं, लेकिन विवाद का समाधान नहीं हो सका। जांच एजेंसी का निष्कर्ष था कि इसी विवाद ने हत्या की साजिश को जन्म दिया।

करीब ढाई दशक तक चले इस मुकदमे में कई बार ऐसा लगा कि न्याय की राह कमजोर पड़ जाएगी। कई आरोपी मर गए, गवाह खत्म होते गए, कुछ गवाह मुकर गए और समय लगातार बीतता रहा। लेकिन सीबीआई ने साक्ष्यों की कड़ी को अदालत में बनाए रखा। यही वजह रही कि 30 जून को अदालत ने तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया और उसके बाद उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई।इस फैसले का सबसे भावनात्मक क्षण वह था जब सजा सुनाए जाने के समय इंद्रदेव सिंह की पत्नी नयनतारा और उनकी बेटी, नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह अदालत में मौजूद थीं। करीब 24 वर्षों तक चली कानूनी लड़ाई के बाद परिवार ने उन लोगों को सजा पाते देखा जिन पर हत्या का आरोप सिद्ध हुआ। यह केवल एक परिवार की न्याय यात्रा का अंत नहीं, बल्कि उन हजारों लंबित आपराधिक मामलों के लिए भी संदेश है कि यदि जांच साक्ष्यों पर आधारित हो और अभियोजन लगातार अपनी बात अदालत के सामने रखता रहे, तो वर्षों बाद भी अपराधी कानून के शिकंजे से बच नहीं सकते। लखनऊ का इंद्रदेव सिंह हत्याकांड इसी विश्वास को फिर मजबूत करता है कि न्याय भले देर से मिले, लेकिन जब साक्ष्य बोलते हैं तो अदालत का फैसला इतिहास बन जाता है।

"पेट्रोल का नया अवतार"

आज पेट्रोल बोला, "भाई इथेनॉल,
यूं आजा कर लें थोड़ा-सा धमाल।"
सोचते इथेनॉल बोला, "ठीक है यार,
अब तो मैं भी हूँ सरकार का प्यार!"

मेरी गाड़ी बोली, "धीरे-धीरे आना,
मुझको प्रयोगशाला नहीं बनाना।"
इंजन बोलता, "पहले सोच-विचार,
फिर ना करना ऐसा कोई सुधार।"

मालिक बोला, "जेब तो बच जाए,
माइलेज भी थोड़ा-सा बढ़ जाए।"
मेकेनिक हँसते हुए धीरे से बोला,
"मेरा धंधा कौन सँभालेगा भला?"

नेता बोले, "सब कुछ होगा बढ़िया,
जनता बोली, "पहले जोड़े कड़िया!"
विशेषज्ञ बोले, "करो यहाँ परीक्षण,
फिर दे देना जनता को आश्वासन।"

अंत में इसका निकला यही निचोड़,
जल्दबाजी में से मिलता है झंझोड़।
हाँ, पहले सोचो, फिर कदम बढ़ाओ,
जनहित वाला ही रास्ता अपनाओ।

हँसते-हँसते आम लोगों ने ये माना,
सोच-समझकर "काम" है करवाना।
वरना जनता यही कहेगी बार-बार–
"पेट्रोल में क्या! मिलाया हैं सरकार!"

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
मो. 98260 25986

(स्व-रचित, मौलिक व अप्रकाशित)

चंदा चोरी में राम विरोधियों का हाथ या साथ?

बरसात का मौसम है। कहीं नाले उफन रहे हैं, कहीं सड़कें धंस रही हैं और कहीं राजनीति की नावें बह रही हैं। लेकिन सबसे दिलचस्प बहाव इन दिनों "चंदे" का है। चंदा अब केवल मंदिर, समाज या सेवा का विषय नहीं रहा, बल्कि आरोप-प्रत्यारोप का ऐसा अखाड़ा बन गया है, जहां हर कोई दूसरे की जेब में झांक रहा है।

कोई कहता है कि चंदा गायब हो गया, कोई कहता है कि चंदा उड़ गया। कुछ लोग दावा करते हैं कि इसमें राम विरोधियों का हाथ है, तो कुछ कहते हैं कि हाथ ही नहीं, पूरा साथ है। सुनने वाले भी उलझन में हैं कि आखिर चंदा गया कहां–दानपात्र से, बैंक खाते से या फिर बयानबाजी की भट्ठी में?

आजकल आरोप लगाना सबसे सस्ता निवेश बन गया है। सबूत बाद में ढूंढ़े जाते हैं, सुर्खियां पहले बना ली जाती हैं। यदि किसी आयोजन में हिसाब गड़बड़ा जाए तो तुरंत वैचारिक चश्मा पहन लिया जाता है। फिर शुरू होता है–"ये हमारे नहीं, उनके लोग हैं।" मानो चंदा भी अब विचारधारा देखकर जेब बदलता हो।

राम का नाम तो मयार्दा, सत्य और लोककल्याण का प्रतीक है। लेकिन विडंबना यह है कि राम के नाम पर होने वाले विवादों में मयार्दा सबसे पहले गायब हो जाती है। जो भी पक्ष हो, यदि चंदे का हिसाब पारदर्शी हो तो न किसी पर उंगली उठे और न किसी को सफाई देनी पड़े। लेकिन जहां हिसाब की कॉपी बंद हो, वहां आरोपों की कॉपी अपने आप खुल जाती है।

असल सवाल यह नहीं कि "राम विरोधियों का हाथ है या साथ?" असली सवाल यह है कि चंदे का हिसाब किसके पास है। क्योंकि हिसाब साफ हो तो अफवाहों की दुकान अपने आप बंद हो जाती है।

राम के नाम पर राजनीति करने वाले बहुत मिल जाएंगे, लेकिन राम के आदर्शों पर चलने वाले कम। शायद इसलिए आज सबसे ज्यादा जरूरत नारों की नहीं, बल्कि पारदर्शिता की है। आखिर भगवान राम के नाम पर जुटाए गए विश्वास की रक्षा भी उतनी ही जरूरी है, जितनी उनके मंदिर की।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

गौतमबुद्धनगर में मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ

4,426 शिक्षकों को मिलेगा 5 लाख तक कैशलेस इलाज, 58,510 विद्यार्थियों के खातों में भेजी गई डीबीटी राशि

मुख्य बातें

- 4,426 शिक्षकों को मिलेगा 5 लाख तक कैशलेस चिकित्सा लाभ।
- 58,510 विद्यार्थियों के खातों में 1,200 प्रति छात्र डीबीटी से हस्तांतरित।
- आईआईएमटी कॉलेज में हुआ जिला स्तरीय समारोह।
- राज्य मंत्री नरेंद्र कुमार कश्यप ने लाभार्थियों को वितरित किए योजना कार्ड।

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा, 8 जुलाई। उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ बुधवार को जनपद गौतमबुद्धनगर में भव्य समारोह के साथ किया गया। आईआईएमटी कॉलेज, ग्रेटर नोएडा में आयोजित कार्यक्रम में वाराणसी से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। समारोह में पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कुमार कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री नरेंद्र कुमार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना शिक्षकों के सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने बताया कि जनपद के 4,426 शिक्षकों एवं उनके आश्रितों को इस योजना के तहत 5 लाख तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर उन्होंने लाभार्थी शिक्षकों को योजना के कार्ड भी वितरित किए।

जिलाधिकारी मेधा रूपम ने बताया कि जनपद के 3,089 बेसिक शिक्षक, 634 शिक्षामित्र, 38 अंशकालिक अनुदेशक, 23 कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के शिक्षक, 15 विशेष शिक्षक तथा 627 माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक इस योजना से लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का स्वास्थ्य सुरक्षित होने से शिक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा परिषदीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए डीबीटी के माध्यम से धनराशि हस्तांतरण का भी सजीव प्रसारण किया गया। जनपद गौतमबुद्धनगर के 58,510 छात्र-छात्राओं के खातों में यूनिफॉर्म, जूते, मोजे, स्वेटर, स्कूल बैग एवं स्टेशनरी के लिए ड्ढ1,200 प्रति छात्र की राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गई।

समारोह के उपरांत राज्य मंत्री ने शिक्षा विभाग की ओर से लगाए गए शैक्षिक स्टॉलों का अवलोकन किया तथा शिक्षकों द्वारा तैयार नवाचार आधारित शिक्षण मॉडल और गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचार विद्यार्थियों के सीखने की क्षमता बढ़ाने के साथ शिक्षा को अधिक प्रभावी और व्यवहारिक बनाते हैं।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक चंद्रशेखर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, आईआईएमटी के अध्यक्ष डॉ. मयंक अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि,

कांवड़ यात्रा-2026 की तैयारियां तेज, पुलिस आयुक्त व जिलाधिकारी ने की समीक्षा

सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा और स्वच्छता व्यवस्था समय से पूरी करने के निर्देश

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा, 8 जुलाई। आगामी श्रावण शिवरात्रि कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा, विद्युत, स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी विभागों को समयबद्ध रूप से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कांवड़ मार्गों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती तथा सभी विभागों के कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे सक्रिय रखने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि यात्रा शुरू होने से पहले सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएं। कांवड़ शिविरों में पेयजल, शौचालय, स्नानघर, साफ-सफाई, डस्टबिन और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। वर्षा ऋतु को देखते हुए जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रखने, नालों की सफाई कराने तथा जलभराव रोकने के भी निर्देश दिए गए।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को कांवड़ मार्ग पर पर्याप्त एम्बुलेंस, चिकित्सकीय टीम, एंटी वेनम और मेडिकल शिविर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं विद्युत विभाग को बिजली के पोलों की इंसुलेशन, ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया।

जिलाधिकारी ने वन विभाग को मार्ग में बाधा बनने वाली पेड़ों की शाखाओं की छंटाई तथा झाड़ियों की सफाई कराने के निर्देश दिए। साथ ही कांवड़ मार्गों को अतिक्रमण मुक्त, गड्ढामुक्त और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था से सुसज्जित करने पर भी जोर दिया। खाद्य सुरक्षा विभाग को मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाने तथा दुकानों पर मूल्य सूची अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रमुख स्थलों पर हेल्प डेस्क, दिशा-सूचक संकेतक और सूचना बोर्ड लगाए जाएंगे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने सभी विभागों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए यात्रा को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने का आह्वान किया।

बैठक में पुलिस उपायुक्त रविशंकर निम, शैलेंद्र कुमार सिंह, शाव्या गोयल, अपर पुलिस उपायुक्त मनीषा सिंह, आर.के. गौतम, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे, डिप्टी कलेक्टर अभय कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बरसात से पहले नालों की सफाई पर जोर, सीडीओ ने की तैयारियों की समीक्षा

320.82 किमी लंबे 50 नालों की व्यवस्था की समीक्षा, जलभराव रोकने के दिए निर्देश

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा, 8 जुलाई। वर्षा ऋतु के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिंचाई विभाग, नगर निकायों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने नालों-नालियों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था तथा मानसून की तैयारियों की प्रगति से अवगत कराया। बैठक में सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जनपद में विभाग के अधीन 50 नाले हैं, जिनकी कुल लंबाई 320.82 किलोमीटर है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में 13 नालों की 146.46 किलोमीटर लंबाई में सफाई कार्य स्वीकृत किया गया था, जिसे 30 जून तक शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है।

समीक्षा के दौरान जिला गंगा समिति के सदस्यों ने वर्षा ऋतु को देखते हुए सभी नालों की प्रतिवर्ष सफाई कराने की मांग उठाई। वहीं हवेलिया ड्रेन की सफाई का मुद्दा भी बैठक में रखा गया। इस पर सिंचाई निर्माण खंड के अधिकारियों ने बताया कि कार्य का प्रस्ताव ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को भेजा जा चुका है और धनराशि उपलब्ध होते ही कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए तथा नालों और नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल अतिरिक्त कार्रवाई सुनिश्चित करें, जिससे किसानों की फसलों और आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी रजनीकांत मित्तल, प्रभारी जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक डीआरडीए नेहा सिंह, सिंचाई विभाग के अधिकारी तथा जनपद की सभी नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी उपस्थित रहे।

गौतमबुद्धनगर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर संयुक्त समीक्षा बैठक

10.56 लाख पौधरोपण लक्ष्य, ग्रीन चौपाल और नमामि गंगे योजनाओं की हुई समीक्षा

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा, 8 जुलाई। मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2025-26 के वृक्षारोपण की जियो टैगिंग, वर्ष 2026-27 के पौधरोपण लक्ष्य, ग्रीन चौपाल, नमामि गंगे अभियान तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई।

प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि वर्ष 2025-26 के वृक्षारोपण एवं विश्व पर्यावरण दिवस पर लगाए गए पौधों की जियो टैगिंग अंतिम चरण में है। वहीं वर्ष 2026-27 के लिए शासन ने जनपद को 10 लाख 56 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए भूमि चिन्हांकन, विभागवार कार्ययोजना तथा पूर्व वर्षों के पौधरोपण का सत्यापन किया जा रहा है।

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागों को निर्धारित समय-सीमा में जियो टैगिंग, भूमि चिन्हांकन, सत्यापन एवं पोर्टल पर आंकड़े अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद की 82 ग्राम पंचायतों में गठित ग्रीन चौपालों के माध्यम से जनसहभागिता बढ़ाते हुए अधिक से अधिक पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया जाए।

बैठक में हिंडन एवं यमुना नदियों में गिरने वाले अनुपचारित नालों के उपचार, प्रदूषण नियंत्रण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जिला गंगा एक्शन प्लान, सहायक नदियों के पुनरोद्धार तथा ओखला बैराज डाउनस्ट्रीम स्थित छठ घाट परियोजना की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने बाढ़ क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने, अवैध निर्माण एवं प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी रजनीकांत मित्तल, प्रभारी जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक डीआरडीए नेहा सिंह, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सिंचाई विभाग, नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना प्राधिकरण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध शराब बेचते युवक को आबकारी विभाग ने दबोचा

सेक्टर-24 पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त कार्रवाई, 40 पव्वे देशी शराब बरामद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। उत्तर प्रदेश शासन एवं आबकारी आयुक्त के निर्देश पर जनपद गौतमबुद्धनगर में अवैध शराब की बिक्री और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी विभाग और थाना सेक्टर-24 पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध शराब बेचते हुए गिरफ्तार किया है।

जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान टीम ने सादिक पुत्र आबिद अली को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से उत्तर प्रदेश मार्का दोस्ताना ब्रांड की 200 एमएल क्षमता वाली 40 पव्वे देशी शराब (कुल 8 बल्क लीटर) बरामद की गई। आरोपी अवैध रूप से शराब की बिक्री कर रहा था।

आबकारी विभाग ने बरामद शराब को कब्जे में लेकर आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और आगे भी यह अभियान जारी रहेगा।

फेज-2 क्षेत्र से अवैध शराब के साथ युवक गिरफ्तार

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। जनपद में अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने थाना फेज-2 क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आबकारी विभाग को मिली सूचना के आधार पर टीम ने निम्मी विहार के निकट कच्चे रास्ते पर छापेमारी की, जहां से अनमोल पुत्र श्रीनिवास को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से दिलकश ब्रांड की 200 एमएल क्षमता वाली 28 पव्वे देशी शराब बरामद हुई। आबकारी विभाग ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

10 चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। थाना सेक्टर-49 पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे एवं निशानदेही पर चोरी की 10 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार बलिंदर और विवेक को सेक्टर-50 स्थित बिजलीघर के पास से गिरफ्तार किया गया। दोनों के खिलाफ वाहन चोरी के मामले दर्ज हैं। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने चोरी की दस मोटरसाइकिलें बरामद कीं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ कर वाहन चोरी के अन्य मामलों की भी जांच की जा रही है। बरामद मोटरसाइकिलों के वास्तविक मालिकों का पता लगाया जा रहा है।

जलभराव पर सख्त हुए विधायक पंकज सिंह, 15 जुलाई तक ड्रेन सफाई पूरी करने के निर्देश

247 क्यूआरटी गठन, लापरवाही पर अधिकारियों और ठेकेदारों की जवाबदेही तय होगी

समाज जागरण

संदीप गर्ग नोएडा। मानसून के दौरान जलभराव और सफाई व्यवस्था को लेकर नोएडा विधानसभा के विधायक पंकज सिंह ने बुधवार को नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव, ड्रेन सफाई, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा यातायात व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की गई। विधायक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नागरिकों को बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएं।

बैठक में नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी, महाप्रबंधक (सिविल) ए.के. अरोड़ा, एस.पी. सिंह, महाप्रबंधक (विद्युत/यांत्रिक) आर.पी. सिंह, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, भाजपा जिलाध्यक्ष महेश चौहान, फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा तथा विभिन्न आरडब्ल्यूए और औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्राधिकरण ने बैठक में बताया कि स्वच्छता के क्षेत्र में नोएडा लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। शहर में प्रतिदिन डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के माध्यम से लगभग 900 टन घरेलू कचरा उठाकर उसका निस्तारण किया जा रहा है। इसके अलावा प्रतिदिन करीब 400 टन निर्माण एवं विध्वंस (सी एंड डी) अपशिष्ट का भी वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि शहर के सभी जोनों में नालों की सफाई अभियान चल रहा है और 15 जुलाई तक सभी प्रमुख नालों की सफाई पूरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बैठक में जानकारी दी गई कि नोएडा में 28 जलभराव संभावित (लो-लाइंग) स्थलों की पहचान की गई है। इन स्थानों पर पहले से पंपिंग सेट लगाए जा चुके हैं तथा कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है। जलभराव की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए नोएडा प्राधिकरण ने 24 घंटे संचालित कॉल सेंटर भी स्थापित किया है। नागरिक 0120-2423795 पर फोन कर जलभराव संबंधी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने कई क्षेत्रों में नालों की नियमित सफाई न होने की शिकायत उठाई। इस पर विधायक पंकज सिंह ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करते हुए ऐसे क्षेत्रों की सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी जलभराव या सफाई में लापरवाही मिले, वहां संबंधित अधिकारी एवं संविदाकार की जवाबदेही तय कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

विधायक ने बारिश के दौरान लगने वाले ट्रैफिक जाम पर भी चिंता व्यक्त करते हुए 247 क्विक रिस्पॉन्स टीम गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीम आधुनिक उपकरणों से लैस हो और जलभराव की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित करे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि नालों की सफाई शुरू करने से पहले संबंधित आरडब्ल्यूए, ग्राम प्रतिनिधियों और औद्योगिक संगठनों से समन्वय स्थापित किया जाए, ताकि सफाई कार्य प्रभावी ढंग से पूरा हो सके और स्थानीय लोगों का सहयोग भी प्राप्त हो।

बैठक के अंत में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी ने विधायक को आश्वस्त किया कि उनके सभी निर्देशों का समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पालन कराया जाएगा तथा मानसून के दौरान शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्राधिकरण पूरी गंभीरता से कार्य करेगा।

1.2 किलोग्राम गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान चलाते हुए एक युवक को 1 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सेक्टर-100 के पास चेकिंग के दौरान हर्षवर्धन को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1.2 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी मूल रूप से बुलंदशहर का निवासी है और वर्तमान में बरौला गांव में रह रहा था।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि वह गांजा कहां से लाता था और किन लोगों को इसकी आपूर्ति करता था।

फर्जी रजिस्ट्री कर तीन करोड़ की ठगी करने वाला वांछित आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा। थाना जारचा पुलिस ने फर्जी रजिस्ट्री के माध्यम से तीन करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को गाजियाबाद के शास्त्रीनगर क्षेत्र से लोकल इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग की सहायता से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी रमेश ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर संपत्ति की रजिस्ट्री कराई और वादी से तीन करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की थी। पीड़ित की शिकायत पर थाना जारचा में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस ने बताया कि इस मामले में इससे पहले आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। रमेश की गिरफ्तारी के बाद अब तक कुल नौ आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले में शामिल अन्य व्यक्तियों और ठगी के नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि संपत्ति संबंधी धोखाधड़ी के मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

घरेलू विवाद में शांति भंग की आशंका पर युवक हिरासत में

जारचा पुलिस ने बीएनएसएस की धाराओं में की कार्रवाई

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा। थाना जारचा पुलिस ने घरेलू विवाद के दौरान शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका के चलते एक युवक को हिरासत में लिया है।

पुलिस के अनुसार ग्राम खटाना धीरखेड़ा निवासी सुनील अपनी पत्नी से घरेलू कार्य को लेकर विवाद कर रहा था। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना तथा झगड़ा करने पर उतारू हो गया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170/126/135 के तहत कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में लिया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की।

दो वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की चार मोटरसाइकिल बरामद

नोएडा। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस एवं बीट पुलिसिंग की सहायता से वाहन चोरी करने वाले दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे एवं निशानदेही पर चोरी की चार मोटरसाइकिल और दो अवैध चाकू बरामद किए हैं।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों की पुलिस आयुक्त व जिलाधिकारी ने की समीक्षा

सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा और स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष जोर

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा। आगामी श्रावण शिवरात्रि कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल एवं सुरक्षित संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में कांवड़ मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, सीसीटीवी निगरानी, चिकित्सा सेवाएं, पेयजल, स्वच्छता, विद्युत सुरक्षा तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी तैयारियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि यात्रा शुरू होने से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। जिलाधिकारी ने कांवड़ शिविरों में पेयजल, शौचालय, स्नानघर, मेडिकल कैंप और एम्बुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं पुलिस आयुक्त ने पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, कंट्रोल रूम को सक्रिय रखने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

सेक्टर-36 में दिखा संदिग्ध चोरों का गैंग, वारदात टली

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। सेक्टर-36 में देर रात संदिग्ध चोरों का एक गैंग दिखाई देने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। गश्त कर रही पेट्रोलिंग टीम की सतर्कता से संदिग्ध मौके से फरार हो गए और संभावित चोरी की वारदात टल गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर संदिग्धों की पहचान में जुटी है। स्थानीय लोगों से भी किसी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने की अपील की गई है।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार

दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।

न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

स्कूल वाहन चालकों को सुरक्षा मानकों का पालन करने और यातायात नियमों के प्रति किया गया जागरूक

समाज जागरण संभल

जनपद संभल में सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व क्षेत्राधिकारी यातायात स्तुति सिंह एवं प्रभारी यातायात ने किया।

अभियान के दौरान यातायात पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों पर स्कूली वाहनों की सघन जांच की। इस दौरान बिना फिटनेस प्रमाणपत्र के संचालित स्कूली वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। साथ ही स्कूल वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों से कहा कि वे वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को न बैठाएं, तेज गति एवं लापरवाही से वाहन न चलाएं तथा प्रत्येक स्कूल वाहन में फर्स्ट एड किट और अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) अनिवार्य रूप से रखें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत उपलब्ध कराई जा सके।

इसी अभियान के दौरान मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाली सात बुलेट मोटरसाइकिलों का चालान भी किया गया। वाहन स्वामियों को भविष्य में मॉडिफाइड साइलेंसर का उपयोग न करने की सख्त हिदायत दी गई। पुलिस ने बताया कि अत्यधिक शोर करने वाले साइलेंसर बुजुर्गों, बच्चों तथा आम नागरिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं।

यातायात पुलिस ने सभी वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील करते हुए चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी लगातार अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दहेज उत्पीड़न को लेकर नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर नजीबाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक दुखद घटना सामने आई है। यहाँ एक विवाहिता, गुलनाज की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई है। मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने प्राप्त तहरीर के आधार पर पति मोहम्मद आसिफ सहित छह लोगों के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। अधिकारियों ने शव को प्रक्रिया के अनुसार पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप परिजनों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गुलनाज का विवाह अप्रैल 2026 में मोहम्मद आसिफ के साथ हुआ था। आरोप है कि विवाह के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष की ओर से अतिरिक्त मांगें शुरू हो गई थीं। शिकायत में कहा गया है कि मांगें पूरी न होने पर गुलनाज को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। परिजनों का आरोप है कि बीते 6 जुलाई को इसी विवाद के चलते गुलनाज के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया, जिसके परिणामस्वरूप उनकी मृत्यु हो गई।

शिकायतकर्ता के अनुसार, मृतका पहले भी कई बार अपनी आपबीती साझा कर चुकी थी। इस मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस प्रशासन की भूमिकानजीबाबाद पुलिस के अनुसार, मृतका की मां की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले के सभी तथ्यों का बारीकी से निरीक्षण कर रही है। पोस्टमार्ट रिपोर्ट और संकलित साक्ष्यों के आधार पर कानून सम्मत आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

उप्र गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष ने नजराना कान्हा गौशाला का किया निरीक्षण, गोवंश संरक्षण पर दिए आवश्यक निर्देश

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल ने बुधवार को तहसील चांदपुर स्थित नजराना कान्हा गौशाला का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने गोवंश को गुड़ खिलाकर एवं माल्यार्पण कर गौसेवा का संदेश दिया।

निरीक्षण के दौरान गौशाला में कुल 160 गोवंश संरक्षित पाए गए, जिनमें 45 नर एवं 115 मादा गोवंश शामिल थे। निरीक्षण के समय एक गोवंश कमजोर अवस्था में मिला, जिस पर उपाध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उसके समुचित उपचार, बेहतर पोषण तथा नियमित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने गौशाला में उपलब्ध हरे चारे, भूसे एवं चोकर की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया, जो पर्याप्त एवं संतोषजनक पाई गई। इस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना की। निरीक्षण के दौरान सभी केयरटेकर अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए उपस्थित मिले तथा गौशाला में लगे सभी सीसीटीवी कैमरे भी सुचारु रूप से संचालित पाए गए। उपाध्यक्ष ने निर्देश दिए कि गोवंशों के लिए हरे चारे की उपलब्धता और बढ़ाई जाए तथा वर्तमान गर्म मौसम को देखते हुए गौशाला में कूलर सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाए, ताकि गोवंशों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

निरीक्षण के उपरांत महेश कुमार शुक्ल ने गौशाला की समस्त व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि गोवंशों के संरक्षण, स्वास्थ्य और बेहतर देखभाल के लिए इसी प्रकार निरंतर समर्पण के साथ कार्य करते रहें।

गो सेवा ही सुशासन का आधार-निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की संवेदनशील एवं प्रभावी पहल

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर उत्तर प्रदेश के यशस्वी एवं लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी एवं कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार निराश्रित गोवंश के संरक्षण, संवर्धन एवं समुचित देखभाल के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

गो सेवा को शासन की प्राथमिकता बनाते हुए प्रदेश सरकार द्वारा अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी संचालन किया जा रहा है, जिनके सकारात्मक परिणाम पूरे प्रदेश में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहे हैं।

प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी गो-संरक्षण नीति के अंतर्गत वर्तमान में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 7,700 से अधिक गो-आश्रय स्थल संचालित हैं, जहां 16 लाख से अधिक निराश्रित गोवंश को सुरक्षित आवास, नियमित चारा, स्वच्छ पेयजल तथा आवश्यक पशु चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां निराश्रित गोवंश के भरण-पोषण हेतु ड्50 प्रतिदिन प्रति गोवंश की दर से धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है।

गोशालाओं के प्रभावी एवं पारदर्शी संचालन के उद्देश्य से प्रदेश की 5,446 गोशालाओं में 7,592 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं। आधुनिक निगरानी प्रणाली के माध्यम से 247 गोवंश की सुरक्षा, देखभाल की गुणवत्ता तथा प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना के माध्यम से गो-संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप दिया गया है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 1,67,065 से अधिक गोवंश इच्छुक एवं जिम्मेदार गोपालकों को सुपुर्द किए जा चुके हैं। सरकार द्वारा गोपालकों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से ड्50 प्रतिदिन प्रति गोवंश की दर से पोषण भत्ता सीधे प्रेषित किया जा रहा है, जिससे गोपालकों की आय में भी वृद्धि हो रही है।

जनपद बिजनौर में भी जिला प्रशासन द्वारा गो-संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। वर्तमान में जनपद में 71 गो-आश्रय स्थल संचालित हैं, जिनमें 10,609 गोवंश का संरक्षण एवं भरण-पोषण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 1,301 प्रगतिशील गोपालकों ने सहभागिता योजना के अंतर्गत 2,403 गोवंश को अपनाकर सामाजिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

प्रदेश सरकार उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के अंतर्गत गोवंश की सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। जीरो टॉलरेंस नीति के तहत गो-संरक्षण से संबंधित नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष श्री महेश कुमार शुक्ल ने कहा कि आयोग के पदाधिकारियों द्वारा गो-आश्रय स्थलों का नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी रखी जा रही है। कहीं भी किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाती है। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक एवं स्वार्थी तत्वों द्वारा भ्रामक सूचनाएं फैलाकर जनमानस को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिनका तथ्यों के आधार पर प्रभावी खंडन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश हैं कि निराश्रित गोवंश की सेवा, सुरक्षा एवं संरक्षण में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। प्रदेश सरकार संवेदनशील, मानवीय एवं समर्पित दृष्टिकोण के साथ गो-संरक्षण को सुशासन का महत्वपूर्ण आधार मानते हुए निरंतर प्रभावी प्रयास कर रही है।

जायंट्स ग्रुप महिला शक्ति ने जरूरतमंद बच्चों की थामी शिक्षा की डोर, फीस जमा कर वितरित की शिक्षण सामग्री

समाज जागरण चन्दौसी

जायंट्स ग्रुप महिला शक्ति चन्दौसी द्वारा बुधवार, 8 जुलाई 2026 को स्टेशन रोड स्थित महेद्रा में दीप प्रज्वलित एवं जायंट्स प्रार्थना के साथ एक प्रेरणादायी सामाजिक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं की स्कूली फीस जमा कराई गई तथा उन्हें स्कूल बैग, निशुल्क पुस्तकें, कॉपियां, स्टेशनरी, कपड़े, चप्पल, पानी की बोतल और लंच बॉक्स वितरित किए गए।

इस अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष इंदु अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है और आर्थिक अभाव किसी भी बच्चे की पढ़ाई में बाधा नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग के लिए आगे आना चाहिए।

यूनिट डायरेक्टर क्षमा अग्रवाल ने कहा कि ग्रुप का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। वहीं डीओए मीना वार्ष्णेय ने भारतीय संस्कृति में दान की महत्ता बताते हुए कहा कि सेवा और सहयोग की भावना ही समाज को मजबूत बनाती है। उन्होंने प्रेरक पंक्तियां भी प्रस्तुत कीं

थाना शिवाला कलां क्षेत्र में पोषक नहर किनारे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, पुलिस जांच में जुटी

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर जनपद के थाना शिवाला कलां क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नजरपुर मांड्या में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब ग्रामीणों ने गांव के निकट स्थित पुल के पास पोषक नहर में एक अज्ञात पुरुष का शव देखा। मृतक की आयु लगभग 35 वर्ष प्रतीत हो रही है। इस घटना की सूचना ग्राम नजरपुर मांड्या निवासी सत्यवीर मलिक पुत्र फूल सिंह द्वारा स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाना शिवाला कलां के थानाध्यक्ष त्रिवेंद्र राठी अपनी पुलिस टीम के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुँचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की वैधानिक कार्यवाही पूर्ण की और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेज दिया

घटना के संबंध में क्षेत्राधिकारी नगर ने आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार सुबह लगभग 07:00 बजे सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम नजरपुर मांड्या स्थित पुल के पास पोषक नहर में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकाला और उसका प्राथमिक निरीक्षण किया, जिसमें प्रथम दृष्टया शरीर पर किसी भी प्रकार के बाहरी चोट के जाहिरा निशान दृष्टिगत नहीं हुए हैं। क्षेत्राधिकारी नगर ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में पुलिस टीम मृतक की शिनाख्त के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के उपरांत ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल, घटनास्थल पर कानून-व्यवस्था पूरी तरह से सामान्य है और थानाध्यक्ष त्रिवेंद्र राठी के नेतृत्व में पुलिस द्वारा मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

कीटनाशकों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु 29 प्रतिष्ठानों पर संयुक्त छापामार कार्रवाई

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर। उत्तर प्रदेश सरकार एवं जिलाधिकारी बिजनौर के निदेर्शों के अनुपालन में जनपद में कृषकों को उच्च गुणवत्ता वाले कीटनाशकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा निम्न गुणवत्ता एवं अवैध कीटनाशकों की बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से जनपद की समस्त तहसीलों में विशेष संयुक्त निरीक्षण एवं छापामार अभियान चलाया गया।

इस अभियान के अंतर्गत जसवीर सिंह, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, बिजनौर के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी बिजनौर एवं नजीबाबाद तथा डॉ. घनश्याम वर्मा, उप कृषि निदेशक, बिजनौर के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी धामपुर एवं नगीना तथा अक्षय कुमार, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक (कृषि रक्षा) ग्रुप-ए, बिजनौर के साथ उपजिलाधिकारी चांदपुर द्वारा संयुक्त रूप से जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण किया गया। संयुक्त टीमों द्वारा कुल 29 कीटनाशी बिक्री प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपलब्ध कीटनाशकों के 11 नमूने गुणवत्ता परीक्षण हेतु अधिकृत किए गए।

अभियान के दौरान मै० ओम शिव ट्रेडिंग कम्पनी, बिजनौर, मै० शौर्य बीज भण्डार, पावटी (नूरपुर), मै० श्री बालाजी बीज भण्डार, दारानगर गंज, मै० सिसोदिया बीज भण्डार, नगीना तथा मै० कृषक सेवा केन्द्र, अफजलगढ़ के प्रतिष्ठान निरीक्षण के समय बंद पाए गए तथा संबंधित विक्रेता अनुपस्थित मिले। इन सभी प्रतिष्ठानों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त मै० चौधरी कृषि सेवा केन्द्र, स्याऊ, चांदपुर पर निरीक्षण के दौरान अन्य गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान का कीटनाशी लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

निरीक्षण के दौरान समस्त कीटनाशी विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि केवल विभागीय पोर्टल पर विधिवत पंजीकरण एवं प्राधिकृत स्त्रोतों से प्राप्त उच्च गुणवत्ता वाले कीटनाशकों का ही कृषकों को वितरण किया जाए। साथ ही प्रत्येक बिक्री पर कृषकों को कैश मेमो/रसीद अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए, जिससे गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। जिला कृषि रक्षा अधिकारी जसवीर सिंह ने बताया कि कृषकों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। नकली, अमानक अथवा अवैध कीटनाशकों के निर्माण, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध जनपद में ऐसे विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे तथा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कृषकों से भी अपील की कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही कीटनाशक खरीदें, खरीद की रसीद अवश्य प्राप्त करें तथा किसी भी प्रकार की शिकायत होने पर तत्काल कृषि विभाग को सूचित करें।

योगी सरकार में बिजली व्यवस्था बनी भरोसे की पहचान, जून में 98.62% शिकायतों का निस्तारण

समाज जागरण

लखनऊ, 8 जूनः उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में बिजली व्यवस्था लगातार अधिक भरोसेमंद और उपभोक्ता केंद्रित बनी हुई है। योगी सरकार का लक्ष्य केवल प्रदेशवासियों को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना भी है। इसी का परिणाम है कि उ.प्र. पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने जून में दर्ज बिजली संबंधी शिकायतों में 98.62 प्रतिशत का सफल निस्तारण कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस तरह योगी सरकार की प्रभावी मॉनिटरिंग और जवाबदेह कार्यशैली के चलते प्रदेश की बिजली व्यवस्था लगातार मजबूत हुई है, जिससे आम उपभोक्ताओं का भरोसा भी बढ़ा है।

बिजली आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण

सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह रहा कि जून में बिजली आपूर्ति से संबंधित शिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण किया गया है। यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि यूपीपीसीएल ने उपभोक्ताओं की सबसे महत्वपूर्ण समस्या बिजली आपूर्ति में बाधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। गर्मी के मौसम में रिकॉर्ड बिजली मांग के बावजूद शिकायतों का इतनी तेजी से समाधान विभाग की सक्रिय कार्यशैली को दशार्ता है। आंकड़ों के अनुसार, जून महीने में प्रदेश भर से 17 लाख 47 हजार से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई थी, जिसमें से 17 लाख 23 हजार से अधिक शिकायतों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। शिकायतों के समाधान की यह दर 98.62 प्रतिशत रही, जो उपभोक्ता सेवा के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानी जा रही है।

एमवीवीएनएल में 6.39 लाख से अधिक शिकायतों का निस्तारण

सभी डिस्कॉम पर जून में प्राप्त शिकायतों और उनके निस्तारण के आंकड़ों पर नजर डाले तो दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (डीवीवीएनएल) में 3.03 लाख से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 2.99 लाख से अधिक शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया था। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एमवीवीएनएल) में 6.45 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 6.39 लाख से अधिक का समाधान किया गया।

केस्को में 1.15 लाख शिकायतों का समय रहते हुआ समाधान

इसी तरह पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीयूवीवीएनएल) में आई 2.83 लाख शिकायतों में से 2.77 लाख से अधिक शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया। जबकि पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) में 3.94 लाख से अधिक शिकायतें आईं जिनमें से 3.89 लाख से अधिक शिकायतों का समाधान कर दिया गया। वहीं कानपुर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी (केस्को) में 1.19 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 1.15 लाख से अधिक शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया गया।

बिजली व्यवस्था की 24 घंटे निगरानी कर रहीं यूपीपीसीएल की टीमें

प्रदेश में बढ़ती बिजली मांग को देखते हुए उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) की टीमें चौबीसों घंटे बिजली व्यवस्था की निगरानी कर रही हैं। बिजली की मांग का लगातार विश्लेषण किया जा रहा है ताकि किसी भी परिस्थिति में उपभोक्ताओं को असुविधा का सामना न करना पड़े।

परिवार परामर्श केंद्र में 26 मामलों की सुनवाई, दो बिछड़े परिवार फिर हुए एक

सात मामलों का हुआ निस्तारण, आपसी संवाद और समझौते से सुलझाए गए वैवाहिक विवाद

समाज जागरण चन्दौसी

पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज रावत एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई स्तुति सिंह के मार्गदर्शन में

संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी, चन्दौसी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी एवं महिला थाना प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह ने की। बैठक के दौरान पति-पत्नी के बीच उत्पन्न पारिवारिक विवादों को आपसी संवाद और सुलह-समझौते के माध्यम से समाप्त करने का प्रयास किया गया। काउंसलरों के सहयोग से दोनों पक्षों की बात गंभीरता से सुनी गई और उन्हें रिश्तों को बचाने के लिए सकारात्मक सलाह दी गई।

बैठक में कुल 26 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 7 मामलों का निस्तारण किया गया। इनमें 2 परिवारों को आपसी सहमति से पुनः मिलाने में सफलता मिली। वहीं 5 पत्रावलियों को आवेदक द्वारा मामले पर बल न देने तथा अन्य कारणों से बंद कर दिया गया। शेष मामलों में अगली तिथि निर्धारित करते हुए दोनों पक्षों को पुनः उपस्थित होने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, उपनिरीक्षक महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह, रुचि सहित अन्य पुलिसकर्मी एवं काउंसलर उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि परिवार परामर्श केंद्र का उद्देश्य आपसी संवाद के माध्यम से पारिवारिक विवादों का शांतिपूर्ण समाधान कर परिवारों को टूटने से बचाना है।

चोरी की मोटरसाइकिल सहित आरोपी गिरफ्तार

अपराधी अपराध करना छोड़ दे या क्षेत्र छोड़ देः थाना प्रभारी विपिन कुमार

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर मडावर। मंगलवार को मंडावर थाने में लोकेंद्र सिंह पुत्र धर्म सिंह गांव नगला पिथौरा थाना मंडावली द्वारा तहरीर दी गई थी कि 2 जुलाई को अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेरी मोटरसाइकिल चोरी कर ली थी। पुलिस ने पीड़ित की तेहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया था। और जाच पड़ताल में जुड़ गई थी। जांच के दौरान जतिन उर्फ निक्की पुत्र जोगिंदर गांव चतर भोजपुर नगला थाना किरतपुर नाम प्रकाश में आया था।बुधवार को मंडावर पुलिस ने आरोपी जतिन उर्फ निक्की को चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार कर उचित धाराओं में चालान कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि अपराधियों को किसी भी कीमत का बक्सा नहीं जाएगा।

युवती के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नगीना। शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार का बीएनएस की संबंधित धाराओं में उसका चालान कर दिया।

14 जून 2026 को एक वादिनी द्वारा नगीना पुलिस को तहरीर दी गई थी कि ग्राम मंझेड़ा निवासी आमिर पुत्र अकील ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया तथा विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी ,पुलिस ने वादिनी की तहरीर पर मामले में रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी थी , मंगलवार को पुलिस ने मामले के नामजद आरोपी ग्राम मंझेड़ा निवासी आमिर पुत्र अकील को गिरफ्तार कर बीएनएस की संबंधित धाराओं में उसका चालान कर दिया

गुलदार ने कुत्ते को बनाया निवाला ग्रामीणों में दहशत

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर मंडावर। क्षेत्र के गांव मीरापुर खादर में सोमवार की देर रात एक गुलदार (तेंदुआ) ने गांव के पास चरी के खेत से एक कुत्ते को उठा लिया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर गुलदार उसे लेकर पास के गन्ने के खेत में चला गया और वहीं बैठकर कुत्ते को खाना शुरू कर दिया। इस घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल व्याप्त है।ग्रामीणों ने बताया कि

गुलदार कुत्ते को मुंह में दबाए ले जा रहा था। जब लोग शोर मचाने लगे तो वह गन्ने के खेत में घुस गया और वहीं कुत्ते को खाया। कई ग्रामीणों ने इस दृश्य को अपनी आंखों से देखा स्थानीय लोगों का कहना है कि इन खेतों में तीन गुलदार रह रहे हैं। जिनमें एक बच्चा (शावक) भी शामिल है, ग्रामीणों में भय है कि गुलदार अब इंसानों पर भी हमला कर सकता है।पिछले साल भी हुई थी घटना पिछले वर्ष कोहरपुर गांव में एक गुलदार ने एक बच्चे को मार दिया था। इसके बावजूद वन विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे ग्रामीण नाराज हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि वन विभाग ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर बिल्कुल गंभीर नहीं है।घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने रात में ही डायल 112 पुलिस पर फोन कर सूचना दी थी। ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों से पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने की मांग की है।

मोदीनगर वैश्य समाज के पदाधिकारियों ने अभिमन्यु गुप्ता का किया अभिनंदन

अग्रवाल सम्मेलन का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने पर बुक्का, शाल और मिठाई से किया सम्मान

समाज जागरण

अग्रवाल मंडी टटीरी। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के नव मनोनीत राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता के आवास अग्रवाल मंडी टटीरी पर वैश्य समाज मोदीनगर का एक प्रतिनिधिमंडल पहुंचा और उनका भव्य अभिनंदन किया।प्रतिनिधिमंडल में संरक्षक देवराज मित्तल, अध्यक्ष डॉ. बृजभूषण बंसल, अश्वनी गोयल, कोषाध्यक्ष संजय सिंघल, उपाध्यक्ष सुदेश मित्तल, उपाध्यक्ष अनिल गोयल, उपाध्यक्ष आसाराम गर्ग, राजेंद्र गोयल, मीडिया प्रभारी रविंद्र और मंत्री सर्वेश मित्तल सहित 10 सदस्य शामिल रहे। सभी ने अभिमन्यु गुप्ता को बुक्का पहनाकर, शाल ओढ़ाकर और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संरक्षक देवराज मित्तल ने कहा कि आपका मनोनयन पूरे उत्तर प्रदेश का सम्मान और गौरव बढ़ाने वाला है। समाज के उत्थान के लिए हम आपके साथ प्रतिबद्धता से कार्य करेंगे। अध्यक्ष डॉ. बृजभूषण बंसल ने कहा कि हम सब मिलकर अग्रवाल समाज और वैश्य समाज से कुरीतियां दूर करने के सार्थक प्रयास करेंगे। अभिनंदन स्वीकार करते हुए अभिमन्यु गुप्ता ने प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त किया और कहा कि मैं 24 घंटे समाज की सेवा के लिए तत्पर रहूंगा। आप सबका सहयोग मेरे लिए अनमोल है।

जिला मुख्यालय बागपत में विशाल तिरंगा लगाने की मांग, जमीअत उलेमा ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बड़ौत में पहले से लगा है भव्य तिरंगा; संगठन ने कहा- जिला मुख्यालय पर भी स्थापित हो राष्ट्रीय ध्वज, बढ़ेगा राष्ट्रप्रेम

समाज जागरण बागपत।

जिला मुख्यालय बागपत में किसी प्रमुख सार्वजनिक स्थान पर विशाल तिरंगा स्थापित करने की मांग को लेकर जमीअत उलेमा जिला बागपत का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को जिलाधिकारी से मिला और ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि बागपत जनपद का मुख्यालय होने के बावजूद शहर में आज तक किसी प्रमुख स्थान पर विशाल राष्ट्रीय ध्वज स्थापित नहीं किया गया है, जबकि तहसील मुख्यालय बड़ौत में भव्य तिरंगा पहले से लगा है जो नगर की सुंदरता और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बना हुआ है। संगठन ने मांग की कि प्रमुख चौराहा, प्रवेश द्वार, पार्क या अन्य सार्वजनिक स्थल पर आकर्षक तिरंगा लगाया जाए।प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि *तिरंगा भारत की आन, बान और शान का प्रतीक है*। यह स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों की स्मृति, राष्ट्रीय एकता और संविधान के प्रति सम्मान का संदेश देता है। जिला मुख्यालय पर विशाल तिरंगे की स्थापना से नागरिकों में राष्ट्रप्रेम की भावना मजबूत होगी और नई पीढ़ी को देशभक्ति की प्रेरणा मिलेगी। जमीअत उलेमा ने जिलाधिकारी से जनभावनाओं का सम्मान करते हुए शीघ्र कार्रवाई कर जिला मुख्यालय पर तिरंगा स्थापित कराने का अनुरोध किया। ज्ञापन सौंपने वालों में मुफ्ती शाह आलम मजाहिरी, मौलाना शाहिद मजाहिरी, मुफ्ती अहसान कासमी, मुफ्ती असजद कासमी, मुफ्ती अमजद, मुफ्ती वसीम,

कारी अकमल, कारी मुस्तफा, कारी मतलूब, कारी इंतजार, कारी शाहिद, कारी आमिर सहित जमीअत उलेमा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस ने निकाली "सद्बुद्धि यात्रा", राम मंदिर में चंदा चोरी पर भाजपा सरकार पर बोला हमला

जिलाध्यक्ष लव कश्यप बोले- असली चोर पकड़े जाने तक आंदोलन जारी रहेगा, पीएम-सीएम से चोरों को फांसी की मांग

समाज जागरण

बागपत। जनपद बागपत कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में मंगलवार को बड़ौत शहर में "सद्बुद्धि यात्रा" का आयोजन किया गया। यात्रा भगवान अग्रसेन की मूर्ति से शुरू होकर बड़ौत के मुख्य बाजारों से होती हुई पंचमुखी मंदिर स्थित भगवान श्री राम के मंदिर पर समाप्त हुई। इस दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने राम मंदिर के दान में हुई चोरी को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधा। जिलाध्यक्ष लव कश्यप ने कहा कि अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर में करोड़ों हिंदुओं का पैसा लगा है। सोना, चांदी, हीरे-जवाहरात, माता सीता का मंगलसूत्र, भगवान राम की चरण पादुका सहित तमाम चढ़ावा आया है। लेकिन भगवान राम के मंदिर में भी चोरी हो गई। छोटे भैया जैसे चोरों को तो पकड़ लिया गया, लेकिन असली चोर जो भगवान के मंदिर के दान के हैं, उन्हें बचाने का काम किया जा रहा है। जब तक असली चोर नहीं पकड़े जाते और माता सीता का मंगलसूत्र, भगवान राम की चरण पादुका सहित जेवरात वापस नहीं आते, तब तक आंदोलन लगातार चलता रहेगा। यात्रा के दौरान कार्यकताओं ने "राम मंदिर के दान के चोरों को फांसी दो", "माता सीता का मंगलसूत्र बेचकर खाया है ऐसा नेता आया है" जैसे नारे लगाए। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री से मांग की कि चंदा चोरों को फांसी दी जाए। इस सद्बुद्धि यात्रा में जिला उपाध्यक्ष अनिल तोमर, राजेंद्र चौहान, जिला महासचिव

आशु पंडित, राजीव कश्यप, नितिन कुमार सिंह, जिला सचिव अरविंद आदि वासी, अनुज कश्यप, पवन कश्यप, प्रदीप शर्मा, मंडल अध्यक्ष ओमबीर कश्यप, जयवीर प्रधान, बादल कश्यप, राजवीर प्रधान, सम्राट कश्यप सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रोटरी इंटरनेशनल ने बड़ौत में लगाया निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

समाज जागरण बागपत।

रोटरी इंटरनेशनल की बड़ौत शाखा ने आज एक नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। यह शिविर बड़ौली रोड स्थित श्री 1008 पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के प्रांगण में आयोजित किया गया।

इस शिविर में रोटरी इंटरनेशनल की बड़ौत शाखा के सदस्यों ने बढ़ चढ़कर सहयोग दिया। इस शिविर में बड़ौत सीओ अंशु जैन विशेष आमंत्रित अतिथि रहीं। उन्होंने यहां आकर चिकित्सा शिविर के विषय में जानकारी ली। रोटरी क्लब बड़ौत के अध्यक्ष अखिल जैन, सचिव संजीव जैन, कोषाध्यक्ष अमित आनंद एवं गौरव चौधरी, सुनील जैन, भारत जैन, मनजीत बेदी, नवीन जैन, अनिल अरोड़ा आदि लोगों ने कैंप में भरपूर सहयोग दिया। कैंप में खेकड़ा के ए डी के जैन नेत्र चिकित्सालय के डॉक्टरों की टीम ने अपना भरपूर योगदान दिया। इस शिविर में 130 ओपीडी हुई जिसमें 26 लोगों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। इन सभी को खेकड़ा स्थित अस्पताल में ऑपरेशन होने के बाद छुट्टी दी जाएगी। क्लब के इमेज चेयरपर्सन प्रभात कुमार जैन ने बताया कि चिकित्सा शिविर बेहद सफल रहा। श्री जैन ने बताया कि समाज सेवा का कार्य रोटरी क्लब द्वारा इसी प्रकार आगे भी जारी रहेगा।

गांव में नहर का गंदा पानी खेतों में भरने से किसानों की गन्ने की फसल तबाह, आक्रोशित किसानों ने किया प्रदर्शन

एलम की नहर से निकला गंदा पानी, सैकड़ों बीघा फसल डूबी; सिंचाई विभाग ने सफाई और मुआवजे का दिया आश्वासन, किसान बोले- समय पर मुआवजा नहीं मिला तो करेंगे तहसील में धरना

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत तहसील क्षेत्र के असारा गांव में बुधवार को किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। एलम की ओर से आने वाली नहर में गंदगी और सिल्ट जमा होने के कारण उसका पानी खेतों में घुस गया। देखते ही देखते सैकड़ों बीघा गन्ने की फसल पानी में डूब गई। फसल खराब होने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में किसान अपने खेतों पर पहुंच गए और नाराजगी जताते हुए प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि नहर की कई महीनों से सफाई नहीं हुई है। गंदा पानी आने से न केवल फसल खराब हुई है, बल्कि जमीन भी बंजर होने का खतरा बढ़ गया है। पीड़ित किसानों ने कहा कि इस बार गन्ने की फसल अच्छी थी, लेकिन एक ही दिन में सब बर्बाद हो गई। मौके पर सूचना मिलने के बाद सिंचाई विभाग के जेई और एसडीओ अधिकारियों की टीम पहुंची। अधिकारियों ने किसानों को समझा-बुझाकर शांत कराया। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि गुरुवार से नहर की सफाई का काम युद्धस्तर पर शुरू कराया जाएगा। साथ ही फसल में हुए नुकसान का आकलन कर उसकी रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी ताकि किसानों को मुआवजा दिलाया जा सके। विभाग के आश्वासन के बाद किसान मान गए, लेकिन उन्होंने साफ चेतावनी भी दी। किसानों ने कहा कि यदि समय रहते उनका मुआवजा नहीं दिया गया और नहर की स्थायी सफाई नहीं कराई गई, तो वे बड़ौत तहसील परिसर में धरने पर बैठने को मजबूर होंगे। इस अवसर पर सिंचाई विभाग के अधिकारी, समाजसेवी मनीष चौहान, मोहित चौहान, फुरकान, तालिब, मुकीम, यामीन सहित गांव के कई किसान मौजूद रहे।

बड़ौत गुरुकुल में कार्तिक शर्मा को किया गया सम्मान, विद्यार्थियों को दी योगाभ्यास की ट्रेनिंग

आचार्य संदीप गौतम ने गुरुकुल वस्त्र व पटका पहनाकर किया सम्मानित; योग से दूर होते हैं शरीर के सभी कष्ट

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत। नगर के छपरौली रोड स्थित श्री शिव गुरुकुल स्वाध्याय केंद्र पर मंगलवार को योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। गुरुकुल के संस्थापक

आचार्य संदीप गौतम ने अमरोहा के गजरौला निवासी और हापुड़ जनपद के ततारपुर गुरुकुल महाविद्यालय में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थी कार्तिक शर्मा को गुरुकुल के वस्त्र देकर पटका पहनाकर सम्मानित किया। सम्मान के बाद कार्तिक शर्मा ने गुरुकुल के विद्यार्थियों को योगासन की ट्रेनिंग दी। उन्होंने अलग-अलग अंदाज में योग कलाकारी दिखाते हुए विभिन्न योगासन कराए। कार्तिक शर्मा ने बताया कि योग करने से शरीर के सभी कष्ट दूर होते हैं और बीमारियां भी ठीक होती हैं। इसलिए सभी को रोजाना सुबह सवेरे योग करना चाहिए। इस अवसर पर गुरुकुल के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्यशैली के लिए पुनीत सिंह धारीवाल को सीडीओ ने किया सम्मानित

समाज जागरण बागपत।

जनपद में ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पात्र लाभार्थियों तक सरकारी योजनाओं का समयबद्ध लाभ पहुंचाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विकास खंड बड़ौत के ब्लॉक मिशन मैनेजर- बीएमएम पुनीत सिंह धारीवाल को मुख्य विकास अधिकारी- सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्य विकास अधिकारी ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन- एनआरएलएम के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान जनपद के सभी विकास खंडों के कार्यों का मूल्यांकन किया। इस दौरान विकास खंड बड़ौत के बीएमएम पुनीत सिंह धारीवाल द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र लाभार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने, कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने तथा योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने पर पुनीत सिंह धारीवाल ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने भविष्य में भी ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, स्वयं सहायता समूहों के सशक्तिकरण तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करते रहने का संकल्प व्यक्त किया।

भूदृष्टि फाउंडेशन की संस्थापक व अध्यक्ष कुसुम चौहान ने पुनीत सिंह धारीवाल की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे पूरे विकास खंड के लिए गौरव का विषय बताया।

बागपत में 7-10 साल से जमे अफसर-कर्मचारी बने चर्चा का विषय, स्थानांतरण नीति पर उठे सवाल

जानकार बोले- लंबे समय तक एक ही जिले में तैनाती से पारदर्शिता और निष्पक्षता प्रभावित, सामाजिक संगठनों ने निष्पक्ष तबादले की मांग की

समाज जागरण

बागपत। बागपत जनपद में वर्षों से एक ही स्थान पर कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। विभिन्न विभागों में कई ऐसे अधिकारी और कर्मचारी हैं जो पिछले 7 से 10 वर्षों से जिले में ही तैनात हैं। शासन की स्थानांतरण नीति और समय-समय पर जारी आदेशों के बावजूद तबादला न होने से आमजन सवाल उठा रहे हैं। जानकारों का कहना है कि स्थानांतरण नीति का उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखना, जवाबदेही सुनिश्चित करना और लंबे समय तक एक ही स्थान पर तैनाती से बनने वाले प्रभाव को रोकना है। ऐसे में वर्षों से एक ही जिले में तैनाती बने रहने से शासन की नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि लंबे समय तक एक ही स्थान पर तैनाती रहने से स्थानीय स्तर पर सांठगांठ की आशंका बढ़ जाती है, जिससे प्रशासन की निष्पक्षता और पारदर्शिता प्रभावित हो सकती है। यही कारण है कि समयबद्ध स्थानांतरण व्यवस्था को सुशासन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। सूत्रों के अनुसार तहसील के लेखपाल, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, पुलिस प्रशासन में तैनात कर्मचारी और जिला स्तर पर अकेले विभाग संभाल रहे अधिकारी सहित कई लोग बागपत में "अंगद का पैर" बन चुके हैं। हालांकि प्रत्येक मामले में प्रशासनिक आवश्यकता, न्यायालय के आदेश या अन्य वैध कारण भी हो सकते हैं, लेकिन लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनाती को लेकर सवाल लगातार बढ़ रहे हैं। सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों ने शासन से स्थानांतरण नीति का निष्पक्ष और समान रूप से पालन सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि नीति सभी पर समान रूप से लागू होगी तो प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी और जनता का विश्वास भी मजबूत होगा।

"स्वास्थ्य शिक्षक ही राष्ट्र निमार्ता" - प्रो. सुरेंद्र पाल आर्य

बड़ौत वैदिक महाविद्यालय में मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण; शिक्षकों को 5 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज की सुविधा

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत। नगर के कोताना रोड स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती वैदिक महाविद्यालय के सभागार में बुधवार को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुरेंद्र पाल आर्य ने कहा कि "स्वास्थ्य शिक्षक ही राष्ट्र निमार्ता है"। शिक्षा का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, मानसिक व आत्मिक विकास है। शिक्षकों को स्वस्थ रहते हुए नैतिक दायित्व निभाना चाहिए ताकि वे विद्यार्थियों में उच्च जीवन की

जिज्ञासा पैदा कर उनकी प्रतिभा का विकास कर सकें। बड़ौत मेडिसिटी हॉस्पिटल के प्रबंधक डॉ. मनीष तोमर ने शिक्षकों के लिए अस्पताल में विशेष चिकित्सा वार्ड बनाने का वादा किया। आर्य प्रतिनिधि सभा बागपत के मंत्री रवि शास्त्री ने कहा कि 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज का कार्ड देकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षक समाज के लिए ऐतिहासिक कार्य किया है। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख कुलदीप तोमर, खंड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार, प्राइमरी व माध्यमिक शिक्षा विभाग के सैकड़ों शिक्षक-शिक्षिकाएं सहित धर्मपाल सिंह त्यागी, कपिल आर्य, सुधीर मलिक आदि उपस्थित रहे।

12वीं के बाद जल्दबाजी में लिया गया गलत निर्णय बदल सकता है करियर की दिशा - डॉ. प्रदीप कुमार

करियर काउंसलर ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से विशेषज्ञ मार्गदर्शन लेकर फैसला लेने की की अपील

समाज जागरण

बड़ौत। करियर काउंसलर डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि कक्षा 12 की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद जल्दबाजी में लिया गया एक गलत निर्णय पूरे करियर की दिशा बदल सकता है। डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि 12वीं के बाद अधिकांश विद्यार्थी और उनके अभिभावक यह तय नहीं कर पाते कि आगे कौन-सा कोर्स चुनें, किस विश्वविद्यालय में प्रवेश लें और किस क्षेत्र में भविष्य बेहतर रहेगा। ऐसे में कई छात्र बिना पर्याप्त जानकारी के केवल दोस्तों, रिश्तेदारों या दूसरों को देखकर प्रवेश ले लेते हैं। बाद में उन्हें अहसास होता है कि चुना गया कोर्स उनकी रुचि, क्षमता और करियर लक्ष्यों के अनुरूप नहीं था, जिसका असर उनके पूरे भविष्य पर पड़ता है।उन्होंने कहा कि हर विद्यार्थी अलग होता है। उसकी रुचि, योग्यता, व्यक्तित्व और सीखने की शैली अलग-अलग होती है। इसलिए भीड़ का अनुसरण करना या बिना सोचे-समझे निर्णय लेना ठीक नहीं है। सही करियर का चयन विशेषज्ञ मार्गदर्शन के साथ किया जाना चाहिए। अभिभावकों से अपील करते हुए डॉ. कुमार ने कहा कि वे बच्चों पर किसी विशेष कोर्स या पेशे का अनावश्यक दबाव न डालें। बच्चे की रुचि, योग्यता, पारिवारिक परिस्थितियों और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखकर ही निर्णय लें। आज पारंपरिक कोर्सों के साथ-साथ कई नए और रोजगारोन्मुखी विकल्प भी उपलब्ध हैं। डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि निर्णय लेने से पहले विद्यार्थियों को विभिन्न कोर्सों, विश्वविद्यालयों, प्रवेश प्रक्रिया, रोजगार की संभाव नाओं और उच्च शिक्षा के अवसरों का अध्ययन करना चाहिए। जरूरत होने पर करियर काउंसलिंग, साइकोमेट्रिक असेसमेंट और वैज्ञानिक मार्गदर्शन लेना अधिक लाभदायक रहेगा। उन्होंने कहा, "सही समय पर लिया गया सही करियर निर्णय केवल एक डिग्री नहीं, बल्कि सफल और संतुष्ट जीवन की मजबूत नींव बन सकता है।"

बिजरौल के अर्जुन सिंह तोमर बने CCS यूनिवर्सिटी टॉपर, मिलेंगे गोल्ड मेडल

BLIS में सर्वाधिक अंक लाकर गांव का नाम रोशन किया, घर पर बधाई देने वालों का लगा तांता

समाज जागरण

बड़ौत। बिजरौल गांव के अर्जुन सिंह तोमर ने चौधरी चरण सिंह विश्व विद्यालय में बैचलर इन इन्फोर्मेशन एंड लाइब्रेरी साइंस में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर टॉप किया है। उनकी इस उपलब्धि पर पूरे गांव में खुशी का माहौल है और उनके घर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।विश्व विद्यालय द्वारा जारी सूची के अनुसार अर्जुन सिंह तोमर को दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा। अर्जुन जनता वैदिक कॉलेज बड़ौत के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग में विभागाध्यक्ष डॉ. बृजराज सिंह तोमर के पुत्र हैं। अर्जुन की माता दीपा ने बताया कि अर्जुन बचपन से ही मेहनती और होनहार छात्र रहा है। वहीं पिता डॉ. बृजराज सिंह तोमर ने बताया कि उनका छोटा बेटा अनुभव तोमर भी यूनिवर्सिटी कैम्पस से ही राजनीति विज्ञान में एमए कर रहा है। अर्जुन की इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

बागपत..समाजवादी पार्टी जिला उपाध्यक्ष को मिली बड़ी जिम्मेदारी

समाज जागरण बागपत।

समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव ने बागपत के जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह भाटी को एक बड़ी जिम्मेदारी दी है साथ ही कामना की है कि जिस तरह अभी तक पार्टी को मजबूत कर पार्टी की नीतियों को आम लोगों तक पहुंचाया है आगे भी इसी तरह मजबूती के साथ।कार्य

करते रहेंगे । आज जैसे जी बागपत जनपद वासियों को ये सूचना मिली उनका खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा । एक कार्यकर्ता को जनपद से राष्ट्रीय स्तर का पद भार देकर पार्टी अध्यक्ष ने ये दिखा दिया कि कार्यकर्ता कोई भी हो जो पार्टी की नीतियों को जनजन तक पहुंचाएगा वही असली कार्यकर्ता है।जनपद से राष्ट्रीय स्तर की जिम्मेदारी मिलने पर बागपत सपा कार्यकताओं ने खुशी जताते हुए एक दूसरे को मिठाई खिलाई। इस अवसर पर जितेंद्र।सिंह भाटी ने कहा कि हम सच्चे समाज वादी सिपाही है जो भी जिम्मेदारी उन्हें पार्टी हाई कमान द्वारा दी गई है उसे भली भांति निभाया जाएगा। इस अवसर पर प्रभारी संजीव त्यागी, अनुज यादव, संदीप कसाना, टीटू यादव प्रदीप यादव आदि उपस्थित रहे।

भाजपा की मासिक बैठक में संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण और डिजिटल अभियान पर जोर

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

नगर के भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में कार्यकताओं की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रामजीलाल कश्यप एवं मंडल प्रभारी शक्ति सिंह मौजूद रहे, जबकि अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष डॉ. रश्मिकांत जैन ने की। बैठक की शुरूआत जिला अध्यक्ष का फूलमाला व पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान के साथ हुई।बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष डॉ. रामजीलाल कश्यप ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकताओं से संगठनात्मक अनुशासन बनाए रखते हुए बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत करने, जनसंपर्क बढ़ाने तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और पार्टी के अभियानों को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने डिजिटल लर्निंग अभियान को गति देने और अधिक से अधिक लोगों को डिजिटल माध्यमों से जोड़ने पर भी विशेष जोर दिया।उन्होंने कार्यकताओं से प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की अपील की। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रतिभा उर्फ सिमरन,अलका चौहान, रवि नामदेव, अशोक चौहान, दीपक गुप्ता, सतवीर कश्यप, संदीप सैनी, संजय मित्तल, जनेश्वर चौहान, हरिमोहन चौहान, बदरू जमा, राजीव शर्मा, देवी चंद बिरला सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गंगेरू में बुनकर जागरूकता शिविर, सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

समाज जागरण कांधला।

क्षेत्र के गांव गंगेरू स्थित क्लस्टर कार्यालय में बुधवार को बुनकर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वस्त्रोद्योग विभाग के मंडलीय अधीक्षक उत्पादन अनिल कुमार दीक्षित ने हथकरघा बुनकरों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी।उन्होंने बताया कि हथकरघा बुनकर घरेलू विद्युत छूट योजना के तहत पात्र बुनकरों को प्रति माह 328 रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष गंगेरू के करीब 130 बुनकर परिवार इस योजना से लाभान्वित हुए थे। इसके अलावा मुख्यमंत्री हथकरघा विकास योजना, बीमा योजना और प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और मिलने वाले लाभों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।अधिकारियों ने बुनकरों से योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए समय रहते ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की। शिविर के दौरान बुनकरों की समस्याएं भी सुनी गईं और उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया।इस अवसर पर श्रवण कुमार, सरवर अंसारी, रफीक अंसारी, सलमान खान, अब्दुल्ला अंसारी समेत बड़ी संख्या में बुनकर मौजूद रहे।

कैशलेस चिकित्सा योजना सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा स्वास्थ्य सुरक्षा कवच : वीरेंद्र सिंह

समाज जागरण
शामली।(फुरकान जंग)

वाराणसी में मुख्यमंत्री की ओर से मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के शुभारंभ के अवसर पर जनपद शामली में दिल्ली रोड स्थित सिटी ग्रीन्स में कैशलेस चिकित्सा योजना, डीबीटी एवं स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि एमएलसी वीरेंद्र सिंह ने भाजपा जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप, जिलाधिकारी आलोक यादव, मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल, जिला विद्यालय निरीक्षक ऐश्वर्या लक्ष्मी जायसवाल तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण सुना गया। इसके बाद एमएलसी वीरेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना सरकारी कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का बड़ा कवच साबित होगी। उन्होंने कहा कि डीबीटी व्यवस्था से यूनिफॉर्म, जूते-मोजे, बैग व अन्य सुविधाओं की धनराशि बिना किसी बिचौलिए के सीधे अभिभावकों के खातों में पहुंच रही है। साथ ही स्कूल चलो अभियान के माध्यम से प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।भाजपा जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप ने कहा कि डबल इंजन सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। जिलाधिकारी आलोक यादव, सीडीओ बृजेन्द्र शुक्ल तथा बीएसए संतोष कुमार ने अभिभावकों से बच्चों का नामांकन परिषदीय विद्यालयों में कराने की अपील की।कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा विभाग के 50 तथा माध्यमिक शिक्षा विभाग के 15 शिक्षकों को कैशलेस कार्ड वितरित किए गए। वहीं डीबीटी के तहत छात्र-छात्राओं को मिलने वाली सहायता राशि के प्रतीकात्मक चेक भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन अनुराग शर्मा एवं पूनम तोमर ने किया।

केसीसी महाअभियान, 23 जुलाई तक बनेंगे किसान क्रेडिट कार्ड

समाज जागरण
शामली।(फुरकान जंग)

खरीफ सीजन और संभावित सूखे की स्थिति को देखते हुए जनपद में किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के अभियान को गति दे दी गई है। अभियान को सफल बनाने के लिए बुधवार को गन्ना समिति भवन में अग्रणी जिला प्रबंधक अनिल कुमार और जिला गन्ना अधिकारी आर. एल. कुशवाहा की मौजूदगी में बैठक आयोजित की गई, जिसमें क्रिसिल फाउंडेशन, बैंक और गन्ना विभाग के अधिकारियों ने रणनीति तैयार की।बैठक में तय किया गया कि 3 जुलाई से 23 जुलाई तक चलने वाले विशेष अभियान के दौरान प्रत्येक पात्र किसान को केसीसी से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए गन्ना विभाग किसानों के रिकॉर्ड का मिलान कर ऐसे किसानों की सूची तैयार करेगा, जिन्होंने अभी तक किसान क्रेडिट कार्ड नहीं बनवाया है। इसके बाद ग्राम पंचायतों और बैंकों में विशेष शिविर लगाकर मौके पर ही आवेदन की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। एलडीएम अनिल कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर अभियान चलाया जा रहा है, ताकि किसानों को समय पर संस्थागत ऋण उपलब्ध हो सके और खेती के लिए आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि क्रिसिल फाउंडेशन की टीम गांव-गांव जाकर किसानों को वित्तीय साक्षरता के साथ किसान क्रेडिट कार्ड के लाभों के प्रति जागरूक करेगी। साथ ही प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना तथा डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इस दौरान कार्यक्रम में दर्जनों अधिकारी मौजूद रहे।

2027 की तैयारी में जुटा रालोद, टीम आरएलडी' गठन पर मंथन

समाज जागरण
शामली।(फुरकान जंग)

विधानसभा चुनाव - 2027 की तैयारियों के तहत राष्ट्रीय लोकदल ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। बुधवार को नगरपालिका परिसर में आयोजित संगठनात्मक बैठक में टीम आरएलडी के गठन, संगठन विस्तार और कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय को लेकर चर्चा हुई।बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष चौधरी वाजिद अली ने की। संचालन टीम आरएलडी के जिला संयोजक डॉ. विक्रांत जावला ने किया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष तरसपाल मलिक रहे।डॉ. विक्रांत जावला ने कहा कि टीम आरएलडी के माध्यम से गांव, वार्ड, बूथ, विधानसभा और जिला स्तर से लेकर केंद्रीय नेतृत्व तक संगठनात्मक गतिविधियों और सूचनाओं का बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही विधानसभा चुनाव-2027 में सफलता का आधार बनेगा। जिलाध्यक्ष चौधरी वाजिद अली ने कार्यकताओं से संगठन विस्तार अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने और जनसंपर्क मजबूत करने का आह्वान किया। क्षेत्रीय अध्यक्ष तरसपाल मलिक ने कहा कि बूथ स्तर तक मजबूत टीम बनने से पार्टी की नीतियां प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचेंगी और संगठन को नई मजबूती मिलेगी।बैठक में पूर्व विधायक राव वारिस, योगेंद्र सिंह चेयरमैन, शायान अली खान, देशराज भनेड़ा, विजय कौशिक, बिजेंद्र मलिक, अरविंद पवार, अनवार चौधरी, हरेंद्र ताना, ओमवीर सिंह, बाबूराम पंवार, सनोज चौधरी, योगेश भभीसा, डॉ. गुलजार, डॉ. सऊद हसन, सरवर अली, एडवोकेट गय्यूर अली सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आमने-सामने भिड़ीं दो बाइकें, दो घायल

समाज जागरण झिंझाना।

थाना क्षेत्र के अलीनगर-आनंदपुर मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। क्षेत्र के गांव अलीनगर निवासी ललित पुत्र पूरन सिंह अपनी बाइक से आनंदपुर की ओर जा रहा था। वहीं, सामने से गांव अहमदगढ़ निवासी 35 वर्षीय धर्मेंद्र पुत्र शेर सिंह अपनी बाइक से आ रहे थे। सुबह करीब नौ बजे अलीनगर-आनंदपुर मार्ग पर दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई।टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में दोनों बाइकों को भी काफी नुकसान पहुंचा। दुर्घटना के बाद दोनों किसी तरह झिंझाना थाने पहुंचे। सूचना पर पुलिस ने तत्काल दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।सीएचसी में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने हादसे की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

शामली को 89,276 बैग यूरिया की खेप, किसानों को नहीं होगी खाद की कमी

समाज जागरण
शामली।(फुरकान जंग)

खरीफ सीजन के बीच किसानों के लिए राहत की खबर है। जनपद को इफको और कृभको की कुल 4017.42 मीट्रिक टन (89,276 बैग) यूरिया की दो नई खेप मिल रही हैं। इनमें कृभको की 1337.40 मीट्रिक टन (29,720 बैग) यूरिया की रैक 8 जुलाई को और इफको की 2680.02 मीट्रिक टन (59,556 बैग) यूरिया की रैक 9 जुलाई की सुबह शामली रैक प्वाइंट पर पहुंचेगी।जिला कृषि विभाग के अनुसार दोनों रैक मिलने के बाद जनपद में यूरिया का कुल उपलब्ध स्टॉक बढ़कर 10082.425 मीट्रिक टन (2,24,054 बैग) हो जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में किसी भी प्रकार के उर्वरक की कोई कमी नहीं है और सभी सहकारी समितियों व गन्ना समितियों पर मांग के अनुसार खाद उपलब्ध कराई जा रही है।किसानों से अपील की गई है कि वे फसल में संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें और अनावश्यक भंडारण से बचें। शासन के निर्देशों के अनुसार प्रति हेक्टेयर अधिकतम पांच बैग डीएपी और सात बैग यूरिया ही वितरित किया जाएगा। इससे अधिक भंडारण करना उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 का उल्लंघन माना जाएगा।कृषि विभाग ने किसानों को एनपीके और एसएसपी उर्वरकों के अधिक उपयोग की भी सलाह दी है, ताकि फसलों के साथ भूमि को सल्फर समेत अन्य आवश्यक पोषक तत्व मिल सकें। वहीं, सभी उर्वरक विक्रेताओं को पीओएस मशीन से बिक्री, कैश मेमो जारी करने और स्टॉक रजिस्टर नियमित अपडेट रखने के निर्देश दिए गए हैं।

बारिश में दृष्टिबाधित युवक के मकान की कच्ची छत गिरी, घरेलू सामान क्षतिग्रस्त

समाज जागरण कैराना।(फुरकान जंग)

क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के बीच गांव बसेड़ा में एक व्यक्ति के मकान की कच्ची छत भरभराकर गिर गई। हादसे के समय कमरे में कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि कमरे में रखा घरेलू सामान क्षतिग्रस्त हो गया। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है। गांव बसेड़ा निवासी 22 वर्षीय दृष्टिबाधित इलियास पुत्र स्वर्गीय इस्ताक अपनी मां दीनी के साथ कच्चे मकान में रहता है। बुधवार को तेज बारिश के दौरान मकान के एक कमरे की कच्ची छत अचा नक ढह गई। छत गिरने से कमरे में रखा घरेलू सामान मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गया। पहले से आर्थिक तंगी झेल रहे परिवार के सामने अब रहने और गुजर-बसर की समस्या भी खड़ी हो गई है।पीड़ित इलियास ने प्रशासन से आर्थिक सहायता दिलाने तथा क्षतिग्रस्त मकान के संबंध में आवश्यक कार्रवाई कर राहत उपलब्ध कराने की मांग की है।तहसीलदार अर्जुन सिंह चौहान ने बताया कि मामले की जांच के लिए संबंधित लेखपाल को मौके पर भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद शासन के नियमानुसार पीड़ित परिवार को राहत उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाएगी।

12 जुलाई को शामली में लगेंगे 15.87 लाख पौधे, डीएम ने तैयारियों की समीक्षा की

समाज जागरण
शामली।(फुरकान जंग)

जनपद में 12 जुलाई को आयोजित होने वाले वृहद वृक्षारोपण महा अभियान की तैयारियों को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में विभागवार पौधारोपण लक्ष्य, पौधों की उपलब्धता, गड्ढों की खुदाई, रोपण स्थलों के चयन और पौधों के संरक्षण की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई।प्रभागीय वनाधिकारी अभिनव राज ने बताया कि इस वर्ष जनपद में कुल 15 लाख 87 हजार 300 पौधे लगाए जाएंगे। इनमें वन विभाग द्वारा 2 लाख 59 हजार तथा अन्य विभागों द्वारा 13 लाख 28 हजार 300 पौधों का रोपण किया जाएगा।जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि अपने-अपने आवंटित स्थलों पर सभी तैयारियां समय से पूरी करें तथा अगले दो दिनों में पौध उठान का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने अभियान के दिन अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, स्वयंसेवी संगठनों, शिक्षण संस्थानों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से इसे जनआंदोलन का रूप देने की बात कही।डीएम ने वन विभाग को प्रतिदिन शाम पौध उठान की रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा कंट्रोल रूम को लगातार सक्रिय रखने के निर्देश दिए। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रत्येक गांव के अमृत सरोवर और पंचायत सचिवालय परिसर में होने वाले वृक्षारोपण के फोटोग्राफ उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही सभी विभागों को अपने स्तर पर भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।बैठक में जिलाधिकारी ने विशेष रूप से खोखरी नदी के किनारे अधिकाधिक पौधारोपण कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बृजेंद्र शुक्ल, प्रभागीय वनाधिकारी अभिनव राज सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

साइबर ठगी के शिकार युवक के 41 हजार रुपये कराए वापस

समाज जागरण

बाबरी।(फुरकान जंग) थाना बाबरी की साइबर हेल्पडेस्क टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के शिकार एक युवक के 41 हजार रुपये वापस कराए हैं। धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक समेत साइबर टीम का आभार जताया। थाना क्षेत्र के कस्बा बाबरी निवासी हितेश कान्त शर्मा पुत्र तुषार कान्त शर्मा ने 11 जून को शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात साइबर ठग ने ऑनलाइन धोखाधड़ी कर उनके खाते से 41 हजार रुपये निकाल लिए हैं। शिकायत मिलते ही थाना बाबरी की साइबर हेल्पडेस्क टीम सक्रिय हो गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संबंधित बैंक और अन्य एजेंसियों से समन्वय स्थापित करते हुए कार्रवाई शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद आठ जुलाई को पीड़ित के पूरे 41 हजार रुपये वापस करा दिए गए। धनराशि खाते में वापस आने पर हितेश कान्त शर्मा ने थाना बाबरी पहुंचकर पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह, उच्च अधिकारियों तथा साइबर हेल्पडेस्क टीम का आभार व्यक्त करते हुए उनकी त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की सराहना की। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति के कहने पर धनराशि ट्रांसफर न करें। निवेश, लॉटरी, केवाईसी अपडेट, पार्ट-टाइम जॉब या अन्य आकर्षक ऑफर के नाम पर आने वाले संदिग्ध कॉल, लिंक, व्हाट्सएप संदेश एवं सोशल मीडिया संदेशों से सतर्क रहें। साइबर ठगी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं।

किशोरी क्लब की स्थापना,छात्राओं को स्वास्थ्य व सुरक्षा का दिया संदेश

समाज जागरण
शामली।(फुरकान जंग)

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बुटराडा स्थित जगवती जगबीर्स गर्ल्स इंटर कॉलेज में किशोरी क्लब की स्थापना की गई। जिलाधिकारी आलोक यादव के निर्देश और जिला प्रोबेशन अधिकारी मोहम्मद मुशफेकीन के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में 125 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के साथ उन्हें खेलों के प्रति प्रेरित करना रहा। छात्राओं को माहवारी स्वच्छता, संतुलित आहार, मानसिक स्वास्थ्य, डिजिटल एवं साइबर सुरक्षा और जीवन कौशल की जानकारी दी गई। स्कूल में पांच-पांच छात्राओं के समूह बनाकर किशोरी क्लब गठित किए गए तथा कैरम, लूडो, शतरंज, हॉकी और वॉलीबॉल सहित खेल सामग्री वितरित की गई।जेंडर स्पेशलिस्ट कुलदीप शर्मा ने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने शिक्षा के साथ खेलों को भी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। सहायक लेखाकार अंकित कुमार ने कन्या सुमंगला, निराश्रित महिला पेंशन, स्पॉन्सरशिप योजना, वन स्टॉप सेंटर और विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी तथा बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलाई।मिशन शक्ति टीम के सब इंस्पेक्टर धर्मपाल सिंह ने महिलाओं की सुरक्षा और शिकायत निस्तारण व्यवस्था की जानकारी दी। वहीं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रतिनिधियों ने महिलाओं के कानूनी अधिकारों और निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य रामपाल सिंह जांगड़ा ने की। इस दौरान महिला कल्याण विभाग, मिशन शक्ति टीम, डीएलएसए और विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

बैंड-बाजों के साथ निकली देव प्रतिमाओं की शोभायात्रा

समाज जागरण
थानाभवन। (फुरकान जंग)

नगर के मोहल्ला छिपियान स्थित कालियो वाले मंदिर में आयोजित पांच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान के तहत बुधवार को श्रीराधा-कृष्ण एवं भगवान लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बैंड-बाजों, ढोल-नगाड़ों और जयघोष के बीच निकली शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।शोभायात्रा से पूर्व आचार्य नवीन शुक्ला के सानिध्य में पंडित आशु शर्मा, पंडित आदित्य शर्मा, पंडित शुभम शर्मा एवं पंडित मोहित शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। इसके बाद श्रीगणेश डोले की सामूहिक आरती के उपरांत शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा टंकी चौक, नई घास मंडी, चौक बाजार, गणपत राय मार्केट, दिल्ली-सहारनपुर रोड, पंचतीर्थी आश्रम और महाराणा प्रताप चौक सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुनः मंदिर परिसर पहुंची। पुष्पमालाओं से सजी बग्गियों में विराजमान देव प्रतिमाएं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं। ढोल-नगाड़ों की धुन पर श्रद्धालु अबीर-गुलाल उड़ाते हुए भक्ति में सराबोर नजर आए। पूरे मार्ग में "राधे-राधे" और "जय माता दी" के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया।नगर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया, जबकि कई स्थानों पर जलपान की व्यवस्था भी की गई। मंदिर समिति के अनुसार बृहस्पतिवार को वैदिक रीति-रिवाज एवं मंत्रोच्चार के साथ भगवान श्रीराधा-कृष्ण और लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी।इस अवसर पर रविंद्र शर्मा, नीरज गर्ग, राकेश कुमार अग्रवाल, नरेश सैनी, विट्ठू प्रजापति, अमित गोयल, गौरव सिंघल, कृष्ण कुमार शर्मा, शिव चरण, आलोक सिंघल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

महाविद्यालय मार्ग पर जलभराव से निजात की मांग

समाज जागरण

कैराना।(फुरकान जंग) एबीवीपी ने विजय सिंह पथिक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मार्ग पर जलभराव से निजात दिलाने की मांग की है। बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नगर इकाई के कार्यकर्ता विजय सिंह पथिक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बाहर एकत्र हुए। उन्होंने

महाविद्यालय तक जाने वाले मार्ग की जर्जर स्थिति और जलभराव पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों तथा स्थानीय लोगों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कार्यकताओं ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी से सड़क की मरम्मत और जलभराव से निजात दिलाने की मांग की है। समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई। इस दौरान नगर मंत्री वंश कुमार, हर्षित सैनी, रोहन, रूपेश, यश, ऋषभ, रोहित आदि मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर एसपी ने दिए सख्त निर्देश

समाज जागरण
शामली।(फुरकान जंग)

पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने पुलिस लाइन सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित कर आगामी कांवड़ यात्रा, कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की समीक्षा की। उन्होंने सभी क्षेत्राधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुचारु याता यात और शांतिपूर्ण व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता रहे।

एसपी ने कांवड़ मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी, ड्रोन व सीसीटीवी से मॉनिटरिंग, अराजक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई तथा डायवर्जन प्लान का प्रभावी पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। साथ ही पार्किंग व्यवस्था, आपातकालीन वाहनों के निर्बाध आवागमन और अतिक्रमण हटाने पर भी जोर दिया। अपराध समीक्षा के दौरान लंबित विवेचनाओं का समयबद्ध निस्तारण, वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी, महिला अपराधों में त्वरित कार्रवाई, साइबर अपराधों की रोकथाम, हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी, रात्रि गश्त, बैंक सुरक्षा और जनसुनवाई के प्रभावी निस्तारण के निर्देश भी दिए गए। बैठक से पूर्व आयोजित सैनिक सम्मेलन में एसपी ने पुलिसकर्मियों की व्यक्तिगत एवं विभागीय समस्याएं सुनकर उनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए तथा आगामी कांवड़ यात्रा और त्योहारों के दौरान अनुशासन, संवेदनशीलता और बेहतर पुलिसिंग के साथ ड्यूटी निभाने का आह्वान किया। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला सहित सभी क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी एवं शाखा प्रभारी मौजूद रहे।

दुकान पर पहुंचकर दी धमकी, केस दर्ज

समाज जागरण

कैराना। नगर के मोहल्ला बेगमपुरा नवीन नगर निवासी सलीम अहमद ने एसपी के आदेश पर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि मोहल्ले के ही दो भाई मारूफ व मती उसकी दुकान पर पहुंचे और उनके नाबालिग पुत्र को जान से मारने की धमकी दी। इस घटना की शिकायत 29 जून को पुलिस से की गई थी। आरोप है कि अगले दिन दोनों आरोपियों के भाई सेफुल्ला व वसीउल्ला ने भी समझौता न करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों ने कार्रवाई से बचने के उद्देश्य से पुलिस को फर्जी समझौता पत्र उपलब्ध कराया। पुलिस ने चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

महानंदा नदी में डूबे इंजीनियरिंग छात्र की तलाश जारी, SDRF चला रही सर्च अभियान

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

8 जुलाई,किशनगंज जिले के गाछपाड़ा स्थित खाड़ीबस्ती राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय के एक बीटेक छात्र की महानंदा नदी में डूब जाने से पूरे कॉलेज परिसर में शोक का माहौल है। घटना बुधवार दोपहर करीब 3:30 बजे की है। समाचार लिखे जाने तक छात्र का शव बरामद नहीं हो सका था और SDRF की टीम लगातार सर्च अभियान चला रही थी।

मिली जानकारी के अनुसार, मृतक छात्र की पहचान साहिल कुमार साहनी (22 वर्ष) के रूप में हुई है। वह पटना जिले के बिहटा निवासी हृदय कुमार के पुत्र थे। साहिल राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, खाड़ीबस्ती में बीटेक के छात्र थे और कॉलेज के छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहे थे।

बताया जाता है कि बुधवार को साहिल अपने पांच दोस्तों के साथ कॉलेज के समीप बह रही महानंदा नदी में स्नान करने गए थे। स्नान के दौरान वह अनजाने में गहरे पानी में चले गए और तेज बहाव की चपेट में आकर डूब गए। साथियों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी और वह नदी में लापता हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, जिला प्रशासन और कॉलेज प्रशासन मौके पर पहुंचे। इसके बाद SDRF की टीम को बुलाया गया, जिसने नदी में व्यापक स्तर पर सर्च अभियान शुरू किया। हालांकि, नदी का जलस्तर बढ़ा होने और तेज धारा के कारण खोज अभियान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

इस दुखद घटना से महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से नदी किनारे चेतावनी बोर्ड लगाने, संवेदनशील घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा नियमित गश्त की व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है, जबकि SDRF की टीम छात्र की तलाश के लिए लगातार अभियान चला रही है।

मोती बाग में सार्वजनिक शिव मंदिर निर्माण का शुभारंभ, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन संपन्न

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो, किशनगंज।

8 जुलाई। किशनगंज नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या-7 स्थित मोती बाग में वर्षों से प्रस्तावित सार्वजनिक शिव मंदिर निर्माण कार्य का शुभारंभ बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भूमि पूजन किया गया। वार्ड वासियों की वर्षों पुरानी आस्था, विश्वास एवं मांग को साकार करने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मोती बाग काली मंदिर परिसर में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम का नेतृत्व वार्ड पार्षद प्रतिनिधि सह भाजपा नगर अध्यक्ष अरविंद मंडल ने किया। मंदिर के पुजारी बिरजू झा ने वैदिक रीति-रिवाज के अनुसार विधिवत पूजा-अर्चना एवं भूमि पूजन संपन्न कराया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ से मंदिर निर्माण कार्य के निर्विघ्न एवं शीघ्र पूर्ण होने की प्रार्थना की। मंदिर निर्माण की इस पहल में इंदर चौहान का विशेष योगदान रहा।

इस अवसर पर अरविंद मंडल ने कहा कि मोती बाग में सार्वजनिक शिव मंदिर का निर्माण क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी आस्था, विश्वास एवं मांग का परिणाम है। उन्होंने बताया कि मंदिर का निर्माण पूरी तरह जनसहयोग एवं जनभागीदारी से कराया जाएगा। उन्होंने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों एवं वार्डवासियों से तन, मन एवं धन से सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से शीघ्र ही यहां एक भव्य, सुंदर एवं आकर्षक सार्वजनिक शिव मंदिर का निर्माण पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि जनसहयोग से बनने वाला यह सार्वजनिक शिव मंदिर आने वाले समय में मोती बाग की धार्मिक पहचान के रूप में स्थापित होगा।

भूमि पूजन समारोह में इंदर चौहान, मुन्ना चौहान, संजय चौहान, रंजीत चौहान, कुंदन राजभर, नूनू झा, कमलेश कुमार, शिवसागर महतो, मनीष कुमार, दिलीप राम, अंजलि विश्वास, उमा देवी, अंजली देवी एवं रीता देवी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय महिला एवं पुरुष श्रद्धालु उपस्थित थे। सभी श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का अभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर मंदिर निर्माण कार्य की सफलता तथा क्षेत्र के सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर "हर-हर महादेव" के जयघोष से गुंजायमान रहा और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

108.750 लीटर विदेशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार, कार जब्त

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

जिले में शराब तस्करी के खिलाफ उत्पाद विभाग का विशेष अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में उत्पाद विभाग की टीम ने देवी चौक के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कार से 108.750 लीटर विदेशी शराब बरामद की। मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि तस्करी में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया गया।

उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक भोले शंकर कुमार के नेतृत्व में चलाए गए जांच अभियान के दौरान देवी चौक पर आने-जाने वाले वाहनों की गहन जांच की जा रही थी। इसी दौरान संदेह के आधार पर एक कार को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार में छिपाकर रखी गई कुल 108.750 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। इसके बाद कार में सवार ओम प्रकाश गुप्ता को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। बरामद शराब और कार को जब्त कर उत्पाद विभाग के कब्जे में ले लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सदर अस्पताल ले जाकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। मेडिकल जांच के उपरांत आरोपी के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

उत्पाद विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में शराब की तस्करी पर पूरी तरह अंकुश लगाने के उद्देश्य से लगातार वाहन जांच एवं छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। विभाग ने स्पष्ट किया कि शराब तस्करी में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे लोगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

मोबाइल छिनतई कांड का पुलिस ने किया उद्भेदन, दो आरोपी गिरफ्तार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

शहर में हुई मोबाइल छिनतई की घटना का किशनगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सफल उद्भेदन कर लिया है। पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर छिनतई किया गया मोबाइल फोन, एक एटीएम कार्ड तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है।

पुलिस के अनुसार, 7 जुलाई 2026 को रामू पासवान, पिता स्वर्गीय सकलदेव पासवान, निवासी ढेकसारा, थाना किशनगंज द्वारा लिखित आवेदन दिया गया था। आवेदन के आधार पर किशनगंज थाना कांड संख्या 747/2026 दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उनकी पुत्री 7 जुलाई की शाम लगभग चार बजे मोबाइल पर बात करते हुए कोचिंग के लिए जा रही थी। इसी दौरान पीछे से मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाश आए और झपट्टा मारकर उसका मोबाइल छीन लिया। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी तेज रफ्तार से मौके से फरार हो गए।

घटना की गंभीरता को देखते हुए किशनगंज थाना पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। अनुसंधान के दौरान तकनीकी साक्ष्यों एवं विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया गया। इसके आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उनकी निशानदेही पर छिनतई किया गया मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद समीर उर्फ मोहम्मद सनीर (20 वर्ष), पिता शकील अहमद, निवासी चुड़ीपट्टी कागजिया बस्ती, थाना किशनगंज तथा सगीर अंसारी (19 वर्ष), पिता मोहम्मद वशीम, निवासी चुड़ीपट्टी कागजिया बस्ती, थाना किशनगंज के रूप में हुई है।

स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता : डीएम

सदर अस्पताल का सघन निरीक्षण, मरीजों से सीधे संवाद कर जानी स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

8 जुलाई। सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और मरीज-केंद्रित बनाने की दिशा में जिला प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में बुधवार को जिला पदाधिकारी नवीन कुमार ने सदर अस्पताल, किशनगंज का व्यापक एवं सघन निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न विभागों का भ्रमण कर स्वच्छता, संसाधनों की उपलब्धता, चिकित्सकों की उपस्थिति तथा उपचार व्यवस्था की समीक्षा की। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक, चिकित्सक एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू), डायलिसिस यूनिट, ब्लड बैंक, पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी), दीदी की रसोई, बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी), विभिन्न वार्डों, दवा वितरण केंद्र, जांच प्रयोगशाला, औषधि भंडारण कक्ष तथा अन्य महत्वपूर्ण इकाइयों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने सभी विभागों में साफ-सफाई, चिकित्सा उपकरणों की कार्यशीलता, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं तथा सेवा संचालन की गुणवत्ता का विस्तार से आकलन किया। डीएम ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति, ड्यूटी रोस्टर, जांच सेवाओं, दवा वितरण व्यवस्था, रिकॉर्ड संधारण तथा औषधियों के सुरक्षित भंडारण की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी स्वास्थ्य सेवाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित हों तथा किसी भी मरीज को इलाज, दवा या जांच के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े।

निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी विभिन्न वार्डों में पहुंचे और इलाजरत मरीजों एवं उनके परिजनों से सीधे बातचीत कर अस्पताल की व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने उपचार की गुणवत्ता, चिकित्सकों की नियमित विजिट, दवाओं की उपलब्धता, जांच सुविधाओं, भोजन व्यवस्था और अस्पताल के समग्र वातावरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मरीजों की समस्याएं सुनने के बाद उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा अस्पताल आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के साथ संवेदनशील, सम्मानजनक और सहयोगपूर्ण व्यवहार किया जाए।

निरीक्षण के उपरांत जिला पदाधिकारी नवीन कुमार ने कहा कि सरकारी अस्पताल आमजन के विश्वास का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र हैं। यहां आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार, आवश्यक दवाएं, जांच सुविधाएं तथा सरकार द्वारा संचालित सभी स्वास्थ्य सेवाएं सहज रूप से उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। अस्पताल में स्वच्छता, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की नियमित उपस्थिति, दवा एवं जांच सेवाओं की उपलब्धता, रिकॉर्ड संधारण तथा मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया है। निरीक्षण के दौरान दिए गए सभी निदेर्शों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।

डीएम ने सिविल सर्जन एवं सदर अस्पताल के उपाधीक्षक को अस्पताल की प्रत्येक इकाई की नियमित मॉनिटरिंग करने, आवश्यक संसाधनों की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में संचालित विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी बल दिया, ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभार्थी इन योजनाओं का लाभ उठा सकें।

जिला पदाधिकारी ने आम नागरिकों से सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि अस्पताल में किसी प्रकार की असुविधा, शिकायत या सुझाव हो तो उसकी जानकारी तत्काल अस्पताल प्रबंधन अथवा स्वास्थ्य विभाग को दें। नागरिकों की सहभागिता और प्रशासन की सतत निगरानी से ही स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं जनहितैषी बनाया जा सकता है।

तिरुलडीह में रामन्या प्रतिभा छात्रवृत्ति परीक्षा के 250 मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

समाज जागरण

कुकडू: कुकडू प्रखंड के तिरुलडीह पंचायत भवन में बुधवार को रामन्या फाउंडेशन की ओर से रामन्या प्रतिभा छात्रवृत्ति परीक्षा का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में सरायकेला-खरसावां जिले के विभिन्न प्रखंडों के करीब 250 सफल छात्र-छात्राओं को मोबाइल टैबलेट, छात्रवृत्ति राशि, सम्मान पत्र तथा एक वर्ष की निःशुल्क ऑनलाइन शिक्षा का लाभ प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक साव, प्रमुख प्रतिमा सिंह पातर एवं उपप्रमुख एकराम अंसारी उपस्थित थे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।फाउंडेशन के निदेशक राम सिंह ने कहा कि संस्था का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभावान विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के सफल संचालन में राजकिशोर भगत, लखन महतो, अमरनाथ पांडेय, शंभू कुमार, जितेंद्र कुमार सहित फाउंडेशन की टीम का योगदान रहा।

एसआईआर के तहत बीडीओ सह सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी अभिनव कुमार ने डिजिटाइजेशन कार्यों का लिया जायजा

समाज जागरण

गोड्डा मेहरमा बिशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची को अधतन, शुद्ध, त्रुटिरहित व समावेशी बनाने का कार्य प्रखंड में युद्ध स्तर पर जारी है। इस दौरान बीएलओ, वॉलिंटियर्स व अन्य द्वारा मतदाताओं के घर-घर पहुंचकर गणना प्रपत्रों का वितरण एवं संग्रहण कार्य किया जा रहा है।इस दौरान बीडीओ सह सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी अभिनव कुमार ने बुधवार को प्रखंड के मतदान केन्द्र संख्या एक से 20 तक का घूम-घूम कर जायजा लिया। इस दौरान बीडीओ ने बीएलओ से कई प्रकार की जानकारी ली साथ हीं अभियान की सफलता को लेकर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए अभियानकी गति और तेज करने का सुझाव दिया। कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रत्येक पात्र मतदाता तक गणना प्रपत्र समय पर पहुंचे और भरे हुए प्रपत्र निर्धारित समय सीमा के अंदर प्राप्त किया जाए। उन परिवारों एवं मतदाताओं पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई, जिससे अब तक संपर्क स्थापित नहीं हो पाया है। निरीक्षण के क्रम में गणना प्रपत्रों के साथ संलग्न आवश्यक दस्तावेजों की उपलब्धताएं उनकी प्रारंभिक जांच तथा अभिलेखों के सत्यापन की प्रक्रिया की भी जांच की गई। अधिकारियों ने कहा कि योग्य छूट नहीं और अयोग्य जुटे नहीं इस पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया गया। कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य बीते 30 जून से जारी है जो आगामी 29 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान बीएलओ के द्वारा वर्ष 2003 के एसआईआर से मैपिंग करते हुए उससे उसका मिलान करना है। यदि उस मतदाता का नाम उस समय नहीं था तो उसके माता-पिता के आधार पर उसका प्रपत्र भरा जाएगा।यदि था तो स्वयं फॉर्म भरेंगे यानी मैपिंग करेंगे। निरीक्षण के दौरान बीडीओ अभिनव कुमार ने घर-घर पहुंचकर गणना प्रपत्र वितरण कर रही बनौधा मतदान केंद्र संख्या 13 की बीएलओ मिला कुमारी से अपना गणना प्रपत्र प्राप्त किया। तथा अभियानकी सफलता को लेकरउन्हें आवश्यकदिशा-निर्देश दिया। इस अवसर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी दीपक कुमार साह, वॉलिंटियर्स नवल किशोर शर्मा सहित कई गणमान्य मौजूद थे।

पुलिस छापेमारी के दौरान देशी और अंग्रेजी शराब बरामद, 1 गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नबीनगर प्रखंड के एनटीपीसी खैरा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर भारी मात्रा में देशी और अंग्रेजी शराब बरामद की है। इस दौरान एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया।थानाध्यक्ष ने बताया कि गुप्त सूचना पर पुलिस टीम ने एनटीपीसी खैरा थानांतर्गत ग्राम अंकोरहा में छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस ने 60 लीटर देशी शराब और 12 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने शराब के साथ 1 अभियुक्त को भी गिरफ्तार किया है।अभियुक्त की पहचान सचिन कुमार है। वही एक अभियुक्त कुंदन कुमार उर्फ टिमल मौके से फरार हो गया।पुलिस ने बरामद शराब को जब्त कर बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में शराब तस्करी और बिक्री पर रोक लगाने के लिए लगातार छापेमारी अभियान जारी रहेगा।

पटना के फतुहा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

भारी मात्रा में गांजा और 277 बोतल विदेशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के फतुहा प्रखंड के नदी थाना क्षेत्र में पुलिस ने विशेष समकालीन अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा और विदेशी शराब के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका भाई मौके से भागने में सफल रहा। बरामद शराब की कुल मात्रा 64.605 लीटर बताई गई है। फतुहा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) अवधेश कुमार ने बताया कि 7 जुलाई 2026 को नदी थाना पुलिस सिक्स लेन पुल के नीचे एक गुमटी की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने 33 वर्षीय सुनील कुमार (निवासी बांसतल) को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से 1 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिसिया पूछताछ में सुनील ने अपने अवैध कारोबार का खुलासा करते हुए बताया कि वह अपने बड़े भाई रंजीत कुमार के साथ मिलकर काफी समय से शराब का अवैध धंधा चला रहा है। सुनील की निशानदेही पर नदी थाना पुलिस ने उसके घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने घर से अलग-अलग ब्रांड की 277 बोतल विदेशी शराब बरामद की। शातिरों ने शराब को ठंडा रखने और सुरक्षित छिपाने के लिए एक आईएफबी (IFB) कंपनी के फ्रीज का इस्तेमाल किया था। हालांकि, पुलिस के पहुँचने की आहट मिलते ही मुख्य आरोपी रंजीत कुमार घर से फरार हो गया। पुलिस ने बरामद शराब और गांजा को जब्त कर लिया है। एसडीपीओ ने बताया कि इस मामले में नदी थाने में अलग-अलग धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। फरार आरोपी रंजीत की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। इस सफल अभियान में नदी थानाध्यक्ष सद्दाम हुसैन के नेतृत्व में पुलिस बल के जवान शामिल थे। फतुहा अनुमंडल में शराब और मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे इस अभियान ने अवैध धंधेबाजों में हड़कंप मचा दिया है। पुलिस का कहना है कि नशा कारोबारियों के खिलाफ आगे भी यह कार्रवाई जारी रहेगी।

चीनी सप्लाई के नाम पर 3 करोड़ की ठगी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी पटना में व्यापारिक धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। कर्नाटक के एक चीनी कारोबारी को तीन करोड़ रुपये का चूना लगाने वाले जालसाज की तलाश में कर्नाटक पुलिस पटना पहुंची। आरोपी के मौर्या लोक कॉम्प्लेक्स स्थित कार्यालय पर छापेमारी की गई, लेकिन आरोपी पहले ही फरार होने में कामयाब रहा। मिली जानकारी के अनुसार, कर्नाटक के कारोबारी का पटना के मौर्या लोक कॉम्प्लेक्स स्थित एक व्यापारी से पुराना व्यावसायिक संबंध था। इससे पहले भी आरोपी ने चीनी की आपूर्ति सफलतापूर्वक की थी, जिसके चलते कारोबारी का उस पर अटूट भरोसा था। इसी विश्वास का फायदा उठाते हुए आरोपी ने इस बार चीनी सप्लाई के नाम पर कारोबारी से अग्रिम राशि के रूप में तीन करोड़ रुपये की बड़ी रकम ले ली। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब चीनी की खेप नहीं पहुंची, तो कर्नाटक के कारोबारी ने आरोपी से संपर्क साधने की कोशिश की, लेकिन वह टालमटोल करने लगा। अंततः खुद को ठगा महसूस करने के बाद कारोबारी ने कर्नाटक के स्थानीय थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कर्नाटक पुलिस की एक टीम जांच और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पटना पहुंची।

पटना में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की इंस्टाग्राम पर बनाई फेक आईडी, अश्लील फोटो-वीडियो वायरल कर किया ब्लैकमेल

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के कंकड़बाग थाना क्षेत्र से साइबर बुलिंग और ब्लैकमेलिंग का एक अत्यंत शर्मनाक और गंभीर मामला सामने आया है। यहां नीट (NEET) की तैयारी कर रही एक छात्रा को अज्ञात मनचले ने निशाना बनाते हुए उसकी फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बना दी और उस पर अश्लील फोटो व वीडियो पोस्ट कर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। पीड़ित छात्रा कंकड़बाग के सचिवालय कॉलोनी में किराए के मकान में रहकर मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि किसी अज्ञात अपराधी ने छात्रा के नाम और फोटो का इस्तेमाल कर इंस्टाग्राम पर एक फर्जी प्रोफाइल बनाई है। आरोपी इस अकाउंट के जरिए लगातार आपत्तिजनक फोटो, एडिट किए गए वीडियो और भद्दे मैसेज वायरल कर रहा है। इसका मकसद छात्रा की सामाजिक प्रतिष्ठा को धूमिल करना और उसे मानसिक रूप से तोड़ना है। इस घिनौनी करतूत के कारण छात्रा गहरे सदमे में है। मानसिक प्रताड़ना का असर उसकी पढ़ाई पर भी पड़ रहा है। परिजनों का कहना है कि उनकी भतीजी का भविष्य दांव पर लगा है और पूरा परिवार इस समय भारी डर और तनाव के साये में जीने को मजबूर है। आरोपी की धमकियों और सोशल मीडिया पर हो रही इस बदनामी ने परिवार को झकझोर कर रख दिया है। पीड़ित परिवार ने कंकड़बाग थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपी के फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट का लिंक भी पुलिस को सौंपा है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन और साइबर सेल से गुहार लगाई है कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू की जाए। साथ ही, फर्जी आईडी को ब्लॉक करवाकर आरोपी की पहचान की जाए और उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि छात्रा को न्याय मिल सके। फिलहाल, पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले को साइबर सेल के पास भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि तकनीकी जांच के जरिए आरोपी के आईपी एड्रेस (IP Address) और लोकेशन का पता लगाया जा रहा है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने 15 लाभार्थियों को दिया कैशलेस चिकित्सा कार्ड

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी।। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के 12 प्रधानाचार्यों/प्रधानाध्यापकों का सम्मान किया। स्वच्छ व हरित योजना के तहत स्वच्छता, शुद्ध पेयजल, शौचालय, हाथ धुलाई, रखरखाव बेहतर विद्यालयीय वातावरण विकसित करने के उत्कृष्ट प्रयासों के लिए यह विद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर चयनित किए गए हैं।

सीएम ने बच्चों से किया संवाद, बढ़ाया उत्साह

मंच पर पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री ने परिषदीय स्कूलों के बच्चों से संवाद किया। उनका नाम जाना और प्रदर्शनी में उनके द्वारा लगाए गए विभिन्न मॉडलों का अवलोकन किया। मॉडल से जुड़ी जानकारी ली और बच्चों की जिज्ञासाओं के बारे में भी जाना। मुख्यमंत्री ने दिव्यांग बच्चों की भी हौसला अफजाई की। सीएम ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया और उन्हें चॉकलेट भी प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने मंच से भी बच्चों की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी में बच्चों के मॉडल की मंच से की सराहना

सीएम योगी ने प्रदर्शनी में बच्चों के उत्साह की सराहना की। कहा कि निपुण भारत अभियान के तहत कक्षा-3 के बच्चे वाक्य बनाने और पढ़ने में निपुण दिख रहे थे। उनकी भाषा, अंकगणित के ज्ञान की सराहना की। सीएम ने कहाकि पीएम मोदी का विजन है कि निपुण भारत अभियान में हर बच्चे को उसके क्षेत्र में योग्य व पारंगत बना सकें क्योंकि सशक्त भवन सुदृढ़ नींव पर ही तैयार हो सकता है।

एसबीआई व शिक्षा विभाग ने आदान-प्रदान किया एमओयू

मुख्यमंत्री के समक्ष सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत बेसिक माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पार्थसारथी सेन शर्मा व भारतीय स्टेट बैंक लखनऊ सर्किल के सीजेएम दीपेश राज ने एमओयू का आदान-प्रदान किया।

मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित होने वाले प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक

1- संभल- प्राथमिक विद्यालय इटैला माफी कपिल कुमार मलिक

2- पीलीभीत- प्राथमिक विद्यालय चोखापुरी मनीष कुमार

3- चित्रकूट - पूर्व माध्यमिक विद्यालय गढ़छापा हरिशंकर त्रिपाठी

4- बरेली प्राथमिक विद्यालय सहजनी राजीव सिंह

5- बदायूं - कंपोजिट विद्यालय आमगांव संगीता शर्मा

6- रायबरेली - प्राथमिक विद्यालय दौतरा आशीष प्रताप सिंह

7- सहारनपुर - उच्च प्राथमिक विद्यालय लबडौला कुतुबपुर संजीव कुमार

8- श्रावस्ती - कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय हरिहरपुर रानी कैसर जहां

9- जालौन - कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कोंच वंदना वर्मा

10- प्रयागराज - एयरफोर्स स्कूल मनौरी जावेद खान

11- वाराणसी - जवाहर नवोदय विद्यालय गजोखर नागेश कुमार मिश्र

12- मेरठ - दयावती मोदी एकेडमी डॉ. ऋतु दीवान

मुख्यमंत्री ने 15 लाभार्थियों को दिया कैशलेस चिकित्सा कार्ड

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना के 15 लाभार्थियों को चिकित्सा कार्ड प्रदान किया। इनमें एक ही परिवार के चार लोग हैं।

बेसिक शिक्षा विभाग

1- सारिका साकोरिकर सहायक अध्यापक (प्राथमिक विद्यालय डुमरी, काशी विद्यापीठ)

2- अरविंद सिंह (कंपोजिट विद्यालय अइली, चिरईगांव वाराणसी)

3- शिक्षामित्र कुसुम देवी (प्राथमिक विद्यालय परिजनपुर, आराजी लाइन वाराणसी)

4- अनुराधा कुशवाहा (पूर्व माध्यमिक विद्यालय मुर्दहा, हरहुआ)

5- सोनी रसोइया (प्राथमिक विद्यालय दशनीपुर, हरहुआ)

6- कल्पना (पूर्णकालिक शिक्षिका, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, शिवपुरी, नगर क्षेत्र, वाराणसी)

माध्यमिक शिक्षा

7- शालिनी कुमारी, सहायक अध्यापक (निवेदिता शिक्षा सदन बालिका इंटर कॉलेज, महमूरगंज)

8- दीपक पटेल, सहायक अध्यापक (श्री अंबिका प्रसाद सिंह इंटर कॉलेज, भैरवनाथ)

9- नीरज कुमार, प्रवक्ता (प्रवक्ता, सुभद्रा कुमारी इंटर कॉलेज, बसनी)

10- सरफुद्दीन, सहायक अध्यापक (ए.ओ. मुस्लिम इंटर कॉलेज, लल्लापुरा)

11- आशुतोष मिश्र (श्री अन्नपूर्णा ब्रह्मचर्य ऋषिकुल आश्रम संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवपुर)

शिक्षक के परिवार के चार सदस्यों को दिया चिकित्सा कार्ड

पारिवारिक लाभ का प्रतीकात्मक संदेश देने के लिए सहायक अध्यापक नरेंद्र कुमार मौर्य (प्राथमिक विद्यालय जाल्हूपुर प्रथम, चिरईगांव) के परिवार का भी चयन किया गया। सीएम ने नरेंद्र मौर्या, उनकी धर्मपत्नी राजकुमारी मौर्या, पिता सुरेश कुमार मौर्य, माता राजेश्वरी मौर्या को भी कैशलेस चिकित्सा कार्ड प्रदान किया।

हरहुआ रिंग रोड चौराहे पर तेज रफ्तार थार ने ऑटो को मारी टक्कर, चालक गंभीर

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। बड़ागांव थाना क्षेत्र के हरहुआ रिंग रोड चौराहे पर मंगलवार देर रात तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। संदहा की ओर से आ रही एक अनियंत्रित थार ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि ऑटो करीब 10 मीटर तक सड़क पर घिसटता चला गया। दुर्घटना में ऑटो चालक और उसमें सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं हादसे के बाद थार सवार वाहन समेत मौके से फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार कपसेठी थाना क्षेत्र के तक्खू की बऊली निवासी सेवचंद पटेल मंगलवार रात ऑटो से जगतगंज निवासी सुषमा को उनके घर छोड़ने जा रहे थे। सुषमा पेशे से ब्यूटीशियन हैं और एक शादी समारोह में श्रृंगार का कार्य करने के बाद रिजर्व ऑटो से घर लौट रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जैसे ही ऑटो हरहुआ रिंग रोड चौराहे पर पहुंचा, तभी तेज गति से आ रही थार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ऑटो के परखच्चे उड़ गए। महिला सुषमा ऑटो के नीचे दब गईं, जबकि चालक सेवचंद पटेल गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई, लेकिन काफी देर तक न तो एंबुलेंस पहुंची और न ही कोई अन्य वाहन उपलब्ध हो सका।

इसी बीच पास की मुस्लिम बस्ती निवासी ट्रॉली चालक मेहंदी शाह ने मानवता का परिचय देते हुए दोनों घायलों को अपनी ट्रॉली पर लादकर हरहुआ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। स्थानीय लोगों ने उनके इस कार्य की सराहना की। लोगों का कहना था कि समय रहते अस्पताल पहुंचाने से घायलों को तत्काल उपचार मिल सका। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों के अनुसार सुषमा के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि ऑटो चालक के सिर में गहरी चोट लगी है। दोनों की हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें पंडित दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल रेफर कर दिया गया।

सूचना मिलने पर पहुंची बड़ागांव पुलिस ने क्षतिग्रस्त ऑटो को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से फरार थार और उसके चालक की पहचान करने में जुटी है। वहीं हादसे के बाद समय पर एंबुलेंस न पहुंचने को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली।

बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, खाते से रुपये निकालकर हड़पने का आरोप

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी ।फूलपुर थाना क्षेत्र के परसहनी गांव में रिश्तेदारी में रह रहे 70 वर्षीय बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने बैंक खाते से करीब साढ़े चार लाख रुपये निकालने और हत्या का आरोप लगाया है।

जौनपुर के लाइन बाजार निवासी मन्नालाल पटेल पिछले पांच माह से अपनी दिवंगत बहन के परिवार के साथ परसहनी गांव में रह रहे थे। बुधवार सुबह उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भतीजे शिवचरन पटेल का आरोप है कि बहन के बेटे प्रेम पटेल ने मन्नालाल के बैंक खाते से करीब साढ़े चार लाख रुपये निकाल लिए और उनकी हत्या कर दी।

वहीं, प्रेम पटेल ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि मन्नालाल रात में भोजन करने के बाद सो गए थे। सुबह जगाने पर उनकी मौत की जानकारी हुई। उनका कहना है कि मामा पहले से बीमार थे और बीमारी के कारण उनका निधन हुआ। हल्का प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा।

डम्पी तिवारी "बाबा" की पहल पर दिव्यांग बच्ची को मिली ट्राईसाइकिल

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। जिले के थाना लालपुर पांडेयपुर क्षेत्र में एक सराहनीय सामाजिक पहल के तहत दिव्यांग बच्ची को ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई गई। मिशन समाजसेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डम्पी तिवारी "बाबा" के आवास पर आयोजित इस सेवा पहल के दौरान एडीसीपी महिला अपराध नम्रता श्रीवास्तव तथा थाना लालपुर-पांडेयपुर के प्रभारी निरीक्षक अतुल कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ उपस्थित रहे।

इस दौरान दिव्यांग बच्ची को ट्राईसाइकिल प्रदान की गई,जिससे उसके दैनिक आवागमन और सामान्य जीवन को अधिक सहज बनाने में सहायता मिलेगी।ट्राईसाइकिल मिलने के बाद परिजनों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी।परिजनों ने इस सहयोग के लिए मिशन समाजसेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डम्पी तिवारी "बाबा" तथा वाराणसी पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहायता उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इससे बच्ची को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में नई प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर मौजूद अधिकारियों ने कहा कि समाज के जरूरतमंद और दिव्यांग लोगों की सहायता करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।पुलिस और सामाजिक संगठनों के समन्वय से इस प्रकार के मानवीय प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं तथा जरूरतमंद लोगों के जीवन में नई उम्मीद जगाते हैं। बताते चले पिछले कई सालों से डंपी तिवारी बाबा गरीब और जरूरतमंद लोगों की सेवा कार्य करते आ रहे है।

मौजूद लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक प्रयासों से मानवता और सेवा की भावना को मजबूती मिलती है तथा समाज में सहयोग और संवेदनशीलता का वातावरण विकसित होता है।

वृक्षारोपण अभियान मे सभी सचिव बढ़ चढ़कर भाग लें: सुरेंद्र कुमार मौर्य

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। आगामी 12 जुलाई को होने वाले वृक्षारोपण महायज्ञ के लिये जनपद के सहकारिता विभाग ने कमर कस ली है।आठ विकासखंडो और सहकारी संस्थाओ के लिए 4100 पौधारोपण के लक्ष्य को पूरा करने के संकल्प के बीच आज पिंडरा सेवापुरी और हरहुआ विकासखंडो के बीपैक्स सचिवो ने सरकारी पौधशालाओ से पौधो का उठान कर लिया।

सहायक आयुक्त एवंसहायकनिबंधक सहकारिता सुरेंद्र कुमार मौर्य ने सभी बीपैक्स सचिवों को निर्देश दिए है कि धुरंधर गुरुवार तक शतप्रतिशत बीपैक्स अपने लक्ष्य के अनुरूप पौधो का उठान सुनिश्चित करें। इसमे कोई भी ढिलाई क्षम्य नहीं है। सहायक आयुक्त ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान की थीम "एक पेड़ माँ के नाम" है।अतः इस कार्य को पुनीत कार्य समझ कर पूरे सेवाभाव से संपन्न करें। उल्लेखनीय है कि सहकारिता विभाग द्वारा सभी बीपैक्स के अतिरिक्त जिलासहकारीबैंक, जिलासहकारीफेडरेशन, पीसीएफ, क्रय विक्रय समेत सभी सहकारी संस्थाओ को पौधारोपण का लक्ष्य दिया गया है।

शिक्षकों को मिला कैशलेश चिकित्सा कार्ड

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के तहत बुधवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र मंगारी मे विकास खंड पिंडरा और बड़ागाँव के शिक्षक, शिक्षा मित्र , अनुदेशक, रसोइया को उपजिलाधिकारी पिंडरा प्रतिभा मिश्रा द्वारा कैशलेस चिकित्सा कार्ड का वितरण किया गया। जिसमे पिंडरा व बड़ागाँव ब्लॉक के एक दर्जन शिक्षकों को कार्ड वितरण कर शुभारम्भ किया गया।

इस दौरान कार्ड वितरण कार्यक्रम में एआरपी अजय कुमार , अखिलेश सिंह , सहायक लेखा जितेंद्र सिंह, ब्लॉक गुणवत्ता समन्वयक विशाल सेठ, सुशील कुमार, विपिन पांडेय समेत शिक्षक उपस्थित रहे।

निगोहां थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी को भावभीनी विदाई, 31 माह के कार्यकाल को किया गया याद

विवेक कुमार समाज जागरण संवाददाता

निगोहा थाने पर करीब 31 माह तक की कमान संभालने वाले थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी का तबादला लखनऊ के मदेयगंज थाने में होने पर बुधवार को थाना परिसर का माहौल भावुक हो गया। विदाई समारोह में पुलिस अधिकारियों, उपनिरीक्षकों, जवानों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं और क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों ने उन्हें पुष्पगुच्छ व स्मृति-चिह्न भेंट कर भावभीनी विदाई दी। इस दौरान कई पुलिसकर्मियों की आंखें नम दिखाई दीं।अनुज कुमार तिवारी ने नवंबर 2023 में निगोहां थाने का कार्यभार संभाला था। अपने लगभग 31 माह के कार्यकाल में उन्होंने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई करने तथा आमजन में सुरक्षा का विश्वास कायम करने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। उनकी कार्यशैली सख्त लेकिन संवेदनशील रही, जिसके कारण वे पुलिस महकमे के साथ-साथ क्षेत्र की जनता के बीच भी काफी लोकप्रिय रहे।अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने अपराध और अपराधियों पर लगातार शिकंजा कसते हुए कई वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित कराई। महिला सुरक्षा, रात्रि गश्त, अवैध गतिविधियों पर अंकुश, फरियादियों की समस्याओं का त्वरित समाधान तथा पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाने की दिशा में उन्होंने विशेष पहल की। थाना दिवस और जनसुनवाई में आने वाले लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुनना और उनका निष्पक्ष निस्तारण कराना उनकी कार्यशैली की पहचान बन गया।क्षेत्र के लोगों का कहना है कि अनुज कुमार तिवारी केवल एक थाना प्रभारी नहीं, बल्कि जनता के सुख-दुख में साथ खड़े रहने वाले अधिकारी के रूप में पहचाने गए। सड़क दुर्घटना हो, किसी गरीब परिवार की मदद का मामला हो, आपसी विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाना हो या रात में किसी जरूरतमंद की सहायता–उन्होंने हर परिस्थिति में मानवीय संवेदनाओं के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई। इसी कारण उन्होंने आम जनता के दिलों में विशेष स्थान बनाया।विदाई समारोह में मौजूद पुलिसकर्मियों ने कहा कि अनुज कुमार तिवारी के नेतृत्व में टीम भावना के साथ कार्य करने का अवसर मिला। उन्होंने हमेशा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया और हर कठिन परिस्थिति में उनका मार्गदर्शन किया। वहीं सामाजिक कार्यकताओं और क्षेत्रवासियों ने कहा कि उनके स्थानांतरण से निगोहां ने एक कर्मठ, ईमानदार और जनहितैषी पुलिस अधिकारी को विदा किया है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने अनुज कुमार तिवारी के उज्ज्वल भविष्य और नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन की शुभकामनाएं दीं। वहीं अनुज कुमार तिवारी ने भी निगोहां की जनता, जनप्रतिनिधियों और पुलिस टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें यहां जो सहयोग, सम्मान और अपनापन मिला, उसे वह हमेशा याद रखेंगे।

भारतीय किसान संघ की एक दिवसीय बैठक संपन्न संगठन को मजबूती करने का दिया निर्देश

समाज जागरण

राजगढ़ मीरजापुर /भारतीय किसान संघ उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिला की बैठक बिकास खंड राजगढ़ के छितमपुर गांव मे में आशा राम मिश्रा के आवास पर संपन्न हुई। भारतीय किसान संघ के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष भैया राम मौर्य ने दांतोपंत ठेंगरी भारत माता और भगवान बलराम के चित्र पर माल्यार्पण किया। प्रदेश अध्यक्ष भैया राम मौर्य ने कहा कि भारतीय किसान संघ में किसानों का समस्याओं का निवारण करना है उन्होंने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी खाद को हर जगह उपलब्ध कराकर ज्यादा मूल्य पर किसानों को खाद नहीं दी जाएगी अगर कहीं भी जानकारी मिलती है तो दुकानदार के ऊपर कड़ी से करवाई प्रशासन द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान पर जोड़ दिया जाना चाहिए ज्यादा इस संगठन में किसानों को जोड़ना चाहिए। जिसमें काशी प्रांत अध्यक्ष इंद्रासन सिंह , काशी प्रांत कोषाध्यक्ष शिव शंकर पाठक व काशी प्रान्त संगठन मंत्री राम चेला ने जिले में सदस्यता बनने पर विशेष चर्चा किया।प्रत्येक कार्यकर्ता को कम से कम पांच गांव समितियों मे जाकर (गोद लेकर) भारतीय किसान संघ के रीति रिवाज की चर्चा करते हुए अधिक से अधिक सदस्य बनाने का आह्वान किया। इसके बाद किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन के सदस्यों के साथ मिलकर पौधों पर किया उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम लगे और इसकी रक्षा भी करें साथ-साथ इसकी देख-देख भी करें प्रदेश अध्यक्ष में संगठन के सदस्यों के साथ आम का पौधा लगाया।

इस दौरान काशी प्रांत उपाध्यक्ष राकेश सिंह, काशी प्रांत कार्यकारिणी सदस्य कृष्णानंद सिंह,जिला मंत्री ओमप्रकाश दुबे, जिला कोषाध्यक्ष बसंत लाल बिंद, जिला जैविक प्रमुख अवधेश कुमार सिंह, जिला युवा प्रमुख जवाहिर सिंह, जिला उपाध्यक्ष रामनारायन,जिला कार्यकारिणी सदस्य रामधनी सिंह, सतीश चंद्र सिंह, खंड अध्यक्ष विनोद सिंह, अजय उपाध्याय, कविंद्र नाथ सिंह, रवीन्द्र बहादुर सिंह सहकारी समिति अध्यक्ष तेंदुआ कला सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी,किसान व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला अध्यक्ष उपेंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि भारतीय किसान संघ किसानो की आवाज को मजबूती से उठाता रहूंगा और गांव - गांव तक संगठन को सशक्त बनाने का अभियान जारी रहेगा। किसने की समस्याओं का समय से निस्तारक भी किया जाए।

भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा का प्रदेश कार्यालय में भव्य अभिनंदन, निगोहा प्रेस क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने दी ढेर सारी शुभकामनाएं......

समाज जागरण संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक विस्तार और युवा नेतृत्व को नई दिशा देने के उद्देश्य से हाल ही में भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश संगठन में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। पार्टी नेतृत्व ने युवा, ऊर्जावान एवं संगठन के प्रति समर्पित नेता रोहित मिश्रा को भारतीय जनता युवा मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर प्रदेश की युवा राजनीति में नई जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी नियुक्ति के बाद भाजपा कार्यकताओं, युवा मोर्चा पदाधिकारियों एवं समर्थकों में उत्साह का माहौल है।इसी क्रम में लखनऊ स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में निगोहा प्रेस क्लब के मीडिया प्रभारी एवं अधिवक्ता सौरभ सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पुष्पमाला पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा के जिला महामंत्री धीरेंद्र पांडे 'धीरू' भी उपस्थित रहे और उन्होंने भी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

भेंट के दौरान संगठन को मजबूत बनाने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा प्रदेश में भाजपा की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को युवाओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास व्यक्त किया कि रोहित मिश्रा के नेतृत्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा नई ऊर्जा के साथ कार्य करेगा और प्रदेश के प्रत्येक जिले, तहसील तथा गांव तक संगठन को और अधिक मजबूत बनाने में सफल होगा।निगोहा प्रेस क्लब के मीडिया प्रभारी एवं अधिवक्ता सौरभ सिंह ने कहा कि रोहित मिश्रा लंबे समय से छात्र एवं युवा राजनीति में सक्रिय रहे हैं। उनका संगठनात्मक अनुभव, कार्यकताओं के प्रति सहज व्यवहार तथा समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण उन्हें एक सफल नेतृत्वकर्ता बनाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा युवाओं को नेतृत्व देने का कार्य किया है और रोहित मिश्रा की नियुक्ति उसी परंपरा का सशक्त उदाहरण है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में भारतीय जनता युवा मोर्चा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। नई टीम युवाओं को राष्ट्र निर्माण, सामाजिक सेवा, डिजिटल जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, रोजगार एवं स्वरोजगार जैसे विषयों से जोड़ते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का कार्य करेगी।

रोहित मिश्रा ने प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास व्यक्त किया है, उस पर पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" की नीति को आधार बनाकर युवा मोर्चा प्रदेश के प्रत्येक युवा तक पहुंचेगा और उन्हें राष्ट्रहित, समाज सेवा तथा संगठन के कार्यक्रमों से जोड़ने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत हैं और सभी को साथ लेकर प्रदेशभर में संगठन को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा।इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में शामिल अधिवक्ताओं, पत्रकारों एवं अन्य गणमान्य लोगों ने भी रोहित मिश्रा को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साहपूर्ण वातावरण रहा तथा उपस्थित कार्यकताओं ने संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया।

70 करोड़ गबन के आरोपी टीम पवन पांडेय की साजिश से निर्दोष सदस्यों पर भी लटकी वसूली की तलवार

सुनील बाजपेई

कानपुर। जालसाजी समेत विभिन्न हथकंडों से लगभग 70 करोड़ का घोटाला करने वालों के खिलाफ आवाज लगातार बुलंद होती जा रही है ,जिसके तहत उनके खिलाफ विजिलेंस जांच की भी मांग की गई है। साथ ही सदस्यों को भी पत्र लिखकर एकजुट होने को कहा गया है ,ताकि वित्तीय जोखिम से बचा जा सके, घोटाले की रकम के हिसाब से संस्था के सदस्य होने के नाते इस वित्तीय जोखिम का खतरा हर व्यक्ति पर मडरा रहा है, जिसके तहत हर सदस्य को लगभग 6 लाख देने पड़ सकते हैं।

जानकारी के मुताबिक यह मामला भारतीय को-ऑपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड' के क्रियाकलापों एवं संभावित वित्तीय जोखिम से जुड़ा हुआ है। इसी के बारे में सदस्यों को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि भारतीय को-ऑपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड' के नाम से चल रही इस संस्था के तथाकथित पदाधिकारियों पवन कुमार पांडे, सोमेश सिंह, अजीत कुमार सिंह, विजय कुमार गोयल, अनिल कुमार शुक्ला, आशीष कुमार पाठक आदि द्वारा सदस्यों को जो "लॉलीपॉप" दिखाकर संस्था से जोड़ा गया, वह वास्तव में एक सोची-समझी धोखाधड़ी का हिस्सा प्रतीत हो रही है।

इस आर्थिक भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार जुझारू संघर्ष में जुटे भारतीय को-ऑपरेटिव ग्रामीण विकास निर्माण लिमिटेड, लखनऊ के गाजीपुर निवासी सदस्य विश्वजीत यादव, पूर्व सदस्य सुवचन सरोज और राघवेंद्र कुमार सरावगी द्वारा लिखे गए पत्र के संदर्भ में दी गई जानकारी के मुताबिक संस्था पर लगभग 70 करोड़ रुपये की रिकवरी का संकट मंडरा रहा है।

पत्रकार ने एसीपी मोहनलालगंज से लगाई न्याय की गुहार...

समाज जागरण संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के एक पत्रकार ने पुलिस पर बिना उचित कारण घर से उठाकर थाने ले जाने, रास्ते में जंगल क्षेत्र में ले जाकर डराने-धमकाने तथा अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज को शिकायती प्रार्थना-पत्र सौंपकर निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है।प्रार्थना-पत्र के अनुसार मोहनलालगंज के रानीखेड़ा डेहवा निवासी पत्रकार विवेक कुमार ने आरोप लगाया है कि बीते मंगलवार की सुबह करीब तीन बजे खुजौली चौकी प्रभारी अरुण सिंह, उपनिरीक्षक अजय सिंह एवं अन्य पुलिसकर्मी उनके घर पहुंचे और बिना कोई स्पष्ट कारण बताए उनको घर के अंदर से उन्हें जबरन पुलिस ने वाहन में बैठाकर ले गए। आरोप है कि कोतवाली ले जाने से पहले करीब एक घंटे तक जबरौली गांव के समीप जंगल क्षेत्र में घुमाते हुए उन्हें डराया-धमकाया गया और मानसिक दबाव बनाया गया। पीड़ित पत्रकार का कहना है कि इसके बाद उन्हें कोतवाली मोहनलालगंज लाकर हवालात में जबरजस्ती बंद किया गया, जहां उनके साथ अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पूरी घटना से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है और वह मानसिक रूप से भयभीत हैं।प्रार्थना-पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि हाल ही में व्हाट्सएप ग्रुपों में सोने से भरे बैग से संबंधित एक संदेश वायरल हुआ था। समाचार की पुष्टि के लिए उन्होंने प्रभारी निरीक्षक से जानकारी ली थी, जहां उन्हें बताया गया कि वायरल संदेश भ्रामक है। इसके बावजूद उन्हें थाने लाकर मुकदमा दर्ज होने की जानकारी दी गई। पत्रकार का कहना है कि उन्होंने न तो कोई भ्रामक संदेश प्रसारित किया और न ही किसी व्हाट्सएप ग्रुप में ऐसा संदेश साझा किया। उनका कहना है कि समाचार की पुष्टि करना एक पत्रकार के दायित्व का हिस्सा है।पीड़ित पत्रकार ने एसीपी से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने, कथित रूप से दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई करने, अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा न्याय दिलाने की मांग की है।एसीपी मोहनलालगंज राजेश सिंह ने बताया कि उन्हें प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुआ है। पूरे मामले की स्पष्ट और निष्पक्ष जांच कराई जाएगी तथा जांच के आधार पर पीड़ित पत्रकार को उचित राहत दिलाई जाएगी।

जिन खेतों से उजड़े किसान, वही परियोजना बनी ₹211 करोड़ की कॉर्पोरेट डील का आधार"

अनूपपुर में किसानों की जमीन से जुड़ा ₹ २११ करोड़ का कॉर्पोरेट सौदा! कम कीमत पर खरीदी गई भूमि बनी बड़ी डील, पुराने वादों और मुआवजे पर फिर उठे सवाल

समाज जागरण अनूपपुर।

अनूपपुर जिले के ग्राम रक्सा, कोल्मी और आसपास के क्षेत्रों में प्रस्तावित 1,600 मेगावाट अल्ट्रा- सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर परियोजना एक बार फिर चर्चा में है। विवाद का केंद्र किसानों की भूमि, मुआवजा और बाद में हुए लगभग ₹211 करोड़ के कॉर्पोरेट अधिग्रहण को लेकर है। स्थानीय किसानों का कहना है कि उन्होंने विकास, रोजगार और क्षेत्रीय सुविधाओं के वादों पर अपनी पुश्तैनी जमीन कंपनियों को बेची थी, लेकिन उन्हें अपेक्षित लाभ नहीं मिला।

सार्वजनिक दस्तावेजों के अनुसार परियोजना से जुड़ी कंपनी का सितंबर 2025 में लगभग ₹211

करोड़ में अधिग्रहण हुआ, जिससे किसानों के बीच यह सवाल उठा कि जिस भूमि के आधार पर परियोजना का मूल्य बढ़ा, उसका लाभ केवल कंपनियों और निवेशकों तक ही क्यों सीमित रहा। हालांकि विधि विशेषज्ञ स्पष्ट करते हैं कि यह सौदा भूमि की खरीद नहीं, बल्कि कंपनियों के शेयरों और स्वामित्व के हस्तांतरण से संबंधित कॉर्पोरेट लेनदेन था।

ग्रामीणों का आरोप है कि रोजगार, पुनर्वास और सामाजिक विकास के कई वादे अब तक पूरी तरह पूरे नहीं हुए। किसान संगठनों ने पुराने भूमि सौदों की निष्पक्ष समीक्षा, प्रभावित परिवारों की स्थिति का सर्वे, रोजगार संबंधी वादों की प्रगति सार्वजनिक करने तथा यदि किसी स्तर पर अन्याय हुआ हो तो कानून के अनुरूप उचित राहत देने की मांग की है। वहीं उद्योग जगत का कहना है कि ऐसे अधिग्रहण सामान्य व्यावसायिक प्रक्रिया का हिस्सा होते हैं।

जरहा ग्राम पंचायत की तिजोरी पर उठते सवाल

पांचवा वित्त में नियमों को ताक में रखकर खरीदी के नाम पर धांधली

समाज जागरण

उमरिया -- सुचिता पारदर्शी और ईमानदारी की बात करने वाली मध्यप्रदेश सरकार में भष्ट्राचार का खुला खेल खेला जा रहा है। सरकार के ईमानदारी की बात अब सिर्फ एक जुमला बनकर रह गया है, तभी तो ग्राम पंचायतों में मनमानी पूर्ण निर्माण कार्य और खरीदी के नाम पर जमकर वित्तीय अनियमितताओं की बातें हर दिन उजागर होती है और जिम्मेदार प्रशासन के कान में जूं तक नहीं रेंगता। ऐसा ही एक सनसनी खेज खरीदी का मामला जिले के करकेली जनपद पंचायत के जरहा ग्राम पंचायत में प्रकाश में आया है। जहाँ पर पांचवे राज्य वित्त से मोबाइल का क्रय किया गया है। मालूम होवे की मध्यप्रदेश शासन के व्दारा पांचवे राज्य वित्त की राशि कुछ अहम मरम्मत कार्यों और आवश्यक खरीदी के लिए प्रदत्त की जाती है, ताकि पंचायतों में सुचारू रूप से कार्य चलता रहे, और नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं से दो -चार न होना पडे, लेकिन इस मद से जरहा ग्राम पंचायत में मोबाइल फोन की खरीदी कर शासकीय धन राशि का दुरूपयोग किया गया है। मालूम होवे की मोबाइल खरीदी पर शासन व्दारा रोक लगाई गई है, अगर मोबाइल की खरीदी करना जरूरी है तो इस पर जिला पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी से वैधानिक अनुमति के बाद ही खरीदी की जा सकती

है।जरहा ग्राम पंचायत की खरीदी से जनपद पंचायत करकेली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में 5वें वित्त की राशि के उपयोग को लेकर तीखे सवाल उठ रहे । शासकीय अभिलेखों के अनुसार ग्राम पंचायत जरहा में पांचवें वित्त आयोग की राशि से ₹19,500 का मोबाइल फोन का बिल लगाकर भुगतान दर्ज किया गया है।

भारत मोबाइल, संजय मार्केट का देयक --

मोबाइल का देयक भारत मोबाइल संजय मार्केट उमरिया के नाम से है 19,500 का भुगतान 31 दिसंबर 2025 को किया गया है। जरहा ग्राम पंचायत में हुई इस नियम विरूद्ध खरीदी ने बडे सवाल खड़े कर दिये है कि क्या मोबाइल खरीदी निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप की गयी है ?

पहले भी वित्तीय अनियमितता से घिरे रहे सचिव

मालूम होवे की जरहा ग्राम पंचायत में इन दिनों उजान ग्राम पंचायत में भष्ट्राचार का कीर्तिमान स्थापित करने वाले सचिव की पद स्थापना की गयी है, जब से जरहा में पदस्थ हुए है, यहाँ का विकास भी जर रहा है।

ग्रामीणों ने की जांच कार्यवाही की मांग

जरहा ग्राम पंचायत के नागरिकों ने नियम विरूद्ध की गयी इस खरीदी पर सवाल उठाते हुए कहा है कि जब से यह सचिव आये है, तब से नियम विरूद्ध खरीदी की जा रही है। एक बार इस ग्राम पंचायत की उच्च स्तरीय जांच टीम गठित कर आरोपों की विधि वत जांच करायी जाये ताकि सच्चाई सामने आ सकें।

शहडोल में अस्पताल के बेसमेंट पर फिर उठे सवालः नगर पालिका के पुराने नोटिस के बावजूद संचालित सुविधाओं पर कार्रवाई की मांग

नगर पालिका के पूर्व नोटिस, बेसमेंट उपयोग और सुरक्षा मानकों को लेकर चर्चा तेज; अधिकारियों ने कहा – मामले की दोबारा जांच कर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

समाज जागरण

शहडोल। विशेष प्रतिनिधि शहडोल शहर स्थित आदित्य सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एक बार फिर चर्चा का विषय बना हुआ है। अस्पताल के पंचम स्थापना दिवस पर अत्याधुनिक कैथलैब का शुभारंभ होने के बाद अस्पताल परिसर के बेसमेंट (तलघर) के उपयोग को लेकर पुराने विवाद ने फिर तूल पकड़ लिया है। स्थानीय स्तर पर यह सवाल उठाया जा रहा है कि जिस बेसमेंट के संबंध में नगर पालिका परिषद द्वारा पूर्व में नोटिस जारी किया गया था, उस मामले में आगे क्या कार्रवाई हुई और वर्तमान स्थिति क्या है।

जानकारी के अनुसार, अस्पताल के स्थापना दिवस समारोह में क्षेत्र की सांसद एवं विधायक की उपस्थिति में नई चिकित्सा सुविधा का शुभारंभ किया गया। इसके बाद कुछ लोगों ने यह मुद्दा उठाया कि अस्पताल के बेसमेंट में विभिन्न चिकित्सा एवं व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जबकि नगर पालिका द्वारा वर्ष 2025 में इस संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

वर्ष 2025 में जारी हुआ था कारण बताओ नोटिस

नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा 4 नवंबर 2025 को जारी कारण बताओ नोटिस में अस्पताल प्रबंधन से बेसमेंट के उपयोग के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया था। नोटिस में स्थल निरीक्षण के आधार पर भवन अनुज्ञा की शर्तों के विपरीत उपयोग किए जाने का उल्लेख किया गया था तथा निर्धारित समय सीमा में जवाब प्रस्तुत करने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही यह भी कहा गया था कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई की स्थिति पर उठ रहे सवाल स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि नोटिस जारी किया गया था, तो उसके बाद क्या कार्रवाई हुई, यह सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया। इसी कारण अब यह मांग उठ रही है कि नगर पालिका पूरे मामले की वर्तमान स्थिति सार्वजनिक करे तथा यदि कहीं भी नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बेसमेंट उपयोग को लेकर क्या कहते हैं नियम

मध्य प्रदेश के भवन निर्माण एवं विकास संबंधी प्रावधानों के अनुसार, किसी भी भवन के बेसमेंट का उपयोग स्वीकृत नक्शे और निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप होना चाहिए। यदि किसी भवन में स्वीकृत उपयोग से अलग गतिविधियां संचालित की जाती हैं, तो संबंधित स्थानीय निकाय को निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने का अधिकार होता है। ऐसे मामलों में अंतिम निर्णय संबंधित सक्षम प्राधिकारी द्वारा दस्तावेजों, स्वीकृत नक्शों और स्थल निरीक्षण के आधार पर लिया जाता है।

सुरक्षा मानकों पर भी उठे प्रश्न

विशेषज्ञों का मानना है कि अस्पतालों जैसे संवेदनशील संस्थानों में अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकास, वेंटिलेशन और भवन सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन होना आवश्यक है। यदि किसी भी प्रकार की तकनीकी या वैधानिक कमी हो, तो उसका समय रहते परीक्षण और निराकरण किया जाना जनहित में जरूरी है।

अधिकारियों ने क्या कहा मुख्य नगर पालिका अधिकारी निशांत ठाकुर ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है और आवश्यकता होने पर पुनः नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है। इसकी जांच कराई जाएगी और यदि किसी प्रकार का नियम उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित प्रावधानों के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी।

बसाढ नाला लूटकर बनी ' मिट्टी युक्त रेत की नाली'

बंधवावारा-घुनघुटी सेक्शन में रातों-रात खेल रेल सुरक्षा पर मडराता संकट

समाज जागरण

उमरिया ---दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में भ्रष्टाचार का नया मॉडल सामने आया हैः "पहले नदी लूटो, फिर रेल लूटो।" विदित होवे की कटनी-बिलासपुर रेल सेक्शन के बंधवावारा से घुनघुटी स्टेशनों के बीच अप-लाइन किनारे 922 से 924 के बीच बन रही करोड़ों रुपये की नाली के लिए ठेकेदार ने सरकारी मानकों को ही नदी में बहा दिया है। बताया जाता है कि जिस नाली में आइ एस मार्का वाली रेत लगाने के प्रावधान किये गये हैं, ताकि नाली गुणवत्ता मानकों के अनुरूप बनायी जा सकें, लेकिन संबंधित निर्माण एजेंसी ने इन सबको ताक पर रखकर बसाढ नाले की अनुपयुक्त रेत का उपयोग कर नाली का निर्माण कार्य कर दिया है। जिससे रेल प्रशासन पर तीखे सवाल खड़े कर दिये है।

रात का काला खेलः बसाढ नाला से सीधा साइट पर

स्थानीय लोगों ने बताया कि निर्माण के लिए लगने वाली रेत बाजार से नहीं खरीदी जा रही। बल्कि स्थानीय बसाढ नाला से रात के अंधेरे में खउइ मशीनों से अवैध उत्खनन करवाया जा रहा है। बताया जाता है कि रात में बसाढ नाले में जे सी बी मशीन से क ई हाईवा ट्रक रात 12 बजे के बाद नाले से रेत लोड कर सीधे निर्माण साइट पर खाली कर दे रहे हैं। ये रेत न सिर्फ अमानक है, बल्कि मिट्टी, सिल्ट और जैविक कचरे से भरी हुई है। ऐसी रेत से बनी इमारत कुछ ही महीने में गुणवत्ता खो देता है। ध्यान देने योग्य है कि रेलवे के इस ठेकेदार ने एक साथ कई तरह की गडबडियो को अंजाम दिया है, जिससे सुरक्षा और पर्यावरण को भी जमकर छति पहुचना

स्वाभाविक है। राजस्व लूटः बसाढ नाला से बिना रॉयल्टी, बिना खनिज पट्टा के रेत उठाना सीधा खनिज अधिनियम का उल्लंघन है। सरकार को लाखों का सीधा नुकसान पहुचाते हुए सीधे सीधे पर्यावरण की हत्या कर दी गयी है।नाले से अवैध खनन करने से नदी का तल गहरा हो रहा है। इससे भूजल स्तर गिरेगा और आसपास के खेत बंजर होंगे।

रेल हादसे का निमंत्रणः यही घटिया अनुपयोगी,कमजोर रेत नाली में लग रही है जो अप-लाइन ट्रैक से सटी हुई है , जिसके बरसात में नाली के छतिग्रस्त होते,धंसते ही ट्रैक के नीचे जमीन खिसकना तय है।इस स्थिति में कभी भी कोई बड़ी आपदा की आशंका को नकारा नहीं जा सकता। बसाढ नदी से निकाली गयी इस रेत से जहाँ रेलवे के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सीधे सवालिया निशान लग रहें हैं वही पर खनिज विभाग कि कार्य शैली पर भी सवालों के घेरे में है। यद्यपि यह पूरा कार्य क्षेत्र वन सीमा की परिधि में है फिर भी खनिज विभाग को राजस्व की लंबी चपत लगी है ग्रामीणो के मुताबिक जब रात रात भर जे सी बी और हाईवा का काफिला चल रहा है। तो रेलवे की आर पी एफ,स्थानीय थाना, खनिज और वन विभाग कहा नींद में सो रहा था? क्या एक ठेकेदार सब पर भारी पड गया की सबकी जेबें भर दी गई हैं? आश्चर्य जनक कहा जाता है कि रेलवे के निर्माण कार्य की गुणवत्ता के लिए क्वालिटी कंट्रोल टीम और विजिलेंस को विधिवत निगरानी के लिए रेलवे प्रशासन ने नियुक्त कर रखे हैं, फिर भी वह साइट पर अंधी बनी हुई है, क्योंकि मेजरमेंट बुक में कागज पर तो " आई एस मानक वाली रेत" ही चढ़ने की जानकारी मिल रही है। इस तरह से देखा जाये तो रेलवे का यह तथाकथित ठेकेदार चहुओर से अपराध की बिसात बिछा कर जिम्मेदार अधिकारियों को भी अपने जाल में फंसा दिया है, अपेक्षा है कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच सेंट्रल रेलवे की टीम से करायी जाये, ताकि किसी अप्रिय स्थित से पहले ही नाजुक स्थित से उबरा जा सकें।

भारत ने आसियान-भारत व्यापार समझौते की समीक्षा के लिए 13वीं आसियान-भारत व्यापार समझौता संयुक्त समिति की बैठक की मेजबानी की

एआईटीआईजीए संयुक्त समिति ने लंबित समीक्षा अध्यायों को शीघ्र अंतिम रूप देने का निर्देश दिया

भारत ने 6 से 10 जुलाई, 2026 तक नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में 13वीं आसियान-भारत व्यापार समझौता (एआईटीआईजीए) संयुक्त समिति (जेसी) और संबंधित बैठकों की मेजबानी की, जिसमें एआईटीआईजीए समीक्षा के तहत वाताओं की प्रगति की समीक्षा की गई। ये बैठकें हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित की जा रही हैं।

एआईटीआईजीए संयुक्त समिति के अंतर्गत आने वाली आठ उप-समितियों में से तीन की बैठकें वर्तमान में 13वीं संयुक्त समिति की बैठक के दौरान समानांतर रूप से आयोजित की जा रही हैं। इनमें सीमा शुल्क प्रक्रिया एवं व्यापार सुगमता उप-समिति (एससी-सीपीटीएफ), राष्ट्रीय व्यवहार एवं बाजार पहुंच उप-समिति (एससी-एनटीएमए) और उत्पत्ति नियम उप-समिति (एससी-आरओओ) शामिल हैं। ये बैठकें भारत और आसियान के बीच सहयोग को गहरा करने, आपसी समझ को मजबूत करने और रचनात्मक संवाद को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य कर रही हैं। संयुक्त समिति ने उप-समितियों को उनके संबंधित कार्यक्षेत्रों में रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान किया और उनसे एआईटी आईजीए समीक्षा के अंतर्गत लंबित

अध्यायों को अंतिम रूप देने में तेजी लाने का आग्रह किया। वार्ता की गति बनाए रखने के लिए, उप-समितियों को समयबद्ध कार्य सौंपे गए और उन्हें सहमत समयसीमा के भीतर ठोस परिणाम प्राप्त करने हेतु मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। 7 जुलाई, 2026 को आयोजित 13वीं एआईटीआईजीए संयुक्त समिति की बैठक की सह-अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में वाणिज्य विभाग के अपर सचिव श्री नितिन कुमार यादव और मलेशिया के निवेश, व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय की उप महासचिव (व्यापार) सुश्री मस्तुरा अहमद मुस्तफा ने की। इस बैठक में आसियान के सभी सदस्य देशों - ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम के प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया। आसियान भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में से एक है, जो भारत के वैश्विक व्यापार का लगभग 11 प्रतिशत हिस्सा है। भारत और आसियान के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2025-26 के दौरान 128 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो दोनों पक्षों के बीच मजबूत आर्थिक साझेदारी को दशार्ता है और व्यापार एवं निवेश सहयोग को और बढ़ाने के अवसर प्रदान करता है।

उप पंजीयक कार्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल

अन्य जिलों में प्रशासनिक फेरबदल, लेकिन उमरिया में लंबे समय से एक ही उपपंजीयक की पदस्थापना चर्चा का विषय; व्यवस्था को लेकर नागरिकों में सवाल

समाज जागरण

उमरिया। शहडोल संभाग के अंतर्गत आने वाले अनूपपुर और शहडोल जिलों में समय-समय पर प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुसार उप पंजीयकों का स्थानांतरण किया जाता रहा है। वहीं, उमरिया जिले में लंबे समय से एक ही उपपंजीयक के पदस्थ रहने को लेकर स्थानीय स्तर पर तरह-तरह की चचाएं और सवाल उठ रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि अन्य जिलों में नियमित प्रशासनिक स्थानांतरण की प्रक्रिया अपनाई जाती है, तो उमरिया में भी इसी प्रकार की व्यवस्था लागू होनी चाहिए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उपपंजीयक कार्यालय में बिचौलियों (दलालों) की सक्रियता लगातार बनी हुई है। उनका कहना है कि कार्यालय परिसर में कुछ लोग स्थायी रूप से मौजूद रहते हैं और आम नागरिकों के कार्यों में हस्तक्षेप करते हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि गरीब किसानों और आम आवेदकों के दस्तावेजों के पंजीयन में अनावश्यक विलंब होता है, जबकि बिचौलियों के माध्यम से आने वाले मामलों का काम अपेक्षाकृत तेजी से होने की चर्चा है। यदि ऐसा है तो यह शासन की पारदर्शी कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। इन आरोपों की भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। क्षेत्र के लोगों का मानना है कि पंजीयन कार्यालय जैसी महत्वपूर्ण सरकारी संस्था में कार्य पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध होना चाहिए। यदि किसी प्रकार की अनियमितता या बिचौलियों की भूमिका की शिकायतें सामने आती हैं, तो संबंधित विभाग को उनकी निष्पक्ष जांच करानी चाहिए ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि उप पंजीयक कार्यालय की कार्य प्रणाली की समीक्षा की जाए, लंबी अवधि से एक ही स्थान पर पदस्थ अधिकारियों के संबंध में शासन की स्थानांतरण नीति के अनुरूप निर्णय लिया जाए तथा यदि दलालों की सक्रियता संबंधी शिकायतें सही पाई जाती हैं तो उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। इससे आम नागरिकों का सरकारी व्यवस्था पर विश्वास और मजबूत होगा।

युवा मोर्चा में उम्र का नियम या संगठन की रणनीति?

आखिर किसके सिर सजेगा जिला अध्यक्ष का सेहरा?

समाज जागरण

शहडोल। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पद को लेकर इन दिनों संगठन के भीतर हलचल तेज है। संभावित दावेदार सक्रिय हैं, समर्थक अपने-अपने नेताओं के पक्ष में माहौल बनाने में जुटे हैं और राजनीतिक गलियारों में चचाओं का दौर लगातार जारी है।

लेकिन इस बार चर्चा केवल नामों की नहीं, बल्कि आयु सीमा के मानदंड की भी है।

उमर या अनुभव जरूरी उठ रहे सवाल

सवाल यह उठ रहा है कि यदि युवा मोर्चा के लिए आयु सीमा निर्धारित है, तो क्या नियुक्ति पूरी तरह उसी आधार पर होगी? या फिर संगठन अनुभव, समर्पण, सक्रियता और राजनीतिक आवश्यकता को भी प्राथमिकता देगा यह प्रश्न इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि कुछ कार्यकताओं का कहना है कि पार्टी के लिए वर्षों तक मेहनत करने वाले कार्यकताओं का मूल्यांकन केवल आयु के आधार पर नहीं होना चाहिए। उनका तर्क है कि संगठन की मजबूती कार्यकताओं के परिश्रम और निष्ठा से बनती है।

पूर्व में कार्यकारणी उमर को ले कर हो चुकी बहस

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दूसरी ओर, कुछ लोग यह भी याद दिला रहे हैं कि पूर्व की कुछ संगठनात्मक नियुक्तियों के दौरान आयु सीमा को लेकर बहस हुई थी। ऐसे में अब निगाहें इस बात पर हैं कि क्या इस बार प्रदेश नेतृत्व सभी निर्धारित मानदंडों का समान रूप से पालन करेगा या संगठनात्मक परिस्थितियों के आधार पर निर्णय लेगा! हालांकि, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि किसी भी नियुक्ति का अंतिम निर्णय पार्टी का अधिकार है और संगठन समय-समय पर अपनी आवश्यकताओं के अनुसार निर्णय लेता है।

सबसे बड़ा सवाल यही है

क्या युवा मोर्चा को मिलेगा पूरी तरह युवा नेतृत्व? क्या अनुभव और संगठनात्मक सक्रियता आयु पर भारी पड़ेगी? या फिर इस बार संगठन एक नया संदेश देगा कि नियम सभी पर समान रूप से लागू होते हैं

राष्ट्रीय शैक्षणिक भंडार (एनएडी)

शिक्षा में डिजिटल शासन को बढ़ावा देना

शैक्षणिक रिकॉर्ड प्रबंधन की मौजूदा स्थिति

भारत की शिक्षा प्रणाली दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे विविध प्रणालियों में से एक है। इसमें लगभग 14.71 लाख स्कूल (2024-25 के आंकड़ों के अनुसार), 1420 विश्वविद्यालय, 53,583 कॉलेज, 16,795 स्वतंत्र शिक्षण संस्थान और 280 शोध एवं अनुसंधान संस्थान शामिल हैं। ये सभी संस्थान मिलकर हर साल लाखों अकादमिक रिकॉर्ड तैयार करते हैं, जिनमें डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, मार्कशीट और मूल्यांकन रिपोर्ट शामिल हैं।

इतनी बड़ी संख्या में कागजी अकादमिक रिकॉर्ड को प्रबंधित करने में काफी वक्त लगता है, साथ ही यह प्रक्रिया महंगी और अक्षम भी है। भौतिक दस्तावेजों के खोने, खराब होने या उनमें धोखाधड़ी होने का खतरा रहता है, जबकि मानवीय सत्यापन प्रक्रिया के चलते छात्रों, शिक्षण संस्थानों, नियोक्ताओं और अन्य संबंधित लोगों के लिए देरी होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 एक अधिक लचीली, सीखने वाले पर केंद्रित और बहु-विषयक शिक्षा प्रणाली की कल्पना करती है। मल्टीपल एंट्री-मल्टीपल एग्जिट (एमईएमई), नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) और एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) जैसी पहलों के जरिए, एनईपी 2020 सीखने के सरल रास्ते और आजीवन सीखने की सुविधा देती है। जैसे-जैसे छात्र कई संस्थानों और शिक्षा के विभिन्न चरणों में सीखने के परिणाम हासिल करते जा रहे हैं, एक सुरक्षित, इंटरऑपरेबल और आसानी से उपलब्ध अकादमिक रिकॉर्ड प्रणाली बहुत जरूरी हो गई है।

इन सुधारों को समर्थन देने के लिए, सरकार ने शैक्षणिक रिकॉर्ड प्रबंधन (एनएडी) शुरू किया, जोकि अकादमिक अवॉर्ड्स को डिजिटल रूप से स्टोर करने, सत्यापित करने, प्रमाणीकरण करने और उन्हें जारी करने की एक देशव्यापी व्यवस्था है। अकादमिक रिकॉर्ड्स को एक सुरक्षित डिजिटल भंडार में रखकर, एनएडी छात्रों को उनके क्रेडेंशियल्स को कभी भी और कहीं भी एक्सेस करने की सुविधा देता है, जिससे उन्हें जारी करने वाले संस्थानों से भौतिक कॉपी लेने की जरूरत नहीं पड़ती। यह नियोक्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों और दूसरे संगठनों के लिए सत्यापन को आसान बनाता है और साथ ही प्रमाणित डिजिटल रिकॉर्ड्स के जरिए धोखाधड़ी के जोखिम को भी काफी कम करता है। 2020 से एनएडी व्यवस्था को डिजिलॉकर के जरिए लागू किया गया है। डिजिटल इंडिया प्रोग्राम के तहत डिजिलॉकर को 1 जुलाई 2015 को लॉन्च किया गया डिजिलॉकर, अकादमिक प्रमाण पत्र जारी करने और उन तक पहुंचने के लिए एक ऑपरेशनल डिजिटल प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करता है, जिसके तहत एनएडी काम करता है। इस व्यवस्था में एक तीसरा हिस्सा भी है, स्वचालित स्थायी शैक्षणिक खाता रजिस्ट्री (अपार) और एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी), जो छात्रों के क्रेडिट स्कोर को प्रबंधित करते हैं और अकादमिक मोबिलिटी को आसान बनाते हैं। ये तीनों मिलकर सुरक्षित अकादमिक रिकॉर्ड प्रबंधन के लिए एक एकीकृत व्यवस्था बनाते हैं। एनएडी को सरकार की ई-सनद सेवा के साथ भी जोड़ा गया है, जिससे शैक्षणिक और दूसरे आधिकारिक दस्तावेजों का इलेक्ट्रॉनिक वेरिफिकेशन, अटेस्टेशन और एपोस्टिल संभव हो पाता है। यह एकीकरण विदेशों में उच्च शिक्षा, नौकरी या दूसरे अवसरों की तलाश कर रहे भारतीय नागरिकों के लिए दस्तावेजों के प्रमाणीकरण को आसान बनाता है। एनएडी में केंद्रीय, राज्य, निजी, डीम्ड विश्वविद्यालय, सीबीएसई और दूसरे स्कूल बोर्ड, राष्ट्रीय महत्व के संस्थान और उच्च शिक्षा के अन्य संस्थान पंजीकृत होते हैं। इसके हितधारकों में छात्र और अकादमिक पुरस्कार पाने वाले अन्य लोग, अकादमिक संस्थान/बोर्ड/योग्यता जांचने वाली संस्थाएं और बैंक, घरेलू व विदेशी नियोक्ता कंपनियां, सरकारी संस्थाएं जैसी प्रमाणीकरण संस्थाएं शामिल हैं।

एनएडी की शासन संरचना

शिक्षा मंत्रालय एनएडी के लिए जिम्मेदार मुख्य मंत्रालय है। इसने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को डिजिलॉकर के जरिए एनएडी को लागू करने के लिए नोडल एजेंसी बनाया है। यह व्यवस्था एक मजबूत कानूनी और नियामक ढांचे के समर्थन वाले समन्वित शासन ढांचे के जरिए काम करती है। शिक्षण संस्थान सत्यापित डिजिटल अकादमिक रिकॉर्ड जारी करते हैं, जिन्हें छात्र सुरक्षित रूप से एक्सेस और साझा कर सकते हैं और अन्य संगठन तेजी से और भरोसेमंद तरीके से उनकी जांच कर सकते हैं। सभी डिजिटल जानकारी कानूनी रूप से मान्य होती हैं और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के तहत भौतिक दस्तावेजों के बराबर ही कानूनी दर्जा रखते हैं।

कानूनी और विनियामक ढांचा

यह प्रणाली एक मजबूत कानूनी आधार पर काम करती है, जिसमें शामिल हैंः सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 - यह इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और डिजिटल हस्ताक्षरों को कानूनी मान्यता देता है। डिजिटल लॉकर नियम, 2016 - यह सुनिश्चित करता है कि दस्तावेज केवल उपयोगकर्ता की स्पष्ट मंजूरी से ही साझा किए जाएं। नेशनल ई-ऑथेंटिकेशन फ्रेमवर्क (एनईएएफ) झ यह सुरक्षित पहचान की पुष्टि और प्रमाणीकरण के तरीके उपलब्ध कराता है।

राष्ट्रीय शैक्षणिक भंडार (एनएडी): प्रक्रिया का तरीका

एनएडी का कामकाज एक व्यवस्थित डिजिटल वर्कफ़्लो के तहत होता हैः अकादमिक अवॉर्ड बनानाः शिक्षण संस्थान (स्कूल, विश्वविद्यालय, बोर्ड और अन्य अधिकृत संस्थाएं) कोर्स या परीक्षा पूरी होने के बाद अकादमिक अवॉर्ड जैसे डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और मार्कशीट जारी करते हैं। डिजीलॉकर/एनएडी पर डिजिटल अपलोडः संस्थान इन सत्यापित अकादमिक रिकॉर्ड्स को डिजीलॉकर प्लेटफॉर्म के जरिए सुरक्षित रूप से राष्ट्रीय शैक्षणिक भंडार (एनएडी) में अपलोड या जारी करते हैं।

डिजीलॉकर के जरिए छात्रों को पहुंचः जारी होने के बाद, डिजिटल अकादमिक दस्तावेज अपने-आप छात्र के डिजीलॉकर अकाउंट से जुड़ जाते हैं, जहाँ उन्हें कभी भी सुरक्षित रूप से देखा जा सकता है। मंजूरी-आधारित शेयरिंगः छात्र अपने अकादमिक रिकॉर्ड्स को नियोक्ता, उच्च शिक्षा संस्थानों या सरकारी एजेंसियों के साथ केवल डिजीलॉकर के जरिए स्पष्ट तौर पर मंजूरी देने के बाद ही साझा कर सकते हैं। अधिकारियों द्वारा सत्यापनः अधिकृत संस्थाएं सीधे एनएडी/डिजीलॉकर के जरिए दस्तावेजों की वास्तविकता की जांच कर सकती हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि रिकॉर्ड असली हैं और उनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। सुरक्षित और स्थायी रखरखावः सभी रिकॉर्ड डिजिटल रूप में सुरक्षित रहते हैं, जिससे भौतिक प्रमाणपत्रों की जरूरत कम हो जाती है और खोने, खराब होने या धोखाधड़ी जैसे जोखिम खत्म हो जाते हैं। यह प्रक्रिया भौतिक दस्तावेजीकरण से पूरी तरह डिजिटल अकादमिक रिकॉर्ड व्यवस्था में आसानी से बदलाव सुनिश्चित करती है।

एनएडी के मुख्य फायदे

राष्ट्रीय शैक्षणिक भंडार (एनएडी) एक सुरक्षित, भरोसेमंद और पेपरलेस व्यवस्था प्रदान करता है और डिजिटल अकादमिक जानकारियों तक जीवन भर पहुंच की सुविधा देता है

पटवध में डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार मोटरसाइकिल, एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर घायलावस्था में रेफर

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के पटवध ग्राम पंचायत स्थित अमिला मोड़ वाराणसी-शक्तिनगर मुख्य मार्ग पर मंगलवार देर शाम तकरीबन साढ़े आठ बजे तेज रफ्तार मोटरसाइकिल बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गयी। इस हादसे में मोटर साइकिल बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने एक युवक शाहनवाज हुसैन पुत्र निसार अली, निवासी थाना पन्नूगंज को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे में घायल अंकित गुप्ता (24 वर्ष) पुत्र सोनू गुप्ता, निवासी रामगढ़, थाना पन्नूगंज, के सिर में गंभीर चोटें आयीं हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल भेज दिया, जहां उसका इलाज जारी है।

बताते हैं कि मोटरसाइकिल बाइक काफी तेज रफ्तार में थी। पटवध तिराहे के पास चालक का संतुलन बिगड़ने से बाइक सीधे डिवाइडर से जा टकरायी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। सूचना मिलते ही चोपन थाना पुलिस मौके पर पहुंच घायलों को अस्पताल पहुंचाने के साथ दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। चोपन पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का कारण तेज रफ्तार और मोटर साइकिल बाइक का अनियंत्रित होना बताया जाता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई करेगी।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ; कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री के संबोधन का हुआ सजीव प्रसारण

शिक्षकों के हित एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध- जिलाधिकारी

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ, विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया गया। योजना के अंतर्गत प्रदेश के लगभग 12 लाख शिक्षकों एवं उनके परिवारों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा। साथ ही 1.10 करोड़ विद्यार्थियों को डीबीटी के माध्यम से यूनिफॉर्म, जूता, मोजा, स्वेटर, बैग एवं स्टेशनरी के लिए प्रति छात्र-छात्रा ₹1200 की धनराशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त 10 लाख शिक्षकों एवं संविदा कर्मियों की सामाजिक सुरक्षा के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ एमओयू का भी निष्पादन किया गया।

जनपद सोनभद्र में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण किया गया, जिसे उपस्थित अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने देखा। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना से संबंधित प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सम्मान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। यह योजना शिक्षकों एवं उनके परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ उनकी सामाजिक सुरक्षा को भी सुदृढ़ करेगी। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनंद पांडेय, समाज कल्याण राज्य मंत्री के प्रतिनिधि संजीव कुमार तिवारी सहित जनप्रतिनिधिगण, शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक,

शिक्षामित्र, अनुदेशक, रसोइया एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।यदि आपके कार्यालय की पिछली प्रेस विज्ञप्तियों जैसा बिल्कुल वही प्रारूप चाहिए, तो उसी शैली में भी तैयार किया जा सकता है।

बीए, बीएससी, बीकॉम की प्रवेश कॉउन्सिलिंग 10 जुलाई से प्रारम्भ, मेरिट लिस्ट जारी

समाज जागरण/ शिव प्रताप सिंह

ओबरा/ सोनभद्र। नगर स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा में स्नातक प्रथम वर्ष में मेरिट लिस्ट में आए हुए अभ्यर्थियों की प्रवेश काउंसिलिंग प्रक्रिया 10 जुलाई 2026 से प्रातः 10.30 से शाम 3.30 तक महाविद्यालय में सम्पन्न होगी। मेरिट लिस्ट महाविद्यालय की वेवसाइट पर जारी कर दी गयी है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर प्रमोद कुमार ने कहा कि बी.कॉम. प्रथम वर्ष मेरिट लिस्ट के अनारक्षित, ओबीसी, एससी, एसटी तथा ईड ब्ल्यूएस मेरिट लिस्ट के समस्त अभ्यर्थियों की प्रवेश काउंसीलिंग प्रक्रिया 10 जुलाई 2026 को एवं बी.एस-सी प्रथम वर्ष गणित वर्ग व जीवविज्ञान वर्ग मेरिट लिस्ट के अनारक्षित, ओबीसी, एससी, एसटी तथा ईडब्ल्यूएस मेरिट लिस्ट के समस्त अभ्यर्थियों की प्रवेश काउंसीलिंग 11 जुलाई 2026 को एवं बीए प्रथम वर्ष अनारक्षित वर्ग, ईडब्ल्यूएस मेरिट लिस्ट के समस्त अभ्यर्थियों की प्रवेश काउंसीलिंग 13 जुलाई 2026 को एवं बीए प्रथम वर्ष ओबीसी, एससी, एसटी मेरिट लिस्ट के समस्त अभ्यर्थियों की प्रवेश काउंसीलिंग प्रक्रिया 14 जुलाई 2026 को महाविद्यालय परिसर में प्रातः 10.30 से शाम 3.30 तक सम्पन्न होगी।

मेरिट लिस्ट के अभ्यर्थी निर्धारित तिथि एवं समय पर महाविद्यालय उपस्थित होकर अपनी काउंसिलिंग अवश्य करा लें। प्रवेश हेतु माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मिर्जा पुर की समर्थ वेबसाइट पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। जिन छात्र-छात्राओं ने इस वेबसाइट पर पंजीकरण किए बिना ही ओबरा महाविद्यालय में प्रवेश का ऑनलाइन फॉर्म भर दिया है, वे काउंसलिंग से पहले अपना पंजीकरण अवश्य करा लें,क्योंकि इसके बिना अभ्यर्थी को प्रवेश हेतु पात्र नहीं माना जाएगा।

काउंसिलिंग के समय अभ्यर्थियों को अपने साथ हाईस्कूल और इण्टर मीडिएट के अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र,स्थानांतरण प्रमाणपत्र, चरित्र प्रमाण पत्र,आधार कार्ड की प्रति, माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय मिजार्पुर के रजिस्ट्रेशन नंबर की रसीद व प्रवेश आवेदन पत्र की प्रिंट आउट की दो प्रति लाना अनिवार्य है। इसके साथ ही राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा का प्रवेश आवेदन पत्र, आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी नवीनतम जाति प्रमाण पत्र, ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र, अधिभार हेतु प्रमाण पत्र, एनसीसी, एनएसएस प्रमाण पत्र, स्काउट गाइड, स्पोर्ट्स प्रमाण पत्र की मूल प्रति एवं समस्त प्रमाणपत्रों की स्वप्रमाणित फोटोकॉपी लाना अनिवार्य है। यदि एक या दो वर्ष का अंतराल है, तो रु 10 के स्टाम्प पेपर पर नोटरी द्वारा प्रमाणित शपथ पत्र भी साथ लाना अनिवार्य है। प्रवेश हेतु जारी मेरिट या काउंसिलिंग से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए अभ्यर्थी प्रवेश समन्वयक व परीक्षा प्रभारी प्रो उपेन्द्र कुमार से संपर्क कर सकते हैं।

ओबरा में शिक्षकों को मिले कैशलेस चिकित्सा कार्ड, मुख्यमंत्री ने डीबीटी योजना का किया शुभारंभ

समाज जागरण/ शिव प्रताप सिंह

ओबरा/ सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा कार्ड का वितरण समारोहपूर्वक किया गया। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण) योजना का भी शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के अनुरूप प्रदेशभर में आयोजित किया गया। सोनभद्र के ओबरा तहसील सभागार में सेवारत शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक और रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा योजना के कार्ड वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के लाइव प्रसारण के माध्यम से डीबीटी योजना का शुभारंभ हुआ। इसके तहत, प्रदेश के सभी परिषदीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के अभिभावकों के बैंक खातों में यूनिफॉर्म, जूते, मोजे, बैग और स्वेटर खरीदने के लिए ड्ट1200 की धनराशि हस्तांतरित की गई। यह राशि सीधे लाभार्थियों तक पहुंचेगी। सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से एसबीआई बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए। इसके अतिरिक्त, "हरित एवं स्वच्छ विद्यालय" अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चयनित शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

ओबरा तहसील सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि चोपन विकासखंड की ब्लॉक प्रमुख लीला देवी गोंड थीं। अति विशिष्ट अतिथि रूबी मिश्रा, विशिष्ट अतिथि तहसीलदार नरेंद्र राम, नायब तहसीलदार रजनीश यादव, खंड विकास अधिकारी (कोन) जितेंद्र नाथ दुबे, खंड शिक्षा अधिकारी (कोन) विश्वजीत और खंड शिक्षा अधिकारी (चोपन) लोकेश कुमार मिश्रा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया, जिसमें चोपन और कोन विकासखंड के 200 से अधिक शिक्षक,

शिक्षामित्र, अनुदेशक और रसोइयों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संयोजन खंड शिक्षा अधिकारी चोपन लोकेश कुमार मिश्रा ने किया, जबकि मंच संचालन राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक मनीष पटेल ने किया। कार्यक्रम की रूपरेखा और समन्वय की जिम्मेदारी खंड शिक्षा अधिकारी कोन विश्वजीत और खंड शिक्षा अधिकारी चोपन लोकेश कुमार मिश्रा को संयुक्त रूप से सौंपी गई थी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों के हित में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय वृद्धि के संबंध में भी चर्चा की। कार्यक्रम का समापन खंड शिक्षा अधिकारी कोन विश्वजीत द्वारा सभी अतिथियों और उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह कार्यक्रम उत्साह, गरिमा और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मोबाइल शॉप की दुकान में घुसा अनियंत्रित डीसीएम ट्रक, लाखों की क्षति

•~ पुलिया की रेलिंग टूटी, कच्चा घर भी धराशायी, नहीं कोई हताहत

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्रक शाहगंज थाना क्षेत्र के कलवारी -खलियारी स्टेट हाईवे पर ढुटेर गांव में स्थित एक मोबाइल शॉप की दुकान में बुधवार की सुबह एक डीसीएम ट्रक अनियंत्रित होकर घुस गयाकजिससे दुकान सहित उसमें रखे लाखों रुपए के सामान नुकसान हो गये। वाकये की सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक को अपने गिरफ्त में लेते हुए मौका मुआयना किया।

प्राप्त मिली जानकारी के मुताबिक शाहगंज थाना क्षेत्र के ढुटेर (नवाटोला)गांव निवासी राजेश चौहान ने गांव में ही रॉबर्ट्सगंज-घोरावल मुख्य मार्ग पर अपने घर के सामने गुमती में मोबाइल शॉप और जनसेवा केंद्र की दुकान रखकर अपने परिवार का जीवित्कोपार्जन करता था। बुधवार की सुबह करीब 6:30 बजे रॉबर्ट्सगंज की तरफ से तीव्र गति से जा रही डीसीएम ट्रक अनियंत्रित होकर पुलिया में टक्कर मारते हुए गुमती में घुस गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पुलिया की रेलिंग भी टूट गई कइसके साथ ही गुमती के पीछे सटा हुआ कच्चा मकान भी जमींदोज हो गया कसंयोग ही रहा कि इस दौरान उक्त घर में कोई मौजूद नहीं थाकनहीं तो किसी बड़े हादसे से कदापि इंकार नहीं किया जा सकता था क डीसीएम चालक ने बताया कि इस वक्त उसे अचानक झपकी लग गई थी, जिससे यह घटना घटी कदुकानदार राजेश चौहान ने बताया कि इस संबंध में संबंधित पुलिस को तहरीर दे दी गई हैकभुक्तभोगी दुकानदार के अनुसार उक्त घटना में उसके दुकान में रखे कंप्यूटर, मोबाइल सहित लगभग लाखों रुपए का नुकसान हुआ हैक उन्होंने पुलिस प्रशासन से आरोपी ट्रक चालक से क्षति की भरपाई कराए जाने का आग्रह किया हैकइस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलैस चिकित्सा वितरण कार्यक्रम योजना का शुभारंभ

समाज जागरण/ उपेन्द्र तिवारी

दुद्धी/ सोनभद्र। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना अंतर्गत तहसील सभागार में बुधवार को कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख रंजना चौधरी विशिष्ट अतिथि उपजिलाधिकारी निखिल यादव एवं बीईओ प्रेम शंकर राम ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलित कर किया।इस दौरान

परिषदीय स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति कर अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने दुद्धी, म्योरपुर और बभनी ब्लाक के 10-10 अध्यापकों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड को वितरण कर औपचारिक शुरूआत की। मुख्य अतिथि श्रीमती चौधरी ने कहा कि योगी सरकार द्वारा शिक्षा विभाग से जुड़े हर कर्मचारी को कैशलेश चिकित्सीय सुविधा देने का ऐतिहासिक कदम उठाया है।इस योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपए का मुक्त इलाज की सुविधा है।जिसका सीधा लाभ शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक एवं रसोइयों को होगा।कार्यक्रम का संचालन अविनाश वाह वाह ने किया। इस दौरान अवधेश कन्नौजिया, विवेक पाण्डेय रामरक्षा, संतोष सिंह ,शैलेश मोहन सहित काफी संख्या में शिक्षा विभाग से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

रजखड़ में गौशाला का शुभारंभ एवं उद्घाटन समारोह संपन्न, गो-पूजन के साथ हुआ कार्यक्रम का आयोजन

समाज जागरण/ उपेन्द्र तिवारी

दुद्धी/ सोनभद्र। विकासखंड दुद्धी के ग्राम रजखड़ में बुधवार को प्रकृति संस्कृति संस्थान के तत्वावधान में गौशाला का शुभारंभ एवं उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं गो-पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर सुंदरकांड पाठ एवं प्रसाद वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार मिश्रा रहे। उन्होंने गौ-संरक्षण एवं गौ-पालन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गौशालाएं केवल पशुओं के संरक्षण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपरा की धरोहर भी हैं। इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि बृजेश कुशवाहा, पूर्व प्रधान विंध्याचल प्रसाद, सुरेंद्र सोनी, बीना सोनी, सदानंद सोनी, सुशीला सोनी, नेहा सोनी, तारा सोनी, उप पशु चिकित्सा अधिकारी रुद्रेश यादव तथा पशुधन प्रसार अधिकारी हिमांशु गौड़ सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने गौ-संरक्षण और गौ-सेवा के लिए हर संभव सहयोग का संकल्प लिया।

एक महीने से विद्युत ट्रांसफार्मर खराब, ग्रामीणों का प्रदर्शन

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। जनपद के चोपन विकास खंड स्थित ग्राम पंचायत अगोरी खास के टोला बिजौरा में पिछले एक महीने से विद्युत ट्रांसफार्मर खराब है। इसके कारण ग्रामीणों को भीषण बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है। लगातार शिकायतों के बावजूद ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाने से नाराज ग्रामीणों ने समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश सचिव प्रदीप यादव के नेतृत्व में प्रदर्शन किया और विद्युत विभाग के खिलाफ रोष व्यक्त किया। ग्रामीणों ने बताया कि भीषण गर्मी के बीच बिजली न होने से पेयजल की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। बच्चों की पढ़ाई, किसानों के कार्य और दैनिक जीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। उनका आरोप है कि कई बार संबंधित अधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रदर्शन के दौरान समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश सचिव प्रदीप यादव ने कहा कि एक महीने से ट्रांसफार्मर का खराब होना विभाग की घोर लापरवाही को दशार्ता है। उन्होंने मांग की कि ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए तत्काल नया ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल की जाए। यादव ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीणों के साथ मिलकर व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और विद्युत विभाग की होगी। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर बदलवाकर नियमित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। इस प्रदर्शन में शुभम माले, भोलानाथ, भोला, लीलावती, मुन्नी देवी, मनीष और अनराजी सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत जनपद में चला व्यापक स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के अंतर्गत जनपद में गुरुवार को व्यापक स्तर पर स्वच्छता एवं जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किए गए। अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई, झाड़ियों की कटाई, खराब हैंडपंपों का निरीक्षण तथा नालियों की सफाई कराई गई। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर संचारी रोगों की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाए गए। अभियान के दौरान सफाईकर्मियों, ग्राम पंचायत सहायकों, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकताओं तथा स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने लोगों को संचारी रोगों से बचाव, स्वच्छता अपनाने तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक किया। आज संचालित अभियान के अंतर्गत जनपद के विद्यालयों में बच्चों को संचारी रोगों से बचाव के संबंध में जागरूक किया गया। ग्रामों में नालियों की सफाई कराई गई कई स्थानों पर झाड़ियों की कटाई की गई। इसके अलावा हैंडपंपों का मरम्मत कार्य कराया गया और वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के तहत पशुपालकों को भी जागरूक किया गया तथा कृषक संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत कुल बैठकों का आयोजन कर ग्रामीणों को स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं संचारी रोगों की रोकथाम के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आमजन से अपील की है कि वे अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें, जलभराव न होने दें तथा संचारी रोगों से बचाव हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

विद्यालयों में आपदा जागरूकता अभियान, छात्र-छात्राओं को आपदा से बचाव के उपायों की दी जा रही जानकारी

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में जनपद के समस्त प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्या लयों में आपदा जागरूकता अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसरों में आपदा से बचाव एवं सुरक्षा संबंधी पोस्टर लगाए जा रहे हैं, ताकि छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अभिभावकों में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। प्रतिदिन प्रार्थना सभा एवं कक्षा शिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को भूकंप, आकाशीय बिजली, बाढ़, आग लगने तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के समय अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही विद्यार्थियों को बताया जा रहा है कि आपदा की स्थिति में घबराने के बजाय संयम बनाए रखें, सुरक्षित स्थान पर जाएं, प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा अफवाहों से बचें। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में आपदा के प्रति जागरूकता विकसित करना, जोखिम को कम करना तथा उन्हें स्वयं के साथ-साथ परिवार और समाज की सुरक्षा के प्रति भी जिम्मेदार बनाना है। विद्यालयों में यह जागरूकता गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं, जिससे आपदा प्रबंधन के प्रति व्यापक जनजागरूकता विकसित हो सके।

खरीफ अभियान 2026 जनपद में किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में यूरिया एवं डीएपी उर्वरक उपलब्ध

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। खरीफ अभियान 2026 के अंतर्गत जनपद के किसानों को पर्याप्त मात्रा में यूरिया एवं फास्फेटिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की संस्तुति के आधार पर जनपद की 41 सहकारी समितियों को कुल 603.36 मीट्रिक टन यूरिया तथा 36 सहकारी समितियों को कुल 462.00 मीट्रिक टन डीएपी उर्वरक का आवंटन स्वीकृत किया गया है। पीसीएफ द्वारा सहकारी समितियों एवं उर्वरक बिक्री केंद्रों पर उर्वरक भेजने की कार्यवाही जारी है।

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने किसानों से अपील की है कि वे अपने निकटतम सहकारी समिति अथवा अधिकृत उर्वरक केंद्र से संपर्क कर आवश्यक उर्वरक निर्धारित मूल्य पर ही प्राप्त करें। यदि कहीं कालाबाजारी, ओवररेटिंग अथवा कृत्रिम अभाव की सूचना मिले तो तत्काल सहकारिता विभाग के कंट्रोल रूम, जिला कृषि अधिकारी कार्यालय अथवा उप कृषि निदेशक कार्यालय को सूचित करें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी बोले- दोषी कोई भी हो , राम मंदिर मामले में नहीं बख्शा जाएगा

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर सोनभद्र पहुंचे। जिले में उनके आगमन पर पार्टी कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया। रॉबर्ट्सगंज के बढ़ौली चौराहे पर बुलडोजर से पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यकताओं ने करीब 10 किलोमीटर तक रोड शो निकालते हुए प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। इस दौरान "भारत माता की जय" और "भाजपा जिंदाबाद" के नारों से पूरा माहौल गूंजता रहा। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत पंकज चौधरी ने भाजपा जिला कार्यालय में जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ बैठक कर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का मंत्र दिया। उन्होंने कार्यकताओं से आगामी चुनावों की तैयारियों में पूरी ताकत के साथ जुटने का आह्वान किया। दौरे के दौरान सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रदेश अध्यक्ष ने विभिन्न राजनीतिक और समसामयिक मुद्दों पर मीडिया के सवालों के जवाब दिए। अयोध्या राम मंदिर से जुड़े कथित चंदा गबन मामले पर उन्होंने कहा कि जांच जारी है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि दोषी कोई भी हो, उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। "मुगलों ने मंदिर को लूटा और सनातनियों ने मंदिर बनाकर लूटा" संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा कि यदि ऐसी कोई घटना हुई है तो वह दुर्भाग्यपूर्ण है और भविष्य में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए प्रयास किए जाएंगे। राम मंदिर मामले का 2027 के विधानसभा चुनाव पर असर पड़ने के सवाल पर पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा को इससे कोई राजनीतिक नुकसान नहीं होगा। उनका कहना था कि सरकार निष्पक्ष जांच कर रही है और विपक्ष इस मुद्दे पर केवल राजनीति कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं और भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाए, उनके बहकावे में अब देश की जनता आने वाली नहीं है।

वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय नेतृत्व, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित सामूहिक नेतृत्व के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। वहीं 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष की बढ़त पर उन्होंने कहा कि विपक्ष ने झूठा नैरेटिव फैलाकर कुछ लाभ जरूर लिया था, लेकिन अब जनता सच्चाई समझ चुकी है और दोबारा भ्रमित नहीं होगी।

एक्सक्लूसिवः टीएमयू के इंजीनियरिंग कॉलेज में एक नए युग का शंखनाद

समाज जागरण

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के स्टुडेंट्स को मिलेगा स्पेशलाइजेशन, ऑनर्स और माइनर डिग्री का लाभ, मेकाट्रॉनिक्स, एनर्जी टेक्नोलॉजी के संग-संग रोबोटिक्स एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अत्याधुनिक स्पेशलाइजेशन प्रारंभ, अनुसंधान, नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और सतत विकास आधारित इंजीनियरिंग शिक्षा पर विशेष जोर, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और हरित प्रौद्योगिकी की ओर बढ़ा टीएमयू का मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद का कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग नए सत्र से एक नए युग में मंगल प्रवेश करेगा। नवीन पाठ्यक्रम वैश्विक मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है। इन पाठ्यक्रमों में परियोजना-आधारित अधिगम, प्रयोगात्मक शिक्षण, उद्योग प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, अनुसंधान परियोजनाएं, कौशल विकास कार्यक्रम, मूल्य संवर्धित पाठ्यक्रम और उद्यमिता गतिविधियों को विशेष महत्व दिया गया है। स्टुडेंट्स को वास्तविक औद्योगिक समस्याओं पर कार्य करने, नवाचार विकसित करने और स्टार्टअप संस्कृति से जुड़ने के पर्याप्त अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी), ओपन इलेक्टिव्स, ऑनलाइन पाठ्यक्रम, उद्योग सहयोग और बहुविषयक शिक्षण जैसी व्यवस्थाएं स्टुडेंट्स को अपनी रुचि और करियर लक्ष्यों के अनुरूप शिक्षा प्राप्त करने की स्वतंत्रता प्रदान करेंगी। यह दृष्टिकोण उन्हें केवल रोजगार योग्य ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी, तकनीकी रूप से सक्षम और सामाजिक रूप से उत्तरदायी पेशेवर बनने में सहायता करेगा।

इंजीनियरिंग केवल मशीनों और उत्पादन प्रक्रियाओं तक सीमित नहींः प्रो. द्विवेदी

कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के डीन प्रो. राकेश कुमार द्विवेदी कहते हैं, आज के युग में मैकेनिकल इंजीनियरिंग केवल मशीनों और उत्पादन प्रक्रियाओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह डिजिटल तकनीकों, डेटा-आधारित निर्णय प्रणालियों, स्वचालन, रोबोटिक्स और हरित प्रौद्योगिकियों के साथ एकीकृत होकर नए आयाम प्राप्त कर रही है। इसके अंतर्गत मेकाट्रॉनिक्स, एनर्जी टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे तीन उच्च मांग वाले स्पेशलाइजेशन प्रारंभ किए गए हैं। शैक्षणिक उत्कृष्टता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन इंजीनियरिंग में ऑनर्स कार्यक्रम भी प्रारंभ किए गए हैं।

रोबोटिक्स एवम् एआई स्पेशलाइजेशन बनेगा वरदानः डॉ. हिमांश

मैकेनिकल के विभागाध्यक्ष डॉ. हिमांश कुमार कहते हैं, एनर्जी टेक्नोलॉजी स्पेशलाइजेशन वर्तमान समय की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों- ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखकर नया पाठ्यक्रम विकसित किया गया है। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियां, ऊर्जा संरक्षण, वैकल्पिक ईंधन, ऊर्जा दक्षता, स्वच्छ ऊर्जा तकनीकें और सतत विकास से जुड़े विषयों को शामिल किया गया है। यह कार्यक्रम स्टुडेंट्स को हरित ऊर्जा समाधान विकसित करने और ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करेगा। वहीं रोबोटिक्स एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्पेशलाइजेशन स्टुडेंट्स को भविष्य की बुद्धिमान तकनीकों से जोड़ता है।

'काला हिरण' के निमार्ता अमित जानी ने लगातार मिल रही धमकियों को लेकर गृह मंत्रालय, आईबी और एनआईए को लिखा पत्र, जांच और सुरक्षा बढ़ाने की मांग

- सलमान खान के कॉल, व्हाट्सएप, ई-मेल और सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने की मांग, 4 जुलाई को मिले कथित धमकी भरे वॉइस नोट का भी किया उल्लेख

समाज जागरण रविंद्र आर्य

नोएडा : फिल्म "काला हिरण" के निमार्ता अमित जानी ने दावा किया है कि उन्हें पिछले लंबे समय से लगातार जान से मारने तथा आतंकी हमलों की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने इस संबंध में गृह मंत्रालय (HMO), इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) को विस्तृत पत्र भेजकर पूरे मामले की जांच कराने, अपनी सुरक्षा का दायरा पूरे देश में बढ़ाने तथा संबंधित आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अमित जानी का कहना है कि उनकी फि ल्म "काला हिरण" को हटाने, रोकने और रिलीज नहीं होने देने के लिए उन्हें सैकड़ो धमकियां मिल चुकी हैं। उनके अनुसार, पहले भी कथित तौर पर डी कंपनी, शहजाद भट्टी, रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ के नाम से उन्हें कॉल और वॉइस रिकॉर्डिंग के माध्यम से धमकियां दी गई थीं, जिनके संबंध में उन्होंने संबंधित पुलिस थानों में शिकायतें दर्ज कराई हैं।

अमित जानी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि 4 जुलाई 2026 को उन्हें एक व्यक्ति का पाकिस्तान के फोन न से वॉइस नोट प्राप्त हुआ, जिसने स्वयं को शहजाद भट्टी का भाई बताया। अमित जानी के अनुसार, उस संदेश में कथित रूप से उन्हें 24 घंटे के भीतर फिल्म उद्योग से अपना काम छोड़ने, अन्यथा उन्हें और उनके परिवार की हत्या कर देने की धमकी दी गई। उन्होंने दावा किया कि धमकी देने वालों ने यह भी कहा कि वे सुरक्षा बलों की मौजूदगी में भी हमला कर सकते हैं।

अपने पत्र में अमित जानी ने कहा है कि वे पहले भी इन धमकियों की जानकारी संबंधित एजेंसियों को दे चुके हैं। उनका कहना है कि उत्तर प्रदेश और दिल्ली में उन्हें एक सीमा तक सुरक्षा उपलब्ध है, लेकिन राजस्थान और मुंबई जैसे अन्य राज्यों में जाना उनके लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण है। उन्होंने लिखा है कि उन्हें आशंका है कि उन पर गोली, बम या ड्रोन के माध्यम से हमला किया जा सकता है।

इसी आधार पर उन्होंने केंद्र सरकार से अपनी सुरक्षा श्रेणी बढ़ाकर ऑल इंडिया सुरक्षा कवरेज देने की मांग की है। साथ ही उन्होंने नोएडा पुलिस से भी अनुरोध किया है कि उन्हें लगातार मिल रही धमकियों के संबंध में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाए।

अमित जानी ने अपने पत्र में यह भी लिखा है कि उनका बेटा मुंबई में अकेला रहता है तथा उनका घर और कार्यालय भी वहीं है। वे मुंबई जाकर अपने परिवार के साथ रहना चाहते हैं, लेकिन वर्तमान सुरक्षा व्यवस्था मुंबई तक लागू नहीं होने के कारण ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। उनका कहना है कि अब धमकी देने वाले उनके बजाय उनके परिवार को निशाना बनाकर उन पर फिल्म रोकने का दबाव बनाना चाहते हैं।

अपने पत्र में अमित जानी ने अभिनेता सलमान खान के संबंध में भी कई आरोप लगाए हैं। उन्होंने जांच एजेंसियों से सलमान खान के कॉल रिकॉर्ड, व्हाट्सएप, ई-मेल और उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने तथा आवश्यक समझे

जाने पर पूछताछ के लिए नोटिस जारी करने की मांग की है। अमित जानी का आरोप है कि उनकी फि ल्म को रुकवाने में सलमान खान की रुचि है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें मिली एक कथित कॉल में शहजाद भट्टी ने कहा था कि यदि फि ल्म नहीं रोकी गई तो ड्रोन और ग्रेनेड से हमला किया जाएगा। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और इस संबंध में संबंधित पक्ष की प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं है।

इस बीच 8 जुलाई 2026 को अमित जानी ने रामपुर जनपद के कोतवाली थाना में भी एक लिखित तहरीर देकर नई धमकी की शिकायत दर्ज कराई है। तहरीर के अनुसार, 8 जुलाई की सुबह लगभग 9 बजे वे रामपुर के होटल मोगा में जलपान के लिए रुके थे। इसी दौरान उनके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर से +91 9974921224 व्हाट्सएप कॉल आई, जिसे उन्होंने नहीं उठाया। इसके लगभग 27 मिनट बाद उसी नंबर से एक ऑडियो संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें कथित रूप से उन्हें धमकी दी गई।

तहरीर के अनुसार, ऑडियो संदेश में कथित तौर पर कहा गया कि "अमित जानी, सुन ले। रोहित भाई ने लास्ट वार्निंग दी थी, तुम नहीं माने। अब चारों तरफ से घिर चुके हो। फि ल्म रिलीज होने से पहले ही तेरे साथ बहुत बड़ा होगा।"

अमित जानी ने अपनी शिकायत में लिखा है कि वे पहले से ही फि ल्म "काला हिरण" के कारण गैंगस्टर रोहित गोदारा, आतंकी शहजाद भट्टी और उनके सहयोगियों की ओर से लगातार जान से मारने की धमकियां मिलने की शिकायत जोधपुर, गाज़ियाबाद, नोएडा तथा दिल्ली सहित विभिन्न स्थानों पर कर चुके हैं। उनका दावा है कि यह ताजा ऑडियो संदेश भी उसी सिलसिले का हिस्सा है।

तहरीर में अमित जानी ने यह भी लिखा है कि धमकी देने वाला अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टर रोहित गोदारा का गुर्गा प्रतीत होता है, जिसके संबंध में उन्होंने जांच एजेंसियों से कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि एफबीआई द्वारा रोहित गोदारा पर कार्रवाई किए जाने की जानकारी सार्वजनिक है, जिसके कारण उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर और अधिक चिंता है।

अमित जानी ने कहा है कि लगातार मिल रही धमकियों के चलते भारत सरकार द्वारा उन्हें वाई प्लस (+) श्रेणी की सीआरपीएफ सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें लगातार धमकी भरे कॉल और ऑडियो संदेश मिल रहे हैं। उन्होंने पुलिस से उक्त मोबाइल नंबर की तकनीकी जांच कर धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान करने तथा उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

अमित जानी ने यह भी कहा है कि यदि भविष्य में उनकी, उनके परिवार या "काला हिरण" परियोजना से जुड़े किसी भी व्यक्ति की हत्या होती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक कथित शहजाद भट्टी के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। उस मामले की जांच संबंधित एजेंसियों द्वारा की जा रही है। हालांकि, उस प्रकरण और अमित जानी द्वारा लगाए गए आरोपों अथवा उन्हें मिली कथित धमकियों के बीच किसी जांच एजेंसी ने अब तक सार्वजनिक रूप से कोई आधिकारिक संबंध स्थापित नहीं किया है।

अमित जानी ने अपने पत्र के अंत में केंद्र सरकार से अपील की है कि उनकी सुरक्षा संबंधी मांगों और लगातार मिल रही धमकियों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाए।

सर्व मनोकामना पूर्ण शिव दुर्गा मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ के बाद खीर भंडारे का आयोजन

- विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के सौजन्य से सेक्टर-16 नोएडा में श्रद्धालुओं ने लिया प्रसाद

समाज जागरण नोएडा

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के सौजन्य से 7 जुलाई 2026 को सेक्टर-16 स्थित सर्व मनोकामना पूर्ण शिव दुर्गा मंदिर परिसर में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए खीर के भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक एवं सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना तथा जनमानस में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना रहा। हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान से सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की।

इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के अखंडानंद नगर प्रखंड अध्यक्ष अमर सिंह परिहार, उपाध्यक्ष रमाकांत दुबे, मंदिर के संस्थापक ब्रह्मपाल सिंह सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक रोक भाई, अर्जुन प्रसाद, लगनी देवी, सुनील ठाकुर, मुन्ना लाल, किशन देव सहनी एवं अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी समाज में धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सेवा भाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस प्रकार के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, दो शातिर गिरफ्तार

सेक्टर-63 पुलिस ने 12 चोरी की बाइक-स्कूटी, फर्जी नंबर प्लेट और चाकू किया बरामद

समाज जागरण

नोएडा। थाना सेक्टर-63 पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे एवं निशानदेही पर 12 चोरी की मोटरसाइकिल और स्कूटी, एक अवैध चाकू तथा एक फर्जी नंबर प्लेट बरामद की है। बरामद 12 वाहनों में से आठ के संबंध में एनसीआर के विभिन्न थानों में मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर एफएनजी सर्विस रोड स्थित ग्रीन बेल्ट के पास अभियान चलाकर गौरव पुत्र महेंद्र सिंह और मन्नू पुत्र

मनोज को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों ने एनसीआर क्षेत्र में लंबे समय से वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की।

जांच में सामने आया कि आरोपी पहले ऐसे स्थानों की रेकी करते थे, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे होते थे। मौका मिलते ही वहां से मोटरसाइकिल या स्कूटी चोरी कर उसे कुछ दिनों तक सुनसान स्थान पर छिपाकर रखते थे। इसके बाद वाहनों को कम कीमत पर बेच देते थे या उनके पुर्जे निकालकर अलग-अलग बेच देते थे।

पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी गौरव मूल रूप से अमरोहा का निवासी है और वर्तमान में दिल्ली के गाजीपुर क्षेत्र में रह रहा था। वह मजदूरी करने के साथ-साथ वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देता था तथा पूर्व में दिल्ली में वाहन चोरी के मामले में जेल भी जा चुका है। दूसरा आरोपी मन्नू मूल रूप से हापुड़ जिले का रहने वाला है और वर्तमान में नोएडा के छिजारसी कॉलोनी में रह रहा था। वह पंचर बनाने का काम करता था और चोरी के वाहनों को ठिकाने लगाने में गिरोह का साथ देता था।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया है। साथ ही गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश और चोरी के अन्य वाहनों की बरामदगी के लिए जांच तेज कर दी गई है।

बरामदगी

12 चोरी की मोटरसाइकिल/स्कूटी
1 अवैध चाकू
1 फर्जी नंबर प्लेट

पुलिस का कहना है कि आरोपियों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है और एनसीआर में दर्ज अन्य वाहन चोरी की घटनाओं में उनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

ईवी क्रय सब्सिडी योजना से यूपी में इलेक्ट्रिक वाहनों को मिली रफ्तार, आवेदन के मामले में लखनऊ सबसे आगे

- योगी सरकार 5 हजार से लेकर 20 लाख रुपये तक दे रही सब्सिडी, ईवी अपनाने वालों को मिल रहे कई फायदे

- प्रदेश सरकार से मिल रहे प्रोत्साहन के कारण बड़े शहरों के साथ ही छोटे जिलों में भी बढ़ रहा इलेक्ट्रिक वाहनों का क्रेज

- वर्ष 2030 तक कच्चे तेल के आयात में एक लाख करोड़ रुपये तक बचत करने की कोशिश

लखनऊ, 8 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण एवं मोबिलिटी प्रोत्साहन नीति-2022 का प्रभाव प्रदेशभर में तेजी से दिखाई दे रहा है। परिवहन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक ईवी क्रय सब्सिडी योजना के तहत प्रदेश के सभी जिलों में लोगों की रुचि इलेक्ट्रिक वाहनों में लगातार बढ़ रही है। योजना का लाभ लेने के लिए सबसे अधिक आवेदन राजधानी लखनऊ से मिले हैं। वहीं नोएडा, आगरा, गाजियाबाद और वाराणसी भी शीर्ष स्थानों पर हैं।

परिवहन विभाग के मुताबिक लखनऊ ट्रांसपोर्ट नगर आरटीओ में सबसे ज्यादा 12,520 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसके बाद आगरा में 10,752, गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) में 6,088, गाजियाबाद में 5,556, वाराणसी में 4,059, कानपुर नगर में 3,895, लखनऊ महानगर एआरटीओ में 3,839, सहारनपुर में 3,768, गोरखपुर में 3,204 और प्रयागराज में 3,110 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

छोटे शहरों में भी बढ़ रहा ईवी का चलन

प्रदेश के छोटे जिलों में भी इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति लोगों का रुझान बढ़ रहा है। मऊ में ईवी क्रय सब्सिडी योजना के तहत 817 आवेदन, गाजीपुर में 750, कुशीनगर में 547, उन्नाव में 387, संत कबीर नगर में 101, महाराजगंज में 170 और सिद्धार्थनगर में 74 आवेदन प्राप्त हुए हैं। यह आंकड़े दशार्ते हैं कि प्रदेश के बड़े शहरों के साथ-साथ अन्य जिलों में भी इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर लोगों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है।

रोड टैक्स, पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट

प्रदेश सरकार की इस योजना से वाहन मालिकों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ मिल रहा है। दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर 5 हजार रुपये की राज्य सब्सिडी दी जा रही है। इसके अलावा रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट भी प्रदान की जा रही है। इतना ही नहीं, स्मार्ट कार्ड आरसी और एचएसआरपी नंबर प्लेट शुल्क में भी राहत मिलने से एक दोपहिया ईवी खरीदने पर कुल करीब 18 हजार रुपये तक की बचत संभव हो रही है।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि योजना के तहत गैर सरकारी ई-बसों पर पर 20 लाख रुपये तक, चार पहिया वाहनों पर 1 लाख रुपये तक और दो पहिया वाहन पर 5 हजार रुपये तक छूट दी जा रही है। लोगों को इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ लेना चाहिए। इससे जीरो एमिशन के लक्ष्य को प्राप्त कर पर्यावरण बेहतर बनाया जा सकता है।

पेट्रोल-डीजल की तुलना में ईवी किफायती

परिवहन विभाग के मुताबिक इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने वाले उपभोक्ताओं को केवल खरीद के समय ही नहीं, बल्कि संचालन के दौरान भी लाभ मिलता है। पेट्रोल और डीजल वाहनों की तुलना में ईवी की प्रति किलोमीटर परिचालन लागत कम होने से रोजाना यात्रा करने वालों को हर वर्ष हजारों रुपये की बचत हो रही है।

सरकार की यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित हो रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग से पेट्रोल और डीजल की खपत कम हो रही है, जिससे वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन में कमी आ रही है। वहीं योगी सरकार का लक्ष्य शून्य उत्सर्जन (जीरो एमिशन) वाले वाहनों को बढ़ावा देकर प्रदेश को स्वच्छ और हरित परिवहन व्यवस्था की ओर अग्रसर करना है।

कच्चे तेल के आयात में आएगी भारी कमी

परिवहन विभाग के मुताबिक यदि वर्ष 2030 तक देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत तक पहुंचती है तो कच्चे तेल के आयात बिल में लगभग एक लाख करोड़ रुपये तक की बचत संभव है। इस लक्ष्य में उत्तर प्रदेश का योगदान भी अहम होगा, जिसके लिए अधिक से अधिक लोगों को ईवी क्रय सब्सिडी योजना का लाभ दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने आषाढ़ में 'शिक्षा परिवार' पर की 'समृद्धि की बारिश'

- सीएम योगी ने किया 12 लाख शिक्षणकर्मियों के लिए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ

- 1.10 करोड़ विद्यार्थियों की यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्वेटर, स्कूल बैग, स्टेशनरी के लिए 1200 रुपये प्रति विद्यार्थी के हिसाब से अभिभावकों के खाते में 1320 करोड़ रुपये का अंतरण भी किया सीएम योगी ने

- 10 लाख शिक्षकों व संविदा कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू

- सीएम ने अन्य सरकारी विभागों व निजी क्षेत्र से भी अपने कार्मिकों को सामाजिक सुरक्षा गारंटी देने को कहा

- पिछली सरकार पर कसा तंज, कहा- यूपी के एक नेता कहते थे कि नकल हमारा जन्मसिद्ध अधिकार

वाराणसी, 8 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आषाढ़ मास में बाबा विश्वनाथ की धरा से उत्तर प्रदेश के ह्यशिक्षा परिवारल्ल पर ह्यसमृद्धि की बारिशल्ल की। उन्होंने शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, उनके आश्रितों, बच्चों, संविदा कर्मियों आदि को बड़ी सौगात दी। सीएम ने इसके साथ ही शिक्षकों से अपील की कि आप अनुशासित वातावरण बनाकर बच्चों को मेहनत व प्यार से पढ़ाकर गढ़िए। देश का भविष्य अच्छा होगा तो हर नागरिक का भविष्य अच्छा हो जाएगा। स्कूल का वातावरण स्वच्छ, सुंदर, अनुशासित और आध्यात्मिक तेज से परिपूर्ण दिखे। आप बच्चों का ध्यान दें, सरकार आपका ध्यान रखेगी। हर बच्चा स्कूल जाए, यह नागरिकों, शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों का दायित्व है। सीएम ने सरकार के अन्य विभागों व निजी क्षेत्र से भी अपने कार्मिकों को सामाजिक सुरक्षा गारंटी देने को कहा।

सीएम योगी ने बुधवार को 12 लाख शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व उनके आश्रितों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने वाली मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने 1.10 करोड़ विद्यार्थियों की यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्वेटर, स्कूल बैग, स्टेशनरी के लिए 1200 रुपये प्रति विद्यार्थी के हिसाब से उनके अभिभावकों के खाते में कुल 1320 करोड़ की धनराशि का अंतरण किया। इस अवसर पर 10 लाख शिक्षकों व संविदा कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू भी किया गया। यह कार्यक्रम प्रदेश भर में 404 स्थानों पर आयोजित किया गया।

बच्चे अबोध, उन्हें सही राह दिखाना हर शिक्षक का दायित्व

सीएम योगी ने बच्चों की दो यूनिफॉर्म, बैग, बुक, स्वेटर, जूता-मोजा आदि के लिए अंतरण की गई राशि का जिक्र कर शिक्षकों से कहा कि आपका दायित्व है कि विद्यालय स्वच्छ व अच्छा लगे। विद्यालय के आंतरिक अनुशासन को बनाए रखने के लिए बच्चे निर्धारित यूनिफॉर्म, जूते-मोजे, सर्दी में स्वेटर आदि पहनकर आएं। कल कुछ जगह छोटे बच्चे यूनिफॉर्म में ही बारिश में नहाते दिखे। बच्चे अबोध हैं, उन्हें सही राह दिखाना शिक्षकों का कर्तव्य और राष्ट्रीय दायित्व भी है। शिक्षक बच्चों को बताएं कि दोनों यूनिफॉर्म 3-3 दिन पहनें। गंदा होने पर इसे धोएं। खेलते समय दूसरे कपड़े पहनें और स्कूल से लौटकर वही जूते-मोजे पहनकर न खेलें। विद्यालयीय व सामान्य कामकाज के बारे में बताएंगे तो यह बच्चों के लिए प्रेरणा होगा, साथ ही स्वच्छ भारत मिशन की सफलता को और ऊंचाई तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। सीएम ने आश्वस्त किया कि नए नामांकन के बाद भी कोई बच्चा इस सुविधा से छूटने नहीं पाएगा।

सरकार दे रही सामाजिक सुरक्षा की गारंटी, कैशलेस सुविधा के लिए 450 करोड़ रुपये का करेगी वार्षिक भुगतान

सीएम ने कहा कि बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग ने भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू कर हर शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक को सामाजिक सुरक्षा की गारंटी दी है। यूपी पहला राज्य है, जिसने इसे लागू किया। स्थायी शिक्षक और कार्मिकों, जिनका वेतन 10 हजार रुपये से अधिक है, उन्हें 10 लाख रुपये का ग्रुप टर्म इंश्योरेंस कवर, जिसमें एक करोड़ रुपये का पर्सनल एक्सीडेंट कवर, एक करोड़ का स्थायी दिव्यांगता कवर, 1.6 करोड़ का एयर एक्सीडेंट इंश्योरेंस कवर और किसी अनहोनी पर बच्चों की शिक्षा व पुत्रियों के विवाह के लिए एड ऑन कवर प्रदान किया जाएगा। संविदाकर्मियों (वेतन 10 हजार से अधिक होने पर) को 30 से 80 लाख तक पर्सनल एक्सीडेंट इंश्योरेंस कवर, स्थायी/आंशिक दिव्यांगता पर 30 से 15 लाख का इंश्योरेंस कवर, एयर एक्सीडेंट पर 30 से 80 लाख तक इंश्योरेंस कवर, अनहोनी की स्थिति में बच्चों की शिक्षा व पुत्रियों के विवाह के लिए एड ऑन कवर प्रदान किया जाएगा। 10 हजार से कम नेट मासिक वेतन वाले कार्मिकों को जीरो बैलेंस अकाउंट के एटीएम कार्ड या पर्सनल एक्सीडेंटल पॉलिसी के आधार पर दो लाख रुपये का कवर प्रदान किया जाएगा। इससे अल्पवेतन भोगियों को भी सुविधाएं प्रदान होंगी। कैशलेस सुविधा के लिए 450 करोड़ रुपये का वार्षिक भुगतान प्रदेश सरकार करेगी।

आप बच्चों पर ध्यान दें, सरकार आपका ध्यान रखेगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में पहले भी संभावनाएं थीं। एक समय अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत देश के कई राज्यों में उत्तर प्रदेश से शिक्षक जाते थे। एक बार जब मैंने केंद्रीय मंत्री किरिन रिजिजू से पूछा कि वहां सब लोग बहुत अच्छी हिंदी बोलते हैं तो उन्होंने बताया कि हमारे यहां सभी शिक्षक यूपी से ही आए हैं। मध्य प्रदेश दौरे पर गया तो पता चला कि अलीगढ़, एटा, कासगंज, इटावा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, मैनपुरी आदि जनपदों के लोग वहां कार्यरत हैं। जब संवाद किया तो पता चला कि उनके पूर्वज शिक्षक के रूप में यहां आए थे। लेकिन, एक समय ऐसा भी आया, जब कुछ लोगों ने निजी स्वार्थ के लिए यूपी की शिक्षा को बर्बाद कर दिया था।

शिक्षा की उपेक्षा से यूपी बना था बीमारू

सीएम ने कहा कि शिक्षा समाज की आधारशिला है, इसके बिना कुछ भी हो पाना असंभव है। पीएम मोदी जी ने देशवासियों से कहा है कि विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करने की आधारशिला शिक्षा ही बनेगी। इसके लिए उन्होंने भारत की परंपराओं पर आधारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की। शिक्षा के बिना कुछ भी नहीं कर सकते। शिक्षा की उपेक्षा से ही यूपी ह्यबीमारूल्ल हो गया था। 9 साल पहले नौकरी के लिए भटकने वालों को यूपी के बाहर हेय दृष्टि से देखा जाता था, लेकिन डबल इंजन सरकार के प्रयास से अब पहचान का संकट नहीं रहा। शिक्षा पर किया गया निवेश कभी व्यर्थ नहीं जाता। शिक्षा का उन्नयन हुआ तो यूपी तेजी से दौड़ता दिख रहा है।

अब यूपी में नकल मुक्त शिक्षा, रोकी गई समय की बबार्दी

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब यूपी में नकल विहीन शिक्षा हो रही है, लेकिन पहले बहुत विचित्र स्थिति थी। दो-तीन महीने तक माध्यमिक शिक्षा की परीक्षाएं चलती थीं, फिर दो-तीन महीने में रिजल्ट आता था। इससे आधा साल बर्बाद हो जाता था और कुछ समय त्योहारों आदि में निकल जाता था, पढ़ाई कब होती? लेकिन अब 14 दिन के भीतर परीक्षा होती है और अगले 15 दिन के भीतर परिणाम आ जाता है। एक महीने के अंदर ही सब कुछ हो जाता है। इस परीक्षा में 56 लाख बच्चे शामिल होते हैं।

यूपी था नकल का अड्डा, अन्य राज्यों से आते थे लोग परीक्षा देने

मुख्यमंत्री ने तंज कसा कि पहले हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब आदि दूसरे राज्यों के लोग परीक्षा देने बलिया, गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़ आते थे। यह देख लगा कि दाल में कुछ काला है। यूपी व अन्य राज्यों के नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले ऐसे सारे अड्डे हमने बंद कराए। सीएम ने तंज कसा कि यूपी के एक नेता तो कहते थे कि नकल करना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। लेकिन, देश के भविष्य और अखंडता के साथ खिलवाड़ का अधिकार किसी को नहीं है। आचार्य चाणक्य, डॉ. राधाकृष्णन, मदन मोहन मालवीय हमारे आदर्श हैं। चाणक्य जैसा गुरु होगा तो देश कभी विपन्न नहीं हो सकता और विदेशी ताकतें आंख उठाकर नहीं देख सकतीं।

9 वर्ष में शिक्षकों ने की मेहनत

सीएम ने शिक्षकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आपने 9 वर्ष में काफी मेहनत और प्रयास किए हैं। ऑपरेशन कायाकल्प, प्रोजेक्ट अलंकार, निपुण भारत आदि योजनाओं के अंतर्गत किए गए प्रयास सराहनीय हैं।

बहल की नई अनाज मंडी में 10 से 16 जुलाई तक लगेगा काले कंबल वाले बाबा का आरोग्य शिविर

श्री गणेश यादव जी के सान्निध्य में आयोजित होगा सात दिवसीय शिविर, विभिन्न रोगों के उपचार का दावा

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

बहल। बहल की नई अनाज मंडी में पहली बार काले कंबल वाले बाबा के नाम से प्रसिद्ध श्री गणेश यादव का सात दिवसीय आरोग्य शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर 10 जुलाई 2026 से 16 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन नई अनाज मंडी परिसर में चलेगा। शिविर को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं तथा आयोजन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। शिविर के आयोजक रामचन्द्र टांडी (वॉइस चेयरमैन, मार्किट कमेटी बहल) ने बताया कि शिविर में श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में क्षेत्र सहित आसपास के जिलों से भी लोगों के पहुंचने की संभावना है,

जिसके मद्देनजर सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

आयोजकों के अनुसार शिविर में गठिया, सर्वाइकल, उच्च रक्तचाप (बी.पी.), शुगर, लकवा, पोलियो तथा जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं से पीड़ित लोगों के उपचार का दावा किया गया है। श्रद्धालुओं में इस शिविर को लेकर उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। प्रवीन गोदारा वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवक हांसी ने बताया कि यह आरोग्य शिविर 10 जुलाई से 16 जुलाई तक बहल की नई अनाज मंडी में आयोजित होगा। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की।

बीआरसीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, बहल की चार छात्राओं का एआईसीटीई की 'प्रगति छात्रवृत्ति' के लिए चयन

चयनित छात्राओं को प्रति वर्ष 50000 रूपए प्रति छात्रा को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी,

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

बहल । बीआरसीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, बहल के लिए यह हर्ष और गौरव का विषय है कि कॉलेज की चार छात्राओं का अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) द्वारा संचालित प्रतिष्ठित " छात्राओं के लिए प्रगति छात्रवृत्ति योजना" के अंतर्गत चयन हुआ है। चयनित छात्राओं को प्रति वर्ष 50000रूपए प्रति छात्रा को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जिससे

उन्हें अपनी तकनीकी शिक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने में आर्थिक सहायता प्राप्त होगी। इस छात्रवृत्ति के लिए चयनित छात्राओं में निर्मल, कुमकुम, तनु एवं प्रीति शामिल हैं। चारों छात्राएं बी.टेक. कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की मेधावी छात्राएं हैं। उनकी यह उपलब्धि से न केवल कॉलेज परिवार बल्कि उनके अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों के लिए भी हर्ष का विषय है।

प्रगति छात्रवृत्ति योजना भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा संचालित एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य तकनीकी शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी को बढ़ावा देना तथा आर्थिक रूप से सहायता प्रदान कर उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है। इस योजना के अंतर्गत पात्र छात्राओं को प्रति वर्ष ₹50,000 की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वे ट्यूशन फीस, अध्ययन सामग्री, पुस्तकें, कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर, परियोजनाओं एवं अन्य शैक्षणिक आवश्यकताओं का व्यय वहन कर सकें। यह योजना देशभर की प्रतिभाशाली छात्राओं को तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है तथा "बेटी पढ़ाओ, बेटी बढ़ाओ" की भावना को सशक्त बनाती है।

इस अवसर पर बीआरसीएम शिक्षण समिति के निदेशक डॉ एस के सिन्हा एवं कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुज कुमार शर्मा ने चयनित छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी मेहनत, लगन और प्रतिभा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बीआर सीएम कॉलेज सदैव गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा, नवाचार एवं छात्र-हितैषी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

कॉलेज में विद्यार्थियों को विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की छात्रवृत्तियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अनुसंधान गतिविधियों एवं कौशल विकास योजनाओं की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराई जाती है, ताकि वे अधिक से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

सड़क किनारे खड़ी ई-रिक्शा लेकर फरार , तीन युवकों पर आरोप

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

थाना क्षेत्र के बिजलीघर मार्ग निवासी एक ई-रिक्शा चालक ने मोहल्ले के ही तीन युवकों पर उसका ई-रिक्शा लेकर फरार होने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। थाना क्षेत्र के थाना क्षेत्र के बिजलीघर मार्ग निवासी शमीम ने बताया कि वह ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। बुधवार को बारिश के दौरान भीगने के बाद वह बुढ़ाना मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के सामने एक चाय की दुकान पर चाय पीने के लिए रुका था। उसने अपना ई-रिक्शा दुकान के बाहर सड़क किनारे खड़ा कर दिया।आरोप है कि इसी दौरान मोहल्ले के ही तीन युवक

उसके ई-रिक्शा में बैठ गए और उसे बातों में उलझाकर ई-रिक्शा लेकर फरार हो गए। काफी देर बाद जब उसकी नजर ई-रिक्शा पर पड़ी तो वह वहां नहीं था। पीड़ित ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन ई-रिक्शा का कोई सुराग नहीं लग सका।इसके बाद पीड़ित व्यक्ति ने अपने परिवार के साथ थाने पहुंचकर तहरीर पुलिस को देखकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

किसानों के हक की बड़ी जीत :

रबी- २०२३ सरसों का ५२ करोड़ रुपये का बकाया फसल बीमा क्लेम जल्द मिलेगा, मुख्यमंत्री नायब सैनी का आभार : पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल

जेपी दलाल ने लोहारू क्षेत्र के सभी किसानों की ओर से मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी तथा हरियाणा सरकार का हृदय से किया आभार व्यक्त

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

बहल-लोहारू, 8 जुलाई। पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल ने किसानों के हित में हरियाणा सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदम का स्वागत करते हुए इसे प्रदेश के अन्नदाताओं की बड़ी जीत बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के संवेदनशील नेतृत्व और त्वरित निर्णय क्षमता के कारण रबी-2023 (सरसों) का लगभग 52 करोड़ रुपये का बकाया फसल बीमा क्लेम अब जल्द ही किसानों के बैंक खातों में पहुंचने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल ने बताया कि जून माह में सिवानी मंडी में आयोजित जनसभा के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष फसल बीमा कंपनियों की मनमानी, किसानों के प्रति उनके अड़ियल रवैये तथा लंबित बीमा दावों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की थी कि किसानों को उनका न्यायोचित हक दिलाने के लिए सरकार सख्त कदम उठाए। मुख्यमंत्री ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सरकार की इसी दृढ़ इच्छाशक्ति और सख्ती का परिणाम है कि रबी-2023 के बकाया फसल बीमा क्लेम के मामले में संबंधित बीमा कंपनी को आखिरकार बैकफुट पर आना पड़ा। कंपनी ने हाईकोर्ट में चल रही अपनी कार्रवाई वापस ले ली है, जिससे किसानों को राहत

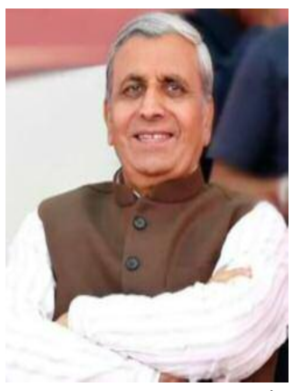

मिलने का रास्ता साफ हो गया है। अब रबी-2023 (सरसों) का लगभग 52 करोड़ रुपये का बकाया फसल बीमा क्लेम शीघ्र ही सीधे पात्र किसानों के बैंक खातों में जमा कराया जाएगा।

पूर्व कृषि मंत्री ने कहा कि यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि किसानों के अधिकारों की जीत और सरकार की किसान हितैषी नीतियों का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी और अन्नदाता के हक की रक्षा के लिए हर स्तर पर मजबूती से खड़ी है। जेपी दलाल ने लोहारू क्षेत्र के सभी किसानों की ओर से मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी तथा हरियाणा सरकार का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने उनकी मांग पर तुरंत संज्ञान लिया और किसानों के हित में निर्णायक कदम उठाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यह निर्णय किसानों के प्रति उनकी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा कि खरीफ-2023 फसल बीमा क्लेम के मामले में भी मुख्यमंत्री के निर्देश पर गठित समिति पहले ही किसानों के पक्ष में अपना निर्णय दे चुकी है। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में खरीफ-2023 (कपास) का लंबित फसल बीमा क्लेम भी शीघ्र किसानों को मिलेगा, जिससे हजारों किसान परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी।

जेपी दलाल ने कहा कि हरियाणा सरकार किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। फसल बीमा, सिंचाई, आधुनिक कृषि तकनीक, न्यूनतम समर्थन मूल्य और किसान हित से जुड़े प्रत्येक विषय पर सरकार पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, उनकी आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा कृषि क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार भविष्य में भी किसानों के हितों की रक्षा करते हुए उनके हर न्यायोचित अधिकार को सुनिश्चित करेगी और प्रदेश का किसान इसी प्रकार विकास एवं समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

तहसील में कानूनगो 6 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

समाज जागरण कैराना।(फुरकान जंग)

सहारनपुर एंटी करप्शन टीम ने बुधवार को कैराना तहसील में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्व निरीक्षक (कानूनगो) धर्मवीर सिंह को छह हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद तहसील परिसर में हड़कंप मच गया और कर्मचारी, अधिवक्ता व फरियादियों की भीड़ मौके पर जुट गई। तहसील क्षेत्र के गांव वैदखेड़ी निवासी किसान श्रीनिवास की भूमि की पैमाइश के आदेश एसडीएम कैराना द्वारा जारी किए गए थे। आरोप है कि पैमाइश कराने के नाम पर राजस्व निरीक्षक धर्मवीर सिंह ने किसान से छह हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। रिश्वत मांगने से परेशान किसान ने इसकी शिकायत सहारनपुर एंटी करप्शन संगठन से

की।शिकायत मिलने के बाद एंटी करप्शन टीम ने मामले का सत्यापन किया और योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया। बुधवार को किसान श्रीनिवास ने तय योजना के अनुसार जैसे ही राजस्व निरीक्षक को रिश्वत की रकम सौंपी, पहले से मौजूद टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथ दबोच लिया। कार्रवाई टीम प्रभारी कुंधलबीर सिंह के नेतृत्व में की गई।छापेमारी के दौरान टीम ने तहसील में कार्यरत एक निजी कर्मचारी से भी पूछताछ की। इसके बाद आरोपी राजस्व निरीक्षक को हिरासत में लेकर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करने सहित अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई।दिनदहाड़े हुई इस कार्रवाई से कैराना तहसील परिसर में अफरा-तफरी का माहौल रहा। पूरे दिन तहसील में एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई चर्चा का विषय बनी रही और लोग मामले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं करते नजर आए।

उप-राष्ट्रपति समुद्र में मछली पकड़ने के टिकाऊ तरीकों के लिए 'अधिकार-पत्र' और ओडिशा के गहरे समुद्र में मत्स्य पालन मिशन दस्तावेज का शुभारंभ करेंगे

मत्स्य सहकारी समितियों तथा मत्स्य किसान उत्पादक संगठनों (एफएफपीओ) के माध्यम से मत्स्य क्षेत्र को बढ़ावा देने पर विशेष बल

भारत सरकार का मत्स्य पालन विभाग 9 जुलाई, 2026 को ओडिशा के भुवनेश्वर में 'गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के टिकाऊ तरीकों के लिए अधिकार पत्र (एलओए)' का राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। उप-राष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के टिकाऊ तरीकों के पर विशेष बल दे रहा है।

उप-राष्ट्रपति राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) सहित मत्स्य सहकारी समितियों और मछली पकड़ने वाले जहाजों के मालिकों को अधिकार पत्र (एलओए) वितरित करेंगे, जिससे पात्र भारतीय झंडे वाले मछली पकड़ने वाले जहाजों को गहरे अंतरराष्ट्रीय समुद्र में विनियमित

करेंगे। उप-राष्ट्रपति इस कार्यक्रम के दौरान 'ओडिशा के गहरे समुद्र में मत्स्य पालन मिशन दस्तावेज' की भी शुरूआत करेंगे। इस राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम में ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कम्भमपति; ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी; केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी और पंचायती राज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह; केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ-साथ मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी और पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एस. पी. सिंह बघेल; मत्स्य पालन और एआरडी (पशु संसाधन विकास) तथा एमएसएमई राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार), ओडिशा सरकार, श्री गोकुलानंद मल्लिक; संसद सदस्य (भुवनेश्वर) श्रीमती अपराजिता सारंगी; संसद सदस्य (कंधमाल) श्री सुकांत पाणिग्रही;

और विधायक(खोरधा) श्री प्रशांत कुमार जगदेव गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इस कार्यक्रम में ओडिशा सरकार, संबंधित मंत्रालयों और विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ महिला मत्स्य पालकों और मछुआरों सहित लगभग 1,000 मत्स्य पालक और मछुआरे व्यक्तिगत रूप से शामिल होंगे। भारत सरकार का मत्स्य पालन विभाग विभिन्न पहलों के माध्यम से मत्स्य पालन क्षेत्र के डिजिटलीकरण पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ मत्स्य किसान उत्पादक

संगठनों (एफएफपीओ) और मत्स्य सहकारी समितियों को मजबूत करने

मिलेगा। अधिकार पत्र प्राप्त करने वाली मत्स्य सहकारी समितियों में श्री महावीर मच्छीमार सहकारी मंडली लिमिटेड, श्री मार्तंड प्रसन्न कोलाबा मत्स्योद्योग विविध कार्यकारी सहकारी संस्था मर्यादित, साउथ गोवा मैकेनाइज्ड बोट ओनर्स कोऑपरेटिव एंड मार्केटिंग सोसाइटी लिमिटेड, पारादीप मरीन प्राइमरी फिश प्रोडक्शन एंड मार्केटिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, थेन्गापट्टनम डीप सी फिश प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव सोसाइटी और माल्पे फिशरमेन प्राइमरी को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड शामिल हैं। अधिकार पत्र 'भारतीय ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाजों द्वारा गहरे समुद्र में मत्स्य पालन के टिकाऊ तरीकों के लिए दिशा-निर्देश, 2025' के तहत एक अनिवार्य प्रावधान है। गहरे समुद्र में मछली पकड़ने या इससे जुड़ी गतिविधियों में शामिल भारतीय ध्वज वाले जहाजों के लिए एक पारदर्शी और जवाबदेह ढांचे के रूप में तैयार किया गया यह एलओए विशिष्ट जहाज के लिए होता है, जो कि

गैर-हस्तांतरणीय है। साथ ही इसे 'रीयलक्राफ्ट फिशिंग वेसल रजिस्ट्रेशन पोर्टल' के साथ एकीकृत किया गया है, ताकि व्यवस्थित, जानकारी लेने योग्य और निगरानी योग्य संचालन सुनिश्चित किया जा सके। न्यूनतम लागत पर जारी और नवीनीकृत होने वाला, बिना किसी प्रक्रियात्मक बाधा और रीयल-टाइम एप्लिकेशन ट्रैकिंग वाला यह एलओए मछुआरों और जहाज ऑपरेटरों के लिए नियमों के अनुपालन को आसान बनाता है। एलओए प्राप्त जहाजों के लिए प्रासंगिक क्षेत्रीय मत्स्य प्रबंधन संगठनों (आरएफएमओ) द्वारा निर्धारित संरक्षण और प्रबंधन उपायों का पालन करना अनिवार्य है, जिसमें जिम्मेदार और टिकाऊ मछली पकड़ने के लिए सीमा, मछली पकड़ने के उपकरणों से जुड़े नियम, अनजाने में पकड़ी गई मछलियों को कम करने के उपाय, फिश एग्रीगेटिंग डिवाइस प्रबंधन, यात्रा रिपोर्टिंग और अन्य आवश्यकताएं शामिल हैं।

एलओए पहल मत्स्य किसान उत्पादक संगठनों (एफएफपीओ) और मत्स्य सहकारी समितियों को मजबूत करेगी। यह गहरे समुद्र और हाई-सीज में मत्स्य पालन में उनकी भागीदारी को सुगम बनाएगी, जिससे उच्च मूल्य वाले संसाधनों तक उनकी पहुंच बढ़ेगी और मछुआरों के लिए आय के बेहतर अवसर पैदा होंगे। यह पहल डिजिटलीकरण पर भी विशेष ध्यान केंद्रित करता है, जिसके तहत पूरी एलओए प्रक्रिया को ऑनलाइन, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है। इससे मत्स्य पालन क्षेत्र में सेवा वितरण, पारदर्शिता, ट्रेसेबिलिटी और सुशासन में सुधार होगा। ओडिशा गहरे समुद्र में मछली पकड़ने का मिशन (2026झ2036) ओडिशा सरकार की एक प्रमुख 'ब्लू इकोनॉमी' पहल है। इसका उद्देश्य राज्य के अपतटीय और गहरे समुद्र में मत्स्य पालन की संभावनाओं को सामने लाना और ओडिशा को गहरे समुद्र में मछली पकड़ने तथा समुद्री निर्यात के एक अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करना है। आधुनिक मत्स्य पालन इंफ्रास्ट्रक्चर, मूल्य श्रृंखलाओं, वैज्ञानिक मत्स्य प्रबंधन और बाजार संपर्कों में निवेश के माध्यम से, इस मिशन का लक्ष्य मछली उत्पादन बढ़ाना, रोजगार के अवसर पैदा करना, मछुआरों की आय में वृद्धि करना और समुद्री मत्स्य पालन क्षेत्र के सतत विकास को गति प्रदान करना है।

अधिकार पत्र और ओडिशा गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के मिशन दस्तावेज का यह शुभारंभ, भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र से बाहर के क्षेत्रों में भारतीय ध्वज वाले जहाजों द्वारा अधिकृत रूप से मछली पकड़ने के लिए एक विनियमित, पारदर्शी और टिकाऊ प्रणाली की शुरूआत का प्रतीक है। यह कदम भारतीय ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाजों को गहरे समुद्र में टिकाऊ और जिम्मेदार मत्स्य पालन के लिए सशक्त बनाएगा। यह समुद्री मत्स्य संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग, मछुआरों की आजीविका को मजबूत करने, समुद्री खाद्य निर्यात बढ़ाने, वैश्विक स्थिरता मानकों के अनुपालन और एक समृद्ध व समावेशी 'ब्लू इकोनॉमी' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

पृष्ठभूमि

भारत के पास लगभग 11,099 किमी की लंबी तटरेखा और लगभग 24 लाख वर्ग किमी के अनन्य आर्थिक क्षेत्र से समर्थित एक विशाल और विविध समुद्री संसाधन आधार है। भारत के ईईजेड के भीतर समुद्री मत्स्य पालन की क्षमता लगभग 58.6 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है, जो लगभग 50 लाख मछुआरों की आजीविका का साधन है और खाद्य सुरक्षा, पोषण, रोजगार, आय सृजन तथा निर्यात राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देती है। भारत वर्तमान में वैश्विक स्तर पर अग्रणी मत्स्य पालन और जलीय कृषि उत्पादक देशों में शामिल है और इसने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान लगभग 73,890 करोड़ रुपए मूल्य के समुद्री खाद्य का निर्यात किया है। अधिकांश मछली पकड़ने की गतिविधियां तट से 40-50 नॉटिकल मील के भीतर केंद्रित है, जबकि गहरे पानी और राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से बाहर के क्षेत्र उच्च मूल्य वाली प्रजातियों, विशेष रूप से टूना और इसके जैसी मछलियों के लिए बड़े अवसर प्रदान करती है। टिकाऊ समुद्री मत्स्य पालन के रणनीतिक महत्व को पहचानते हुए, भारत सरकार ने भारतीय आईजेड और गहरे समुद्र से मत्स्य पालन के लिए एक सक्षम ढांचा अधिसूचित किया है, जिसमें 'भारतीय ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाजों द्वारा गहरे समुद्र में मत्स्य पालन के लिए दिशा-निर्देश, 2025 शामिल है।

समुद्री मत्स्य पालन के रणनीतिक महत्व को पहचानते हुए, भारत सरकार ने केन्द्रीय बजट 2025-26 में भारतीय ईईजेड और गहरे समुद्र से मत्स्य पालन के लिए एक सक्षम ढांचा लाने के अपने इरादे की घोषणा की थी। इसमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप जैसे द्वीप क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है, जो मिलकर भारत के कुल ईईजेड क्षेत्र का लगभग 49 प्रतिशत हैं। यह घोषणा समुद्री मत्स्य पालन क्षेत्र की अप्रयुक्त क्षमता का लाभ उठाने के साथ-साथ स्थिरता, निष्पक्षता, राष्ट्रीय समुद्री हितों और मत्स्य पालक समुदायों की दीर्घ कालिक आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

इस विजन को अपनाने में, 9 दिसंबर, 2025 को 'भारतीय ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाजों द्वारा गहरे समुद्र में मत्स्य पालन के लिए दिशा-निर्देश, 2025 अधि सूचित किए गए थे। ये दिशा-निर्देश भारत के ईईजेड से परे, हाई-सीज में भारतीय ध्वज वाले जहाजों द्वारा अधिकृत, विनियमित और जिम्मेदार रूप से मछली पकड़ने को सक्षम बनाने के लिए

हथकरघा क्षेत्र में नवाचार और प्रौद्योगिकी आधारित समाधानों को बढ़ावा देने के लिए हैंडलूम हैकाथॉन 2026 का शुभारंभ किया गया

ग्रैंड फिनाले 1 अगस्त, २०२६ को आयोजित किया जाएगा ; ऑनलाइन पंजीकरण २० जुलाई तक खुले हैं

भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय ने हैंडलूम हैकाथॉन 2026 बुनाई नवाचार नामक एक राष्ट्रीय नवाचार प्रतियोगिता शुरू की है, जिसका उद्देश्य भारत के हथकरघा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए प्रौद्योगिकी, डिजाइन, उद्यमिता और टिकाऊ समाधानों का उपयोग करना है। यह पहल राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2026 समारोहों के अंतर्गत आयोजित की जा रही है। हैकाथॉन का ग्रैंड फिनाले 1 अगस्त, 2026 को फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी), आईआईटी दिल्ली में आयोजित किया जाएगा, जहां चयनित टीमें शिक्षा जगत, उद्योग, डिजाइन, प्रौद्योगिकी और हथकरघा क्षेत्र के विशेषज्ञों से बनी एक प्रतिष्ठित जूरी के समक्ष अपने समाधान प्रस्तुत करेंगी। वस्त्र मंत्रालय में विकास आयुक्त (हथकरघा) डॉ. एम. बीना ने इस पहल के बारे में कहाः हैंडलूम हैकाथॉन 2026 का उद्देश्य भारत के युवाओं की रचनात्मकता को हथकरघा क्षेत्र की समृद्ध विरासत से जोड़ना है। बुनकरों, छात्रों, डिजाइनरों, प्रौद्योगिकीविदों, उद्यमियों और नवप्रवर्तकों के लिए एक सहयोगात्मक मंच प्रदान करके, इस पहल का लक्ष्य प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने, प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और हथकरघा क्षेत्र के सतत विकास में योगदान देने वाले व्याव हारिक और विस्तार योग्य समाधान तैयार करना है। इस हैकाथॉन को उत्पाद और डिजाइन नवाचार, स्थिरता और प्रसार, डिजिटल प्रौद्योगिकियों, बाजार पहुंच, ब्रांडिंग, आपूर्ति श्रृंखला दक्षता, उत्पादकता वृद्धि, व्यवसाय विकास और सामाजिक प्रभाव सहित विषयगत क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला में नवीन समाधानों को प्रोत्साहित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस पहल का उद्देश्य हथकरघा इको-सिस्टम और भारत के नवाचार और स्टार्टअप इको-सिस्टम के बीच घनिष्ठ सहयोग को बढ़ावा देना है, साथ ही अंतर्विषयक समस्या-समाधान को प्रोत्साहित करना है। इस कार्यक्रम में वस्त्र, फैशन, डिजाइन, इंजीनियरिंग, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राएं, साथ ही हथकरघा बुनकर, कारीगर, अनुसंधानकर्ता, स्टार्टअप, उद्यमी, नवोन्मेषक और पेशेवर भाग ले सकते हैं। उत्कृष्ट विचारों को मान्यता देने के अलावा, हैकाथॉन का उद्देश्य ऐसे आशाजनक और व्यावहारिक समाधानों की पहचान करना है जिन पर सहयोगी संस्थानों के सहयोग से मार्गदर्शन, संवर्धन और आगे विकास के लिए विचार किया जा सके। इस पहल का लक्ष्य हथकरघा क्षेत्र के आधुनि कीकरण, प्रतिस्पर्धात्मकता और दीर्घकालिक स्थिरता में योगदान देने वाले नवाचारों को प्रोत्साहित करना है। ऑनलाइन पंजीकरण 20 जुलाई, 2026 तक खुले हैं। छात्र, नवप्रवर्तक, स्टार्टअप, अनु संधान कर्ता, डिजाइनर, उद्यमी और हथ करघा व्यवसायी के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं और अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं।

विकास आयुक्त (हथकरघा) के कार्यालय ने देश भर के छात्रों, नवोन्मेषकों, डिजाइनरों, उद्यमियों, अनुसंधानकताओं, स्टार्टअप और हथकरघा विशेषज्ञों को हैकाथॉन में भाग लेने और तकनीकी रूप से सक्षम, टिकाऊ और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारतीय हथकरघा क्षेत्र के लिए अभिनव समाधान विकसित करने में योगदान देने के लिए आमंत्रित किया है । भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत विकास आयुक्त (हथकरघा) का कार्यालय हथकरघा क्षेत्र के संवर्धन, विकास और कल्याण के लिए जिम्मेदार सर्वोच्च संगठन है। नीतिगत हस्तक्षेपों, विकास कार्यक्रमों, बाजार संवर्धन पहलों और संस्थागत सहयोग के माध्यम से यह भारतीय हथकरघा की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने, हथ करघा बुनकरों की आजीविका में सुधार करने और भारत की समृद्ध बुनाई परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में कार्य करता है।

प्रधानमंत्री ने यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल प्रंबानन मंदिर परिसर में दर्शन किए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज योग्याकार्ता में स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल प्रंबानन मंदिर परिसर में दर्शन किए। एक विशेष पहल के तहत, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति श्री प्रबोवो सुबियांतो भी प्रधानमंत्री के साथ मंदिर दर्शन के लिए उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने मंदिर परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की संरक्षण और जीर्णोद्धार परियोजना के शुभारंभ के उपलक्ष्य में एक पट्टिका का अनावरण किया। 9वीं शताब्दी में निर्मित, प्रंबानन मंदिर परिसर इंडोनेशिया का सबसे बड़ा मंदिर परिसर है जो भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर परिसर भारत और इंडोनेशिया के बीच साझा सभ्यतागत और सांस्कृतिक विरासत का एक स्थायी प्रतीक है। यह संरक्षण परियोजना राष्ट्रपति श्री प्रबोवो की 2025 में भारत की राजकीय यात्रा के दौरान दोनों नेताओं के बीच हुए समझौते के बाद शुरू की गई है,